राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अकं : 177 पटना (बिहार) मंगलवार, 29 अप्रैल 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

नीतीश कुमार के विरोध में जन्मी कई पार्टियों की होगी अग्नि परीक्षा

संवाददाता द्वारा

पटनाः वैसे तो आगामी बिहार विधान सभा का चुनाव जीत हार के उदाहरणों के साथ खत्म हो जाएगा। कोई सरकार बनाएगा और कोई विपक्ष की भूमिका का निर्वहन करेगा। पर बिहार विधान सभा 2025 इसलिए भी चिहिज्नत किया जाएगा कि इस चुनाव में नीतीश कुमार या फिर उनकी नीतियों के विरुद्ध कई पार्टियां उठ खड़ी हुई जो कभी उनके नीतियों के पैरोकार बने हुए थे। आइए जानते हैं नीतीश कुमार और उनकी नीतियों के विरुद्ध कौन-कौन सी पार्टियां बनी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाराज सिपहसालार पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने आप सब की आवाज के सहारे आगामी विधानसभा की जंग में नीतीश कुमार की नीतियों के विरुद्ध लड़ने जा रहे हैं। आरसीपी सिंह पार्टी बनाने की जरूरत पर साफ कहा कि अब नीतीश कुमार न तो भ्रष्टाचार रोक पा रहे हैं और न ही अपराध। उनका मुख्य नारा रोजगार देंगे और पलायन रोकेंगे यह भी पूरी तरह असफल रहा है। राज्य की जनता आप सबकी आवाज को कितना अपनाती है यह तो भविष्य की बात है पर हर नकारात्मक पहलू का विरोध होना चाहिए और मैं कर रहा हूं।लगभग दो साल से राज्यभर में पदयात्रा करने के बाद प्रशांत किशोर उर्फ पीके ने जन सुराज नाम की पार्टी बना कर नीतीश कुमार की नीतियों के विरुद्ध जंग का ऐलान कर दिया। प्रशांत किशोर युवाओं, किसानों, बुजुर्गों, महिलाओं को केंद्रित कर राज्य के जनता के सामने खुद को खड़ा किया है। पीके उस राजनीति के विरुद्ध खड़े हैं जो दिल्ली की मेहरबानी से शुरू होती है। पीके ने बिहार की शिक्षा व्यवस्था को कोसा। शराबबंदी की नीतियों की जमकर भर्त्सना की और यहां तक कह डाला कि सत्ता में आती है जनसुराज तो एक घंटे में शराबबंदी कानून वापस लिया जाएगा और शराब की बिक्री से जो

आए होगी वह केवल शिक्षा पर ही खर्च किया जाएगा। पीके का सीधा आरोप है कि नीतीश कुमार ने जंगल राज से मुक्ति,सड़क और बिजली के नाम पर वोट मांगा और वह जनता को मिला भी पर किस कीमत पर। बिजली का बिल दो गुना हो गया। मगर नीतीश कुमार ने न शिक्षा और रोजगार के लिए वोट नहीं मांगा। इसलिए आज बिहार शिक्षा और नौकरी के मामले में पीछे है। जनसुराज की सारी लगाई ही बेहतर शिक्षा तो खुद ब खुद रोजगार मिल जाएगा। आईपीएस सेवा से वीआरएस ले चुके चर्चित शिवदीप लांडे ने भी बिहार की राजनीति में जय हिंद पार्टी के सहारे चुनावी जंग में उतरने का ऐलान कर दिया है। इनके जंग में शामिल जातीय जकड़न और बिहार और नौकरी के अभाव में पलायन का शिकार बिहार। जाहिर है ये दो मुद्दे नीतीश कुमार की सत्ता से गुजरते उनके विरुद्ध खड़ा होता दिख रहा है। बिहार का सामाजिक न्याय जात-जात की राजनीति है। यहां सामाजिक न्याय अगड़ा-पिछड़ा है। अगड़ा में भी भूमिहार का नेता, राजपूत का नेता, वैश्य का नेता। पिछड़ा में यादवों का नेता। अति पिछड़ा में कुर्मी का नेता, कुशवाहा का नेता। दलित में भी पासवान का नेता। महादलित में भी मुसहर का नेता। इसलिए बिहार में समग्रता से युवाओं की दशा और दिशा बदलने की लड़ाई जय हिंद पार्टी लड़ेंगीं। लांडे का मानना है कि 75 साल बाद भी रोजगार और पलायन आज भी बड़े मुद्दे हैं ,75 साल बाद भी कई गांवों में पीने के पानी तक की सुविधा नहीं है वहां एक ऐसी पार्टी की जरूरत है जिसे जय हिंद पूरा करेगा। वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण बागी मानते हैं कि बिहार का चुनाव मुद्दों का नहीं बल्कि जातीय तुष्टिकरण के समीकरण पर लड़ा और जीता जाता है। इस जातीय अवधारणा के अनुसार बिहार की राजनीति के तीन ध्रुव हैं। एक लव कुश आधारित जनता दल यू, दूसरा स्वर्ण और वैश्य आधारित बीजेपी और एम वाई समीकरण साधे राजद। इनमें दो ताकते जिधर होती हैं सरकार उसी की बनती है। दो बार राजद का दामन थाम महागठबंधन की सरकार बनी और जब भाजपा और जदयू साथ रहा तो एनडीए की सरकार अनेकों बार बनी। लेकिन ये जो नई पार्टियां बनी हैं वे भी लोकतंत्र की लड़ाई में वोटो को पाने वाली हैं। पर यहां महत्वपूर्ण यह होगा कि ये किस जाति का वोट काटेंगे। और यह उनकी उम्मीदवारी पर निर्भर करता है। एक दो प्रतिशत चेहरे पर वोट मिल सकते हैं। लेकिन आगामी लड़ाई भी उसी तर्ज पर लड़ी जा रही है। बीजेपी और जदयू का एक साथ होना ही महागठबंधन की जीत में असंख्य बाधा पैदा करने में सक्षम हैं। हां ,लेकिन नए पार्टियों की हिस्सेदारी से जीत हार के अंतर को काफी हद तक प्रभावित करेगा।

पाकिस्तान के समर्थन में नारा लगाने वाले भाकपानेता को मिली जमानत

क्राइम संवाददाता द्वारा

लखीसराय। सूर्यगढ़ा में महागठबंधन के कैंडल मार्च में पाकिस्तान के समर्थन में नारा लगाने वाले भाकपा नेता कैलाश प्रसाद सिंह को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, लखीसराय के न्यायालय से जमानत मिल गई है। निजी मुचकला पर कोर्ट ने उन्हें छोड़ दिया है।उधर, भाकपा के विश्वरंजन कुमार सिंह ने एसपी को आवेदन देकर शिकायत की है कि भाकपा नेता कैलाश सिंह ने अपनी गलती स्वीकार कर ली, लेकिन एक निजी चैनल ने वीडियो एडिट कर उसे गलत तरीके से प्रसारित कर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया।उन्होंने इस मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। भाकपा के जिला कार्यकारिणी सदस्य रजनीश कुमार का कहना है कि मानवीय भूल को उक्त चैनल ने एडिट कर सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की कोशिश की है। जानकारी हो कि रविवार को पाकिस्तान के समर्थन में संबंधित वीडियो जब प्रसारित किया गया तो पुलिस भी हरकत में आ गई। एसपी अजय कुमार की निगरानी में प्रसारित वीडियो की तकनीकी टीम द्वारा जांच कराई गई। उसमें वीडियो को एडिट करने की बात प्रमाणित हुई थी। जांच में यह भी सामने आया कि भाकपा नेता कैलाश सिंह ने एक बार पाकिस्तान के समर्थन में नारा लगाया, लेकिन उन्होंने अपनी गलती को तुरंत सुधार लिया था। पुलिस ने भाकपा नेता कैलाश प्रसाद सिंह के विरुद्ध सूर्यगढ़ा थाना में केस कर रविवार को उन्हें कस्टडी में ले लिया। भाकपा नेता को रात भर सूर्यगढ़ा थाना में रखा गया। सोमवार को पुलिस ने उन्हें कोर्ट में प्रस्तुत किया तो निजी मुचकला पर उन्हें छोड़ दिया। एसपी अजय कुमार ने कहा कि वीडियो एडिट करने के मामले की जांच की जारी रही है। जो भी दोषी होगा, आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सोमवार की शाम जिला कांग्रेस कार्यालय में महागठबंधन की बैठक हुई जिसमें इस मामले में आंदोलन करने का निर्णय लिया गया

एक नजर

बिहार के इन सात जिलों में बनेंगे 50 बेड वाले अस्पताल

संवाददाता द्वारा

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेहतर सोच का परिणाम है कि आयुष मंत्रालय निरंतर बेहतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से आयुष चिकित्सा पद्धति को ग्रामीण-शहरी दोनों क्षेत्रों में पहुंचाया जा रहा है।

इसके तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में गोपालगंज, सिवान, मधुबनी, दरभंगा, बेगूसराय, गया एवं मोतिहारी में 50 बेड वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों का निर्माण कराया जाएगा। सभी 38 जिलों में जिला संयुक्त औषधालय संचालित किए जा रहे हैं। जो 12 माडल जिला अस्पताल बन चुके हैं व 9 का निर्माण जल्द पूरा होने वाला है, उनमें 10-10 बेड का आयुष चिकित्सा पद्धति अस्पताल भी होंगे। पटनासिटी के नवाब मंजिल में 50 बेड का एकीकृत आयुष अस्पताल तैयार हो चुका है। राज्य आयुष समिति जल्द ही आयुष आरोग्य मंदिर में पैथोलाजी जांच शुरू कराने जा रही है। आयुष चिकित्सा पद्धति की पढ़ाई के जो कालेज बंद हो चुके थे, उन्हें 834 करोड़ रुपये से राष्ट्रीय स्तर का संस्थान बनाया गया है। बेगूसराय आयुर्वेदिक कालेज में नामांकन शुरू हो गया है। दरभंगा आयुर्वेदिक कालेज भी तैयार हो चुका है। राजकीय आरबीटीएस होमियोपैकथिक कालेज सह अस्पताल का निर्माण कार्य भी पूरा होने वाला है। स्वास्थ्य मंत्री सोमवार को आयुष्मान भारत योजना के तहत राज्य आयुष समिति द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर के आयुष चिकित्सा पदाधिकारियों के लिए आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। 35 हजार 383 पदों पर नियुक्ति को विज्ञापन प्रकाशित स्वास्थ्य मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री की सोच है कि 12 लाख लोगों को नौकरी एवं 25 लाख लोगों को रोजगार दिया जाए।

बिहार चुनाव में इस बार एनडीए के दल आपस में बदलेंगे सीट

संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार में 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सत्ताधारी गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर बातचीत शुरू हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार, वे सीटें जहां एनडीए लगातार दो बार से हार रहा है, सहयोगी दलों के बीच बदली जा सकती हैं। इस बार सीटों का आवंटन जीतने की संभावना के आधार पर तय किया जाएगा। एनडीए में शामिल बीजेपी, जेडीयू, लोजपा (रामविलास), हम और आरएलएम के बीच मंथन चल रहा है। उम्मीदवारों के चयन से पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कौन सी पार्टी किस सीट पर लड़ेगी। जरूरत पड़ने पर सीटों की अदला-बदली भी होगी। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता के नाम न छापने

की शर्त पर कहा कि इस बात देखा जा रहा कि एनडीए का दल अगर कोई परंपरागत सीट दो बार से हार रहा है, तो उस सीट को ऐसे घटक दल को दिया जा सकता है, जिसकी वहां जीतने की संभावना ज्यादा हो। सीट बंटवारे में सिर्फ पार्टी का इतिहास नहीं, बल्कि मौजूदा समीकरण और संभावित जीत भी मुख्य आधार होंगे। जेडीयू के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस बार एनडीए के घटक दलों में समन्वय पहले से बेहतर है। 2020 के चुनाव में लोजपा (रामविलास) के विरोध से जो नुकसान हुआ था, इस बार वैसी कोई स्थिति नहीं होगी। सभी दल जिलों से लेकर कार्यकताओं के स्तर तक कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। सीट बंटवारे के दौरान पार्टी की क्षेत्रीय पकड़, संभावित उम्मीदवार की ताकत और जातीय समीकरण का विशेष ध्यान रखा जाएगा। जेडीयू नेता के अनुसार, 2020 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण कर सीटों पर दावा तय किया जाएगा। जातीय संतुलन बिगाड़े बिना उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा, चाहे सीट की अदला-बदली ही क्यों न करनी पड़े। बीजेपी की सीट जेडीयू को, जेडीयू की बीजेपी को या लोजपा रामविलास की हम को भी दी सकती है। केवल जीत पर फोकस है।2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए ने 243 में से 125 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जेडीयू ने 43 और बीजेपी ने 71 सीटें जीती थीं। हम ने 4 और वीआईपी ने 4 सीटें जीती थीं। इस बार एनडीए अपना प्रदर्शन और बेहतर करना चाहता है।

केंद्र की राजनीति में ज्यादा दिलचस्पी नहीं; बिहार में निभाएंगे बड़ी भूमिका ! :चिराग

संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार की राजनीति में इन दिनों काफी गहमागहमी है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' अभियान के जरिए राज्य की राजनीति में बड़ी भूमिका निभाने का इशारा किया है। उन्होंने कहा कि उनकी दिलचस्पी बिहार की राजनीति में ही है। हालांकि, पार्टी के आदेश के बाद ही वे कुछ कह पाएंगे। उन्होंने एनडीए गठबंधन को लेकर विपक्षी दलों की चिंता को भी खारिज किया है। चिराग पासवान का कहना है कि उन्होंने राजनीति की शुरूआत बिहार से की थी। उनका नारा ह्यबिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्टह्व था। उनका मानना है कि उन्हें बिहार की राजनीति करनी है। चिराग पासवान ने साफ संकेत दिया है कि उन्हें केंद्र के राजनीति से कोई ज्यादा दिलचस्पी नहीं है, लेकिन इसको लेकर जब पार्टी का आदेश होगा, उसके बाद ही वो कुछ बता पाएंगे, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। चिराग पासवान ने एनडीए गठबंधन के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में ही घटक दलों के बीच खींचतान चल रही है। उन्होंने कांग्रेस को अपने घटक दलों की चिंता करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। चिराग पासवान ने गृह मंत्री अमित शाह से जीतन राम मांझी की मुलाकात पर भी अपनी

प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मांझी भी एनडीए गठबंधन के घटक दल हैं। उन्हें गृह मंत्री से मिलने का अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर वे भी गृह मंत्री अमित शाह से मिलते हैं। हाल ही में, चिराग पासवान के एक करीबी सांसद ने भी संकेत दिया कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ऐसी अटकलें हैं कि वे खुद चुनाव लड़ सकते हैं और मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी पेश कर सकते हैं। इससे बिहार की राजनीति में और भी सरगर्मी बढ़ गई है।

लालू- नीतीश और मोदी के चेहरे को देखकर वोट मत देना' : प्रशांत किशोर

संवाददाता द्वारा

औरंगाबादः जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर औरंगाबाद पहुंचे। जन सुराज उद्घोष यात्रा के तहत आयोजित जनसभा में उन्होंने लोगों से बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ी अपील कर दी। पीके ने अपील की कि अगली बार वोट लालू यादव, नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे को देखकर मत देना, बल्कि अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार को ध्यान में रखकर वोट देना। प्रशांत किशोर ने अपने संबोधन में बिहार में व्याप्त भ्रष्टाचार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य में राशन कार्ड बनवाने से लेकर जमीन की रसीद कटवाने तक के हर सरकारी काम में अधिकारी और नेता रिश्वत ले रहे हैं, जिससे आम जनता त्रस्त है। उन्होंने ओबरा की जनता से अपील की कि उन्हें और उनके बच्चों को लूटने वाले नेताओं

को नकारें और अगली बार सोच-समझकर वोट करें ताकि बिहार में जनता का असली राज स्थापित हो सके।

जनसभा में प्रशांत किशोर ने बड़ा वादा करते हुए कहा कि दिसंबर 2025 से 60 वर्ष से अधिक उम्र के सभी पुरुष और महिलाओं को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि छठ पूजा के बाद बिहार के युवाओं को 10-12 हजार रुपये की मजदूरी के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर बाहर नहीं जाना पड़ेगा। शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशांत किशोर ने महत्वपूर्ण घोषणा की।

उन्होंने कहा कि जब तक सरकारी विद्यालयों की स्थिति में सुधार नहीं होता, तब तक 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा और उनकी फीस सरकार द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने कहा कि गरीब का बच्चा भी अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ सके, इसके लिए जन सुराज अभियान कटिबद्ध है।

रामनगर स्टेट की अरबों की जमीन पर भू-माफियाओं की नजर

क्राइम संवाददाता द्वारा

छपराः छपरा में भूमाफियाओं की बड़ी करतूत सामने आई है. दस्तावेजों में हेराफेरी कर रामनगर स्टेट की लगभग तीन एकड़ जमीन को फर्जी तरीके से बेच दिया है. इसके बाद पूरे प्रशासनिक अमले में हड़कंप की स्थिति है. सारण जिलाधिकारी अमन समीर ने जांच के आदेश दे दिए हैं. साथ ही फर्जी तरीके से जमीन की रजिस्ट्री करने वालों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई जा रही है. रामनगर स्टेट की जमीन की फर्जी रजिस्ट्रीः यह पूरा मामला छपरा जंक्शन के पास स्थित रामनगर स्टेट (छावनी) की जमीन से जुड़ा हुआ है. छपरा जक्शन के पास रामनगर स्टेट की लगभग तीन एकड़ जमीन है, जो रेलवे स्टेशन के पास होने से भू-माफियाओं और दलालों की नजर पर चढ़ी हुई थी. इस जमीन की हिफाजत के लिए बाकायदा वहां रामनगर स्टेट के मैनेजर के रूप में एक व्यक्ति रहते हैं और वही इस जमीन की देखभाल करते हैं. जमीन पर बाउंड्री कराने पहुंचा था शख्सः इसी बीच किसी भू-माफियाओं ने उस जमीन को बेच दिया. जब जमीन लेने वाला व्यक्ति मकान बनाने के उद्देश्य से उस जमीन पर बाउंड्री कराने पहुंचा तो रामनगर स्टेट के लोगों ने इसका विरोध किया और कागजात दिखाने की मांग की. उसके बाद जमीन खरीदार

और रामनगर स्टेट के मैनेजर के बीच तीखी नोकझोंक हुई. वहीं, इस घटना के बाद दोनों पक्षों ने सारण के जिलाधिकारी अमन समीर से शिकायत दर्ज की गई. उसके बाद सारण के जिलाधिकारी ने इस घटना को काफी गंभीर मानते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं. ₹रामनगर स्टेट की यह प्रोपर्टी है. कागजी रूप से कुछ लोग जाली डीड बनाकर तैयार किया है लेकिन कानून पर भरोसा है. हमलोगों ने डीएम, सीओ और एडीएम के पास गए हैं. जहां से कार्रवाई के लिए आदेश हुआ है.₹- अमित कुमार मिश्रा, शिकायतकर्ता

क्या बोले डीएम?ः वहीं सारण के जिलाधिकारी ने रजिस्ट्री कार्यालय और अभिलेखागार कार्यालय पर भी कार्रवाई की है. साथ ही जमाबंदी से फर्जी तरीके से और दलालों पर कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है. उन्होंने बताया कि गलत तरीके से रजिस्ट्री कराने वालो और इसमें शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी कठोर कार्रवाई की जाएगी. ₹शिकायतकर्ता ने शिकायत की थी कि रजिस्ट्री ऑफिस में छेड़छाड़ कर डीड को बदला गया है. जांच में उसे सत्य पाया गया है. इसके बाद मेरे द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया था. पुलिस भी आगे की कार्रवाई कर रही है. भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए हम लोगों की ओर से कार्यवाही की जा रही है.₹- अमन समीर, जिलाधिकारी, सारण क्या है मामला?ः छपरा जंक्शन के पास रामनगर चंपारण स्टेट की जमीन है. वहां राजा मोहन विक्रम साह उर्फ रामराजा के नाम से लगभग 2 एकड़ 53 डिसिमल जमीन है. इसकी रजिस्ट्री 1901 से लेकर 1902 के बीच हुई थी, जिसका रजिस्ट्रेशन रजिस्टर-2 में दर्ज है. अब भू-माफियाओं ने फर्जी दस्तावेज बनाकर 20 से अधिक लोगों को जमीन बेच दी और रजिस्ट्री करा दी. गड़बड़झाला का खुलासा होने के बाद अब डीएम ने जांच कमिटी बनाकर रिपोर्ट मांगी है.

कोंडली नहर में डूबे दो युवक, एक की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्थित कोंडली नहर में शनिवार शाम नहाने गए दो युवक डूब गए। शोर शराबा हुआ तो एक युवक को राहगीरों ने सुरक्षित निकाल लिया, जबकि दूसरा युवक गहरे पानी में डूब गया। बाद में मामले की सूचना पुलिस, दमकल विभाग और बोट क्लब को दी गई। सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गया। काफी देर तक डूबे युवक की तलाश की गई। बाद में उसका शव नहर से बरामद कर लिया गया। मृतक की पहचान सतपाल (38) के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद सतपाल का शव परिजनों को सौंपा। पुलिस भोपाल से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक सतपाल परिवार के साथ राजवीर कालोनी, न्यू अशोक नगर में रहता था। वह कारपेंटर का काम करता था। शनिवार को वह अपने घर पर मौजूद था। इस बीच उसका दोस्त भोपाल वहां पहुंचा। दोनों नहर में नहाने निकल गए। नहर में गहरे पानी में जाने की वजह से दोनों डूबने लगे। शोर शराबा हुआ तो कुछ लोग दोनों को बचाने नहर में कूद गए। लोगों ने भोपाल को सकुशल बाहर निकाल लिया जबकि सतपाल वहां डूब गया। बाद में बोट क्लब के इंचार्ज हरीश अपनी टीम के साथ वहां पहुंचे। काफी देर चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद टीम ने सतपाल का शव नहर से निकाल लिया।

झुग्गियों में लगी आग, दो मासूम की मौत

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के रोहिणी सेक्टर-17 स्थित श्री निकेतन अपार्टमेंट के पास बनी झुग्गियों में दोपहर अचानक आग लग गई। सूखा कबाड़ अधिक होने के कारण आग तेजी से फैली। हादसे में दो मासूम बच्चों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे दमकल 20 गाड़ियों ने दोपहर करीब साढ़े तीन बजे आग पर काबू पाया। दमकल अधिकारी के अनुसार झुग्गियों में आग के दौरान करीब डेढ़-दो दर्जन छोटे गैस सिलेंडर धमाकों के साथ ब्लास्ट हुए। गनीमत रही कि दमकल कर्मियों को चोट नहीं आई, लेकिन रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत जरूर पेश आई। इस घटना में करीब दो सौ से अधिक झुग्गियां जलकर खाक हो गई हैं। यहां रहने वाले करीब एक हजार से अधिक लोग खुले आसमान नीचे आ गए। पुलिस का कहना है कि अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस एफएसएल की मदद से आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक रविवार दोपहर करीब 11.55 बजे रोहिणी सेक्टर-17 स्थित झुग्गियों में आग लगने की सूचना मिली थी। पुलिस, दमकल और एंबुलेंस की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। घटना के दौरान आग में फंस जाने से दो बच्चों की मौत हुई है, जबकि 28 वर्षीय शाबुल शेख घायल हुआ है।

घर से लापता तीन किशोरियों को परिजनों से मिलाया

नई दिल्ली। घर से लापता तीन किशोरियों को साउथ वेस्ट जिला पुलिस ने बरामद कर परिजनों से मिलाया है। उनकी तलाश में पुलिस ने सोशल मीडिया से लेकर मैनुअल स्तर तक सभी संभावित प्रयास किए। किशोरियों के परिजनों व दोस्तों से भी जानकारी हासिल की गई। साउथ वेस्ट डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सागरपुर इलाके से 17 वर्षीय किशोरी के लापता होने की शिकायत मिली थी। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर उसकी तलाश आरंभ की। कोई सफलता न मिलने पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रभारी बलबीर सिंह की देखरेख में टीम गठित की गई। इस दौरान टीम ने बच्ची के परिजनों व दोस्तों से जानकारी हासिल की। इसके अलावा विभिन्न ग्रुपों में फोटो भी साझा किए गए। काफी खोजबीन के बाद लापता किशोरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया गया। कानूनी औपचारिकताओं के बाद किशोरी को परिजनों को सौंप दिया गया। इसके अलावा नेब सराय इलाके में 14 और 16 वर्षीय किशोरियों के लापता होने की शिकायत मिली थी। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम ने मामले की जांच की तो पता चला कि लापता एक किशोरी के पास मोबाइल फोन है। वह दो नंबरों का इस्तेमाल कर रही थी।

पुलिस ने हथियार के साथ दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हाशिम बाबा गैंग के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से तीन सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार बदमाशों की पहचान संभल उप्र निवासी रिहान और जाफराबाद निवासी सलमान अहमद के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि पकड़ा गया रिहान पहले एक निजी अस्पताल में नौकरी करता था। सलमान के संपर्क में आने के बाद उसने नौकरी छोड़ दी और दिल्ली एनसीआर में हाशिम बाबा गैंग के सदस्यों को अवैध हथियारों की सप्लाई करने लगा। जबकि सलमान आठवीं तक पढ़ा है।

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में अभाविप का शानदार प्रर्दशन, वैभव मीणा संयुक्त सचिव निर्वाचित

काउंसिल की 42 में से 23 सीटों पर विजय

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्रसंघ चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि वामपंथी गठबंधन ने चार में से तीन शीर्ष पदों पर अपना दबदबा कायम रखा। अभाविप के हिस्से में एक पद आया। आइसा के नीतीश कुमार को अध्यक्ष, डीएसएफ की मनीषा को उपाध्यक्ष, डीएसएफ की मुन्तेहा फातिमा को महासचिव और अभाविप के वैभव मीना को संयुक्त सचिव निर्वाचित किया गया।मतगणना के दौरान अधिकांश समय अभाविप के उम्मीदवार सभी केंद्रीय पैनल पदों पर आगे रहे। यह जेएनयू में पारंपरिक वामपंथी प्रभुत्व के लिए एक मजबूत चुनौती को दर्शाता है। नतीजों में हार का अंतर बहुत कम रहा। यह कैंपस में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। अभाविप के नवनिर्वाचित संयुक्त

सचिव वैभव मीणा ने कहा कि संगठन ने एक दशक के बाद यह जीत हासिल की है।

अगले चुनाव में संगठन सभी शीर्ष चार पदों पर जीत हासिल करेगा। कैंपस हिंसा के कारण देरी के बाद 25 अप्रैल को हुए चुनाव में लगभग 5,500 विद्यार्थियों ने मताधिकार का प्रयोग किया। अभाविप जेएनयू के इकाई अध्यक्ष राजेश्वर कांत दुबे ने बताया कि रविवार को अभाविप ने जेएनयूएसयू काउंसिल में 42 में से 23 सीटों पर विजय प्राप्त कर काउंसिल में पचास प्रतिशत से अधिक की उपस्थिति पर कब्जा कर लिया है। जेएनयूएसयू के फैसलों में अब अभाविप को अहम जगह प्राप्त हो सकेगी। यह विजय अभाविप के रूप में उस सकारात्मक बदलाव की विजय है जिसे जेएनयू के छात्रों ने चुना है। अभाविप का 1999 के बाद यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। संगठन ने स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में जीत हासिल की और स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, इंटरनेशनल स्टडीज और संस्कृत और इंडिक स्टडीज में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की।

अभाविप का प्रदर्शन

-स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की 5 में से 2 सीटों पर जीत।
-स्कूल ऑफ सोशल साइंस की 5 में से 2 सीटों पर जीत।
-स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की 2 में से 1 सीट पर जीत।
-स्पेशल सेंटर फॉर मॉलिक्यूलर मेडिसिन की 1 में से 1 सीट पर जीत।
-स्कूल ऑफ कम्प्यूटेशनल एंड इंटीग्रेटिव साइंस की 2 में से 1 सीट पर जीत।
-स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंस की 3 में से 2 सीटों पर जीत।
-स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग की 4 में से 4 सीटों पर विजय।

रोड रेज में दो टैक्सी ड्राइवर को मारा चाकू, आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले की खजूरी खास इलाके में रोडरेज में चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में दो लोग घायल हो गए। सूचना के बाद पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मामला दर्ज कर जांच के दौरान एक आरोपित को गिरफ्तार किया। उत्तर पूर्वी जिलेके डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि आरोपित की पहचान जय कुमार के रूप में हुई है। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस पकड़े गये आरोपित से पूछताछ करके वारदात में शामिल उसके अन्य साथियों के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है।पुलिस के मुताबिक, गत 24 अप्रैल रात करीब 9.45 बजे खजूरी चौक के पास रोडरेज में चाकूबाजी की सूचना मिली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम को घायल हालत में दो पीड़ित इकराम व शहजाद मिले। दोनों खजूरी खास इलाके के ही रहने वाले हैं। पीड़ितों ने बताया कि जब आरोपी पुराना थाना कट के पास पहुंचे तो उनकी कारें बाइक सवारों के साथ टकरा गईं। कहासुनी के दौरान अज्ञात

पुलिस के मुताबिक, गत 24 अप्रैल रात करीब 9.45 बजे खजूरी चौक के पास रोडरेज में चाकूबाजी की सूचना मिली।

बाइक सवारों ने इकराम और शहजाद पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया और फरार हो गए। इसके बाद इंस्पेक्टर राकेश यादव की टीम ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व स्थानीय सूत्रों की मदद से आरोपितों में से एक की पहचान 23 वर्षीय जय कुमार उर्फ अनुज पंडित निवासी गली संख्या नौ, शिव विहार के रूप में की और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया।

रोहिणी अग्निकांड पर सीएम रेखा गुप्ता ने प्रकट किया दुख, हर संभव मदद का आश्वासन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी इलाके की झुग्गी-बस्ती में आग लगने के कारण दो बच्चों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटना पर दुख प्रकट करते हुए पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

हादसे पर दुख प्रकट करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, रोहिणी में आग लगने की दुखद घटना से बहुत दुखी हूं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति हार्दिक संवेदना। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं इस दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं।पीड़ित परिवार के लिए हर संभव प्रयास की बात कहते हुए उन्होंने लिखा, घटना के बाद, दिल्ली सरकार पीड़ितों की सहायता के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है। स्थानीय विधायक और एसडीएम तुरंत राहत प्रयासों का समन्वय करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे, जिसमें प्रभावित निवासियों

के लिए मोबाइल शौचालय, चिकित्सा सहायता और भोजन का प्रावधान शामिल है। विस्थापित परिवारों को पास के स्कूलों में स्थानांतरित किया जा रहा है, जहां उनके कल्याण के लिए अस्थायी आश्रय और सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए स्थिति की निगरानी कर रहे हैं कि हर प्रभावित व्यक्ति को समय पर सहायता और पुनर्वास दिया जाए। दिल्ली सरकार इस कठिन समय में प्रभावित सभी लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। बता दें कि आग श्रीनिकेतन अपार्टमेंट के पास की एक झुग्गी में लगी और इसके कारण खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 5 किलो के कई रसोई गैस सिलेंडर फट गए।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पीएफआई नेता ओएमए सलाम को दी 3 दिन की कस्टडी पैरोल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पूर्व अध्यक्ष ओएमए सलाम को केरल जाने के लिए 3 दिन की कस्टडी पैरोल मंजूर की है। कोर्ट ने यह फैसला सलाम की अर्जी पर सुनवाई के बाद दिया, जिसमें उसने परिवार से मिलने के लिए केरल जाने की अनुमति मांगी थी। हालांकि, केंद्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस अर्जी का कड़ा विरोध किया था। हाईकोर्ट ने सख्त शर्तों के साथ पैरोल मंजूर की। कोर्ट ने कहा कि सलाम को अपनी और सुरक्षाकर्मियों की यात्रा का खर्च खुद उठाना होगा। साथ ही, पैरोल के दौरान वो मोबाइल फोन, इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा और न ही कोई फोटो या वीडियो ले सकेगा। इसके अलावा, वो केवल अपने परिवार के सदस्यों से मिल सकता है और किसी अन्य व्यक्ति से बातचीत या मुलाकात नहीं कर सकता। कोर्ट ने यह भी सुनिश्चित किया कि उसकी हर गतिविधि पर नजर रखी जाए। एनआईए ने कोर्ट में सलाम

की अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि 3 दिन की कस्टडी पैरोल दिल्ली जेल नियमों के तहत सूचीबद्ध नहीं है। एनआईए के वकील ने तर्क दिया कि एक दिन की पैरोल ठीक हो सकती है, लेकिन तीन दिन की अनुमति देना उचित नहीं। उन्होंने सलाम के पीएफआई के पूर्व अध्यक्ष होने का हवाला देते हुए कहा कि उनकी रिहाई से कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है। एनआईए ने बताया कि सलाम की गिरफ्तारी के बाद हिंसा की घटनाओं में 300 मामले दर्ज हुए थे। एजेंसी ने यह भी दावा किया कि पीएफआई का मकसद शरिया कानून लागू करना था, जिसे केरल हाईकोर्ट भी मान चुका है। कोर्ट ने एनआईए के तर्कों पर विचार किया, लेकिन सलाम को मानवीय आधार पर 3 दिन की कस्टडी पैरोल देने का फैसला किया।

भारत सरकार का एक्शन : डॉन, एआरवाई और जियो न्यूज समेत कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर लगाया बैन

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद भारत लगातार पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। इस बीच, भारत सरकार ने पाकिस्तान के कई यूट्यूब चैनलों पर कार्रवाई करते हुए उन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय की सिफारिशों पर कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाया गया है। ये चैनल जम्मू-कश्मीर में दुखद पहलगाम आतंकी घटना की पृष्ठभूमि में भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ और सामुदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री, गलत और भ्रामक कथन प्रसारित कर रहे थे। भारत ने जिन पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर कार्रवाई की है, उनमें डॉन न्यूज (19.6 लाख सब्सक्राइबर), इरशाद भट्टी (8.27 लाख सब्सक्राइबर), समा टीवी (1.27 करोड़ सब्सक्राइबर), एआरवाई

न्यूज (1.46 करोड़ सब्सक्राइबर), बोल न्यूज (78.5 लाख सब्सक्राइबर), रफ्तार (8.04 लाख सब्सक्राइबर), द पाकिस्तान रेफरेंस (2.88 लाख सब्सक्राइबर), जियो न्यूज (1.81 करोड़ सब्सक्राइबर), समा स्पोर्ट्स (73.5 हजार सब्सक्राइबर), जीएनएन (35.4 लाख सब्सक्राइबर), उजैर क्रिकेट (2.88 लाख सब्सक्राइबर), उमर चीमा एक्सक्लूसिव (1.25 लाख सब्सक्राइबर), अस्मा शिराजी (1.33 लाख सब्सक्राइबर), मुनीब फारूक (1.65 लाख सब्सक्राइबर), सुनो न्यूज एचडी (13.6 लाख सब्सक्राइबर) और राजी नामा (2.70 लाख सब्सक्राइबर) पर प्रतिबंध लगाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक में भारत ने सिंधु जल समझौते को रोकने का फैसला किया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि भारत ने सिंधु जल समझौते को फिलहाल रोकने का निर्णय लिया है। यह कदम भारत-पाकिस्तान संबंधों में बढ़ते तनाव के मद्देनजर उठाया गया है। इसके साथ ही, सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क के तहत जारी किए गए सभी वीजा छूट रद्द करने का फैसला भी किया है। इसके अलावा भारत में मौजूद पाकिस्तानी दूतावास को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी राजनयिकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। इस फैसले के साथ ही अटारी बॉर्डर चेकपोस्ट को भी बंद किया जाएगा, जिससे भारत और पाकिस्तान के बीच जमीनी संपर्क भी समाप्त हो जाएगा। ये सभी फैसले भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और आंतरिक स्थिरता को ध्यान में रखते हुए लिए गए हैं। भारत ने कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के मद्देनजर ये कदम उठाया है। इस हमले में 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

कायस्थ एकजुटता समय की मांग: राजीव रंजन प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली। जमुई में ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस (जीकेसी) द्वारा आयोजित कायस्थ महाकुंभ का उद्घाटन करते हुए जीकेसी के ग्लोबल अध्यक्ष एवं जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि कायस्थ एकजुटता आज समय की मांग है । राजीव रंजन प्रसाद ने कायस्थ महाकुंभ में उपस्थित चित्रांश बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस,लोकनायक जयप्रकाश नारायण,डॉ राजेंद्र प्रसाद, स्व लालबहादुर शास्त्री, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंदो, महाराजा ललितादित्य, महाराजा प्रतापादित्य, कृष्णदेव राय, पुलकेशिन द्वितीय, मुंशी प्रेमचंद, महादेवी वर्मा और बालासाहेब ठाकरे आदि जैसी महान विभूतियों की संतानें आज अस्तित्व संकट के गंभीर दौर से जूझ रही हैं ।प्रशासन, पत्रकारिता और लॉ जैसे परम्परागत क्षेत्रों में भी चुनौतियाँ खड़ी हैं ।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक तौर पर तो सबसे ज़्यादा मुश्किलें बढ़ रही हैं । कभी देश की अगुवाई करने वाली जाति आज हाशिये पर है । प्रसाद ने कहा कि आज भी राज्य के 35 से ज़्यादा निर्वाचन क्षेत्रों में कायस्थ समाज की भूमिका निर्णायक हो सकती है, लेकिन इसके लिए एकजुटता एवं वोट ट्रांसफर की क्षमता बेहद आवश्यक है । ग्लोबल अध्यक्ष ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में इंजीनियरिंग ,मेडिकल एवं पॉलिटेक्निक एवं अन्य तकनीकी संस्थानों का जाल बिछाया गया है ।इसका लाभ कायस्थ समाज के छात्रों को उठाना चाहिए।

रोहिणी सेक्टर-17 अग्निकांड: 'आप' नेता सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सरकार पर लगाया संवेदनहीनता का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-17 की झुग्गियों में लगी भीषण आग के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज समेत कई नेता देर रात घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। इस हादसे में मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई, जिसे लेकर 'आप' नेताओं ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया के जरिए कहा है कि आग सुबह करीब 11:30 बजे लगी थी। फायर स्टेशन महज पांच मिनट की दूरी पर था, इसके बावजूद फायर ब्रिगेड दो घंटे बाद पहुंची, जब तक बच्चों की केवल राख बची थी। उन्होंने सवाल उठाया कि आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड और पुलिस को कितने बजे मिली थी और आखिरकार इतनी देरी क्यों हुई?सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधते हुए हुए कहा कि जब यह भयावह घटना घटी, उस समय सीएम बवाना विधानसभा क्षेत्र में 'मन की बात' कार्यक्रम सुन रही थीं, जो घटनास्थल से अधिक दूर नहीं था। बावजूद इसके, मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक घटनास्थल

पर नहीं पहुंचे। भारद्वाज ने कहा, छोटे-छोटे बच्चे जलकर राख हो गए और उनके माता-पिता बिलखते रहे, लेकिन सरकार ने कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई।'

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने चुनाव से पहले झुग्गियों में जाकर कैरम और लूडो खेलते हुए दिखावे किए थे, लेकिन आज जब असली संकट आया है, तो कोई मदद के लिए नहीं आया। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को अब इन बच्चों के साथ कैरम खेलने आना चाहिए, और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी पीड़ितों से मिलना चाहिए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 'इतना अमानवीय रवैया शायद ही कोई दिखा सकता है।' उन्होंने दावा किया कि रविवार रात तक घटनास्थल पर कोई खाने-पीने या दवाइयों की व्यवस्था नहीं थी, जबकि भाजपा सरकार दावा कर रही थी कि सभी इंतजाम कर दिए गए हैं।

दिल्ली में रह रहे 5000 पाकिस्तानी नागरिक, पुलिस को मिली लिस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे करीब 5000 पाकिस्तानी नागरिकों की सूची दिल्ली पुलिस को सौंपी है, ताकि इन लोगों की घर वापसी सुनिश्चित की जा सके। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम जिले में पर्यटकों पर हुए हालिया आतंकवादी हमले के बाद केंद्र के हालिया निर्देश के मद्देनजर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) ने सूची को दिल्ली पुलिस की एक विशेष शाखा के साथ साझा किया है और इसे आगे के सत्यापन और पहचान के लिए संबंधित जिले के साथ भी साझा किया गया है। सूची में हिंदू पाकिस्तानी नागरिकों के नाम शामिल हैं, जिनके पास दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) है और उन्हें छूट दी गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सत्यापन के लिए सूची को संबंधित जिले को सौंप दिया गया है और पाकिस्तानी नागरिकों से उनके देश लौटने के लिए कहा गया है। मध्य और उत्तर-पूर्व जिलों में बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक रह रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि इस मामले पर एक बैठक बुलाई गई थी और दिल्ली पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा और खुफिया ब्यूरो (इंटेलिजेंस ब्यूरो) के अधिकारियों को दिल्ली में रह रहे इन पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में जानकारी एकत्र करने और उन्हें जल्द से जल्द भारत छोड़ने के लिए कहने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कई पाकिस्तानी नागरिक पहले ही देश छोड़ चुके हैं। एक अन्य अधिकारी ने पुष्टि की कि उनके पास दिल्ली में रह रहे 3000 और 2000 पाकिस्तानी नागरिकों की दो सूचियां हैं। कुछ नाम इन सूचियों में दोहराए गए हैं और उनके ठहरने की स्थिति का सत्यापन किया जा रहा है, क्योंकि कई पाकिस्तानी नागरिक पहले ही देश छोड़ चुके हैं।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर दिए बयान पर रॉबर्ट वाड्रा की सफाई, 'मैं भारत के साथ खड़ा हूं और हमेशा खड़ा रहूंगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुई आतंकी घटना पर अपने पुराने बयान को लेकर विवादों में आए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि मैं भारत के साथ खड़ा हूं और हमेशा खड़ा रहूंगा। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि मैं ये शब्द पूरी ईमानदारी और सच्चाई के साथ लिख रहा हूं। इसलिए मैं चाहता हूं कि इसे उसी भावना से लिया जाए। वाड्रा ने कहा कि मैंने पहले जो कहा उसे उसके संपूर्ण संदर्भ में पूरी तरह से नहीं समझा गया है क्योंकि मेरे इरादों की गलत व्याख्या की गई है। उन्होंने आगे लिखा, ÷चलिए मैं मानता हूं कि उन्हें स्पष्ट करना मेरी जिम्मेदारी है। मैं ईमानदारी, पारदर्शिता और सम्मान के साथ खुद को स्पष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैंने कुछ दिनों तक मौन रहने का विकल्प चुना है। लेकिन, इसे निष्क्रियता, उदासीनता या देशभक्ति की कमी के रूप में न समझा जाए। वास्तव में, यह मेरे देश के प्रति मेरे गहरे प्रेम, सत्य के प्रति मेरे अगाध सम्मान और ईमानदारी के प्रति मेरी प्रतिबद्धता के कारण ही है कि मैंने बोलने से पहले चिंतन करने के लिए समय निकाला है। वाड्रा ने कहा, मैं इस बारे में स्पष्ट कर दूं कि

मैं कहां खड़ा हूं और हमेशा से कहां खड़ा रहा हूं, मैं उस भयानक आतंकवादी हमले की पूरी तरह निंदा करता हूं जिसमें निर्दोष लोगों की जान गई और परिवार बिखर गए। मैं हमेशा भारत के साथ खड़ा हूं और खड़ा रहूंगा। उन्होंने आगे लिखा कि कोई भी औचित्य नहीं है- राजनीतिक, धार्मिक या वैचारिक- जो कभी भी असहाय लोगों के खिलाफ हिंसा के इस्तेमाल को माफ कर सके।वाड्रा ने अंत में महात्मा गांधी के अहिंसक मंत्र की याद दिलाई। आगे लिखा, ÷मेरा मानना है कि किसी भी रूप में आतंक, न केवल व्यक्तियों पर बल्कि मानवता की आत्मा पर हमला है। यह हर इंसान के बिना डरे जीने के मूल अधिकार को खत्म कर देता है। कोई भी कारण इतना उचित नहीं है कि निर्दोष लोगों के खून बहाने को सही ठहराया जा सके। मैं हम सभी से यह याद रखने का आह्वान करता हूं कि गांधी जी ने हमें क्या सिखाया, अहिंसा निष्क्रिय नहीं है। यह सबसे साहसी विकल्प है जो हम चुन सकते हैं। बता दें कि वाड्रा ने पहलगाम घटना पर कहा था कि देश के मुसलमान कमजोर महसूस कर रहे हैं और यह घटना पीएम मोदी के लिए एक संदेश है।

घर से लापता तीन किशोरियों को परिजनों से मिलाया

एजेंसी

नई दिल्ली। घर से लापता तीन किशोरियों को साउथ वेस्ट जिला पुलिस ने बरामद कर परिजनों से मिलाया है। उनकी तलाश में पुलिस ने सोशल मीडिया से लेकर मैनुअल स्तर तक सभी संभावित प्रयास किए। किशोरियों के परिजनों व दोस्तों से भी जानकारी हासिल की गई। साउथ वेस्ट डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सागरपुर इलाके से 17 वर्षीय किशोरी के लापता होने की शिकायत मिली थी। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर उसकी तलाश आरंभ की। कोई सफलता न मिलने पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रभारी बलबीर सिंह की देखरेख में टीम गठित की गई। इस दौरान टीम ने बच्ची के परिजनों व दोस्तों से जानकारी हासिल की। इसके अलावा विभिन्न ग्रुपों में फोटो भी साझा किए गए। काफी खोजबीन के बाद लापता किशोरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया गया। कानूनी औपचारिकताओं के बाद किशोरी को परिजनों को सौंप दिया गया। इसके अलावा नेब सराय इलाके में 14 और 16 वर्षीय किशोरियों के लापता होने की शिकायत मिली थी। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम ने मामले की जांच की तो पता चला कि लापता एक किशोरी के पास मोबाइल फोन है। वह दो नंबरों का इस्तेमाल कर रही थी। पुलिस ने दोनों नंबरों की सीडीआर निकलवाई तो पता चला कि किशोरी की लोकेशन पहले बरेली तथा इसके बाद शाहजहांपुर में पाई गई। बच्चों के पूरे रूट का पता लगाया गया। शाहजहांपुर में आरपीएफ की मदद से पता चला कि स्टेशन पर दोनों किशोरी साथी थी। उसके बाद अलग अलग हो गई। एक किशोरी ट्रेन से दिल्ली आ रही है। यह जानकारी पता लगने पर टीम ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से 14 वर्षीय किशोरी को बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि दूसरी किशोरी बस से आने की जिद कर रही थी। इसके बाद पुलिस टीम ने कश्मीरी गेट बस अड्डे से दूसरी 16 वर्षीय किशोरी को भी बरामद कर लिया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह शाहजहांपुर में अपने दोस्त से मिलना चाहते थे। हालांकि वह वहाँ किसी को नहीं जानते थे और उनके पास पैसे भी खर्च हो गए थे। इसलिए उन्होंने वापस लौटने का निर्णय लिया।

संक्षिप्त समाचार

मांडर,सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - एनएच 75 में निमार्णाधीन मुरगु पूल के निकट रविवार की रात को सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार दिलीप कुजूर 42 वर्ष की मौत हो गयी. मृतक चान्हो के बड़का हुटार गांव का रहने वाला था. घटना रात करीब 11 बजे की है. बताया जा रहा है दिलीप कुजूर पिता जूलियस कुजूर रातू के कमड़े स्थित पेट्रोल पंप में नोजलकर्मी का काम करता था. वह रविवार की शाम को करीब सात बजे नाइट ड्यूटी करने के लिए शाम करीब सात बजे घर से पेट्रोल पंप गया था. जहां उसने आठ बजे से दस बजे तक अपनी ड्यूटी की और वहां से अपनी बाइक जेएच 01सीपी-0189 में घर वापस लौट रहा था. इसी क्रम में रास्ते में मुरगु पुल के निकट किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया. जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी. जानकारी के अनुसार हादसे के बाद किसी की नजर नहीं पड़ने पर दिलीप कुजूर का शव व बाइक मुरगु पुल के निकट सड़क किनारे पड़ा रहा. सोमवार को सुबह में वहां से गुजर रहे किसी व्यक्ति ने मांडर पुलिस को सड़क किनारे शव पड़ा होने की सूचना दी. पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद उसकी बाइक के आधार पर मृतक की पहचान की. परिजनों के मुताबिक मृतक दिलीप कुजूर पिछले आठ दस साल से कमड़े स्थित पेट्रोल पंप में काम करता था और उसके के चार बच्चे हैं. दिलीप कुजूर ने रविवार को मांडर चर्च में उसने अपनी एक पुत्री का परम प्रसाद ग्रहण संस्कार कराया था!

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 123 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःअमड़ापाड़ा प्रखंड के शामपुर आंगनबाड़ी केंद्र एवं आंगनबाड़ी छोटापहाड़पुर, पाकुड़िया प्रखंड के फूलोपानी एवं हिरणपुर प्रखंड के मणिढंगा में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 123 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० मिथलेश सिंह, डॉ०अमरेश कुमार, डॉ बीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा एवं डॉ० कुलेश कुमार ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई। हेल्थ कैंप के साथ साथ पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत लोगों को पौष्टिक भोजन /संतुलित आहार /व्यायाम/ के बारे में भी बताया गया।

प्रभारी डीपीएम ने पाकुड़ प्रखंड क्षेत्र में योजनाओं के स्थल का निरीक्षण किया

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक, ई० पंचायत आनंद प्रकाश द्वारा सदर प्रखंड पाकुड़ के झिकरहट्टी (पश्चिम)ग्राम पंचायत का निरीक्षण किया। भस्मक, सेग्रीगेशन बिन, हैंडवाश निर्माण का किया निरीक्षण। लक्ष्य के अनुरूप निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही जन शिकायत में जल जमाव को लेकर प्राप्त आवदेन के आलोक में किये जा रहे नाली निर्माण का भी किया निरीक्षण। हर घर जल निकासी के पास सोक पिट निर्माण हेतु किया गया निर्देशित।

गर्मी में पेयजल की समस्या को देखते हुए हर दिन पाकुड़ जिला के विभिन्न प्रखंडों में चापानल एवं जलमीनार की मरम्मती की जा रही है

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

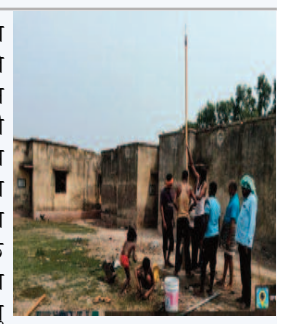

पाकुड़ःपाकुड़ जिला प्रशासन द्वारा गर्मी में पेयजल की समस्या को देखते हुए हर दिन पाकुड़ जिला के विभिन्न प्रखंडों में चापानल एवं जलमीनार की मरम्मती की जा रही हैं, उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में चापानल की मरम्मति की जा रही हैं, उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देशानुसार गर्मी में पेयजल की समस्या को देखते हुए इसके निराकरण हेतु जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में खराब पड़े चापानलों की मरम्मति लगातार हर दिन कराई जा रही है। जिस कड़ी में दिनांक- 27 अप्रैल 2025 को पाकुड़ प्रखंड में कुल 6, हिरणपुर 02 लिट्टीपाड़ा प्रखंड में कुल 04, अमड़ापाड़ा प्रखंड में कुल 0, महेशपुर प्रखंड में कुल 09, पाकुड़िया प्रखंड में कुल 00 चापानल एवं 03 जलमीनार की मरम्मती की गई। दिनांक 01.04.25 से अबतक जिला में कुल 652 चापानल एवं 134 जलमीनार को ठीक किया गया है।

व्यवहार न्यायालय का निदेर्शः अनुसंधानकर्ता की गवाही के लिए वेतन/पेंशन रोका गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ नगर थाना कांड संख्या-462/2013 से उत्पन्न सत्रवाद संख्या-125/2022 में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह की अदालत ने पुलिस महानिरीक्षक को निर्देश दिया है कि अनुसंधानकर्ता खुददी कुजूर का वेतन/पेंशन उनकी गवाही होने तक रोक दिया जाए। खुददी कुजूर को माननीय न्यायालय में उपस्थित कराने के लिए पुलिस महानिरीक्षक ने एसपी पाकुड़ को निर्देश दिया है। अगली तिथि 21.05.2025 को उक्त अनुसंधानकर्ता की गवाही हेतु निर्धारित की गई है।

देवघर-मोहनपुर रेलखंड पर बनेगा महेशमारा हॉल्ट स्टेशन, सांसद निशिकांत दुबे ने किया शिलान्यास

1.86 करोड़ की लागत से बनेगा महेशमारा हॉल्ट स्टेशन

सुमन की कलम से

देवघर। रेल संपर्क को सशक्त बनाने और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए, पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के तहत देवघर और मोहनपुर स्टेशनों के बीच प्रस्तावित महेशमारा हॉल्ट स्टेशन की आधारशिला शनिवार को रखी गई। गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने आसनसोल मंडल रेल प्रबंधक चेतना नंद सिंह एवं वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की उपस्थिति में आधारशिला पट्ट का अनावरण किया। इस अवसर पर मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी शिरकत कर परियोजना का जायजा लिया। करीब 1.86 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस हॉल्ट स्टेशन के चालू होने पर दुमका और गोड्डा की ओर जाने वाली सभी ट्रेनें यहाँ ठहरेंगी। इससे महेशमारा सहित बैजनाथपुर, बांधा, कुंडा, करनीबाद, बिलासी, झौंसागढ़ी, ठाढ़ी, आमगाछी, विशनपुर, बांदा और

सिंगारडीह जैसे इलाकों के हजारों लोगों को लाभ मिलेगा। स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही माँग को पूरा करते हुए यह स्टेशन क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी गति देगा। स्टेशन के रणनीतिक स्थान से न केवल यात्रा सुगम होगी बल्कि माल-ढुलाई भी आसान हो सकेगी। मौजूदा रेलवे लेवल क्रॉसिंग से उत्पन्न हो रही परेशानियों में भी कमी आने की उम्मीद है। साथ ही दूरस्थ स्टेशनों पर निर्भरता घटेगी और स्थानीय स्तर पर ही रेल सुविधाएँ उपलब्ध हो सकेंगी। शिलान्यास समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि और रेलवे अधिकारी उपस्थित रहे, जिससे परियोजना के प्रति जनसमर्थन भी साफ दिखाई दिया। यह परियोजना पूर्व रेलवे द्वारा क्षेत्रीय संपर्क और यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

मां सरस्वती जी के नवनिर्मित मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह धूम धाम से मनाई जाएगी

विद्या की देवी मां सरस्वती जी के नवनिर्मित मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह,तैयारियां पूरी।

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची -विद्या की देवी मां सरस्वती जी का नव निर्मित मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा* समारोह 29 एवं 30 अप्रैल 2025 को गुरुकृपा पब्लिक स्कूल जतरा मैदान,दयालनगर,पिस्कामोड़ मे धूमधाम से मनाई जाएगी। मां सरस्वती जी के नवनिर्मित मंदिर का निर्माण विद्यालय परिसर में ही किया गया है इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है।दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह कि अध्यक्षता विद्यालय के निदेशक रत्नेश सिंह सोलंकी करेंगे।उन्होंने बताया 29 अप्रैल 2025 को प्रायश्चित संस्कार,कलश यात्रा,मंडप प्रवेश,वेदी पूजन,मूर्ति का अन्नाधिवास,पुष्पा घिवास,फलाघिवास , महाआरती,प्रसाद वितरण एवं 30 अप्रैल को मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा,हवन,पूणाहुति,महा आरती एवं महाभंडारा का आयोजन होगा। विद्वान पुजारी रवि शास्त्री जी के द्वारा भव्यरूप से पूजा अर्चना कराई जाएगी।दो दिवसीय कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चे रंगारंग धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। इस

समारोह में अतिथि के रूप में निम्नलिखित गणमान्य लोगों की उपस्थिति रहेगी, रांची के सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद महुआ मांझी, विधायक रांची सी.पी.सिंह, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, अल्पसंख्यक आयोग(झारखंड स्टेट मैन्युरिटीज कमीशन) के उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा). ज्योति सिंह मथारू, विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश, नाक,कान,गला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अभिषेक कुमार रामधीन, समाजसेवी मुकेश काबरा, लायंस क्लब रांची हरिकनक ग्रेटर के अध्यक्ष लायन राजेश केडिया,लायन प्रेम शंकर मिश्रा, अंकशास्त्री अभिषेक पांडे, छात्र क्लब मानव कल्याण मंच के वरीय संरक्षक विजय कुमार पाठक, वाणिज्यकर पदाधिकारी रांची नवीन प्रसाद साहू, सेंट जेवियर्स कॉलेज रांची के व्याख्याता ईभाना चक्रवर्ती, झारखंड रत्न डॉक्टर आर.के. हाजरा(वर्ल्ड क्लास एक्यूपंक्चर स्पाईन स्पेशलिस्ट), आस्था चैनल एवं टी.सीरीज गायिका वीणाश्री, भारतीय लोक कल्याण संस्थान के निदेशक चंदेश्वर सिंह उर्फ नंदू जी, वरीय अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य, लक्की एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी दीपक कुमार साहू, छात्र क्लब बुद्धिजीवी मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा एवं संरक्षक रवि मेहता आदि उपरोक्त समारोह को सफल बनाने में विद्यालय परिवार के निम्नलिखित लोगों की उपस्थिति रहेगी। स्वप्निल सिंह सरस,रानी किंगर,कोमल जसूजा,अनिता राय,पायल चक्रवर्ती, निशा शहदेव,विक्की घोष,पूनम प्रसाद, अंकिता डे सरकार, सुजाता तिवारी,मधु सिंह,रामप्रवेश दुबे, रिंकी पांडे, प्रीति कुमारी,मौसमी घोष,सोनू गोप,अर्जुन गोप,दीपक कुमार,अनीता टोप्पो,पम्मी ठाकुर,उषा वर्मा,लाली उरांव,निशा उरांव,नंदन कुमार, बिरज कुमार,काव्या कुमारी,तराना प्रिया आदि।

जिला पंचायत राज पदाधिकारी की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक की

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःअमड़ापाड़ा सोमवार को जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू की अध्यक्षता में अमड़ापाड़ा प्रखंड सभागार में पंचायती राज विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत व्यय राशि, पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण योजना का उपयोगिता प्रमाण पत्र, आदर्श पंचायत सचिवालय, बायोमैट्रिक उपस्थिति, जलमीनार/ चापाकल की मरम्मती, टैंकर क्रय एवं संचालन की स्थिति, विद्यालय/ आगंबाड़ी केंद्रों में हैंडवाश यूनिट का निर्माण, विद्यालय/ आंगनबाड़ी केंद्र/ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्रियाशील शौचालय की उपलब्धता, विद्यालय/ आगंबाड़ी केंद्रों में वाटर फिल्टर का अधिष्ठापन एवं रॉयल्टी डीएमएफटी / लेबर सेस की समीक्षा कर पदाधिकारियों एवं मुखिया को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उक्त बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अमड़ापाड़ा प्रमोद गुप्ता, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी जिल्लूर रहमान, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता, सभी मुखिया, पंचायत सचिव एवं अन्य उपस्थित थें।

वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु शिविर का आयोजन किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जिले के सदर प्रखंड पाकुड़ में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण हेतु जांच शिविर का आयोजन किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी पाकुड़ समीर अल्फ्रेड मुर्मू ने बताया कि वर्तमान सरकार वृद्ध जनों के कष्ट निवारण हेतु राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के साथ अब राष्ट्रीय वयोश्री योजना लाई है।जिससे वृद्धि जनों के उठने-बैठने, चलने-फिरने एवं देखने-सुनने में सहायता मिल सके। एलिमको के ऑडियोलॉजिस्ट ने बताया कि आज इस शिविर में 96 दिव्यांग एवं 28 वरिष्ठ नागरिक का जांच की गई, कुल 124 लोगों की जांच की गई। जांच के उपरांत सभी 124 लाभुक का सहायक उपकरण के लिए चिह्नित किया गया।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण प्राप्त करने हेतु आवश्यक प्रपत्रा इस प्रकार हैः- आधार कार्ड (60 वर्षीय एवं अधिक होने चाहिए) आय प्रमाण पत्र मासिक आय (15000 रूपया अधिकतम) नोटःलाभार्थियों द्वारा तीन वर्षों के दौरान भारत सरकार/ राज्य सरकार या अन्य सामाजिक योजना के अंतर्गत किसी शासकीय/ अशासकीय अन्य संस्था से कोई उपकरण प्राप्त न किया गया हो एडिप योजना अंतर्गत दिव्यांगजन के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण प्राप्त करने हेतु आवश्यक प्रपत्रा इस प्रकार हैं (1) यू.डी.आई.डी. कार्ड न्यूनतम (दिव्यांगता 40 प्रतिशत से अधिक)। (2) आधार कार्ड। (3) आय प्रमाण पत्र (मासिक आय 22,500/ अधिकतम।)

देवघर के पत्थरड्डा में श्री श्री 1008 रामचरितमानस नवाह परायण महायज्ञ का भव्य आयोजन

हजारों श्रद्धालुओं ने निकाली कलश यात्रा, विधायक चुन्ना सिंह हुए शामिल

देवघर। जिले के पत्थरड्डा गांव में श्री श्री 1008 रामचरितमानस नवाह परायण पाठ महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। इस मौके पर मुख्य यजमान शैलेश पांडे सपत्नीक ने विधिवत पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा का नेतृत्व किया। यज्ञाचार्य आचार्य कुंदन शास्त्री के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें गांव की पवित्र नदियों से जल भरा गया। यात्रा में हजारों श्रद्धालु पुरुष-महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए और पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। मुख्य अतिथि में सारठ के विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह ने यज्ञ मंडप में पहुंचकर आशीर्वाद लिया और श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए धार्मिक आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सद्भाव और

सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। विशिष्ट अतिथियों में गौतम रवानी प्रखंड प्रमुख, सारठ,रवींद्रनाथ तिवारी सचिव, यज्ञ समिति,

नंदकिशोर तुरी मुखिया सह यज्ञ समिति अध्यक्ष

डॉ. हलधर यादव पूर्व मुखिया,महेंद्र सिंह, नीलकंठ यादव, ललन तिवारी, प्रकाश यादव, बिष्णु देव यादव, गिरधर गोपाल पंडित,सोहन बिस्टू कोषाध्यक्ष, यज्ञ समिति,रामकिशोर यादव, अशोक राय, मुकेश यादव, राजू बिस्टू, बबलू तिवारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बजरंगबली मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई कलश शोभा यात्रा

मंडरोः हाजीपुर फौजदारी दुर्गा पूजा समीप स्तिथ पंचमुखी वीर बजरंगबली मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कलश शोभा यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में उमड़ी भक्तों की भीड़। जय श्री राम के जयकारे से क्षेत्र हुआ भक्तिमय। मुख्य यजमान बुटूल उर्फ उमाशंकर मिश्र द्वारा बताया गया की बजरंगबली मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तीस अप्रैल 2025 को होगी। मौके पर हाजीपुर फौजदारी दुर्गा मंदिर के अध्यक्ष सुमित कुमार यादव (बंटी यादव) ,उपाध्यक्ष संजय पासवान ,कोषाध्यक्ष दीपक यादव, सचिव चंद्रशेखर यादव ,उप कोषाध्यक्ष रंजीत कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष विनोद बिहारी यादव, सुधांशु यादव, राजेश पासवान, भिखन यादव, मुकेश कुमार उर्फ (भवेश यादव)पप्पू यादव , चंद्रशेखर शर्मा, सदानंद शर्मा, नवल किशोर चौरसिया, मोहन यादव, मुन्ना यादव, मुकेश पासवान , पप्पू यादव, चंद्रशेखर, और हाजीपुर फौजदारी दुर्गा मंदिर पूजा समिति के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

देवीपुरः कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय में सभी का तबादला

बीडीओ सीओ ने अभिभावकों से बच्चों को विद्यालय पहुंचाने का किया अपील

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय राजेश बारला, अंचलाधिकारी खोपलाल राम, बीपीओ वीणा हेलेन टुडू ने कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय में विधि व्यवस्था को लेकर निरीक्षण किए। सभी तरह की जानकारी नए शिक्षकों और वहां के कर्मी को दिए। गत 23 अप्रैल को एक छात्रा की मौत के बाद सभी अभिभावकों ने अपने अपने बच्चे को वापस घर ले गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय राजेश बारला, अंचलाधिकारी खोपलाल राम, बीपीओ वीणा हेलेन टुडू ने ने सभी अभिभावकों से अपील किया है कि वे अपने अपने बच्चे को कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय

भेजे ओर पठन-पाठन सुचारू रूप से करवाएं ताकि बच्चे की भविष्य उज्वल हो। विभाग की ओर से घटना बाद वार्डेन, शिक्षक, गार्ड व अन्य कर्मी को हटा दिया है। वहीं सभी के जगह नए वार्डेन, शिक्षक, गार्ड व कर्मी को योगदान कराया गया। मागोमुंडा कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय के वार्डेन पार्वती मरांडी को यहां किया गया। जबकि यहां के वार्डेन पिंकी मंडल को वहां भेजा गया। कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय मधुपुर के शारीरिक शिक्षिका मंजू एक्का को यहां किया गया। जबकि शारीरिक शिक्षिका स्नेहा यादव को वहां भेजा गया। वहीं लेखपाल संतोष कुमार बीआरसी देवीपुर को अतिरिक्त प्रभार दिया गया। जबकि पहले का मधुपुर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का लेखापाल को अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया। रात्रि प्रहरी महेंद्र दास मोहनपुर कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय से यहां किया गया। जबकि रात्रि प्रहरी जयदेव मंडल को पालोजोरी कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय भेजा गया। जबकि महिला होमगार्ड नीरादी मुर्मू, सूरजमुखी हेंब्रम यहां भेजा गया। वहीं तेजस्वी कुमारी, आमवती कुमारी दूसरे जगह भेजा गया।

संक्षिप्त समाचार

बजरंगबली मंदिर प्रांगण में रामचरितमानस नवाह पारायण महायज्ञ हेतु भूमि पूजन 30 अप्रैल को

28 मई से 6 जून तक चलेगा नवाह पारायण महायज्ञ, अयोध्या के पंडित करेंगे अनुष्ठान

देवघर। जिले के कोरियासा गांव स्थित कपिध्वज समाज द्वारा बजरंगबली मंदिर परिसर में रामचरितमानस नवाह पारायण महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस महायज्ञ की सफलता के लिए 30 अप्रैल 2025 को भूमि पूजन का शुभ मुहूर्त तय किया गया है। भूमि पूजन कार्यक्रम विशेष रूप से अयोध्या से आमंत्रित प्रतिष्ठित पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से संपन्न होगा। आयोजकों ने बताया कि भूमि पूजन के साथ ही महायज्ञ की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ हो जाएगा। महायज्ञ के दौरान नौ दिनों तक श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ, हवन, प्रवचन, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। आयोजक मंडल ने सभी श्रद्धालुओं से इस पुण्य कार्य में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

करोंग्राम में भव्य कलश यात्रा के साथ बाबा धर्मराज मंदिर प्रतिष्ठा समारोह प्रारंभ

करों, देवघर

सोमवार को अनुमंडल के करों प्रखंड के धार्मिक गांव करोंग्राम में नवनिर्मित आकर्षक बाबा धर्मराज मंदिर की प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में 250 कुमारी कन्याओं ने भाग लिया। साथ ही सालतर, गोविंदपुर, सिरिया, रानीडीह, केन्दवेरिया, डूमरतर, रान्हा, आलमपुर, चौरबेरिया, कमलकर जांत और प्रतापपुर समेत दर्जनों गांवों से सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कलश यात्रा बाबा धर्मराज मंदिर से प्रारंभ होकर दे टोला, मिसिर टोला स्थित बाबा कर्णेश्वर मंदिर, मुदी टोला, बनिया टोला, चंडी मोड़ होते हुए राजा पोखर पहुंची। वहां विधि-विधान के साथ कलशों में जल भरा गया। इस अवसर पर काशी से आए पंडित आचार्य रामानुज, आचार्य मुकुंद पांडेय, आचार्य संतोष पांडेय, दीपक त्रिवेदी, आयुष पांडेय, पंडित कालीदास आचार्य और परेश शर्मा ने कन्याओं से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संकल्प कराया। कलश जल को बाद में विधिपूर्वक बाबा धर्मराज मंदिर परिसर में स्थापित किया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु 'धर्म की जय हो', 'अधर्म का नाश हो', 'विश्व का कल्याण हो', 'बाबा धर्मराज की जय' जैसे नारों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे। इस अवसर पर सामूहिक पूजा-पाठ का आयोजन भी हुआ तथा कन्याओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में सपत्नीक अजय कुमार सिंह, मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष विष्णु चौधरी, सचिव महादेव सिंह, कोषाध्यक्ष शरदेन्दु सिंह सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारवां का सिविल सर्जन ने किया औचक निरीक्षण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर.आज डॉक्टर युगल किशोर चौधरी, सिविल सर्जन , देवघर तथा डॉक्टर मनोज कुमार गुप्ता, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, देवघर के निदेशानुसार देवघर जिला अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र , सारवाँ के सी0एच0सी0 एन0 सी 0 डी0 क्लिनिक तथा अन्य तीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भ्रमण जिला एमसीडी कोषांग, देवघर की टीम रवि कुमार सिन्हा, रवि चंद्र मुर्मू अभिषेक कुमार लाल प्रखण्ड लेखा प्रबंधक, समुदायिक स्वास्थय केंद्र सारवाँ के आलोक कुमार एवं ई संजीवनी से प्रोजेक्ट मैनेजर, शिव शंकर कुमार के द्वारा किया गया। भ्रमण के दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर बगीचा, कुशमाहा एवं लश्करडीह का निरीक्षण किया गया। उक्त भ्रमण में एन0 सी0 डी0 एवं ई- संजीवनी अंतर्गत चलने वाले सभी फैसेलिटीज का जायजा लिया गया। उक्त भ्रमण के दौरान समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारवाँ का पूर्ण सहयोग रहा मौके पर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारि उपस्थित थे।

खेल से जुड़े संसाधन और खिलाड़ियों की प्रतिभा पर दे विशेष रूप से ध्यानः- उपायुक्त

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर द्वारा जिले में खेल विभाग द्वारा चल रही विभिन्न योजनाओं का समीक्षा बैठक का आयोजन उपायुक्त कार्यालय में आयोजित किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों में बन रहे प्रखंड स्तरीय स्टेडियम के अद्यतन स्थिति से अवगत हुए। इस्के अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त विशाल सागर द्वारा जिला खेल पदधिकारी को निदेशित किया गया कि देवघर जिला अन्तर्गत प्रखंडस्तरीय स्टेडियम के निर्माण, मरम्मती व जीर्णोद्धार हेतु किए जा रहे कार्यो को जल्द से जल्द पूर्ण कराए। साथ ही जिन प्रखंडों में स्टेडियम का निर्माण हो चुका है, उसे प्रखंड स्तर पर संचालन समिति का निर्माण करते हूऐ आमलोगों के प्रयोग हेतु उपलब्ध कराया जाय। इसके अलावे देवघर जिला अंतगर्त कुमैठा स्टेडियम में हो रहे निर्माण कार्य से अवगत हूए तथा जिला खेल पदधिकारी को निदेश दिया कि तय समय पर गुणवत्तापूर्ण कार्य सम्पन्न कराया जाय। आगे उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों कक निर्देशित किया कि राज्य सरकार खेल एवं खिलाड़ियों के सुविधाओं के प्रति काफी गंभीर है। इसी दिशा में प्रखंड स्तर पर स्टेडियम व संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि खिलाड़ियों के प्रतिभा को और अधिक निखारा जा सके। *बैठक में उपरोक्त के अलावे* जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने अंकित गुप्ता के आश्रितों के बीच किया किशोरी समृद्धि योजना वितरण

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के स्वीकृति पत्र मिला

दिव्य दिनकरःसंवाददाता

टंडवाःचतरा।ब21 मार्च को चतरा शहरी क्षेत्र में दिभा मोहल्ला चतरा के रहने वाले अंकित गुप्ता नामक युवक की हत्या हुई थी। मृतक अंकित गुप्ता के आश्रित मां और बहनों ने जनता दरबार के माध्यम से उपायुक्त श्री रमेश घोलप से मिल सरकारी मदद की गु-हार लगाई थी। उपायुक्त ने आश्रित के मामले को संज्ञान में लेते हुए आज समाहरणालय कार्यालय कक्ष में किशोरी समृद्धि योजना के तहत 20 हजार एवं राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत 20 हजार का स्वीकृति पत्र और छोटी बहन के पठन पाठन हेतु इंदुमती टिबरेवाल में नामांकन पत्र का वितरण किया। उन्होंने कहा मृतक अंकित गुप्ता की बहन को वाह्यस्रोत के आधार पर नौकरी दिलाने का कार्य किया जाएगा। आगे उन्होंने कहा जिला प्रशासन द्वारा उनके तीन बहने, मां और बीमार पिता को कम से कम तकलीफ हो उसके लिए उन्हें सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिया गया है और आगे भी जिला प्रशासन द्वारा नियमसंगत मदद के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उक्त मौके पर जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, मृतक अंकित गुप्ता के परि-वार के सदस्य, इलेक्ट्रिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकार बंधु समेत अन्य उपस्थित थे।

चेतना विकास ने बाल अधिकारों की सुरक्षा हेतु चलाया जागरूकता अभियान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर.बाल अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए कार्यरत चेतना विकास द्वारा देवघर में अक्षय तृतीया और शादी के मौसम को देखते हुए बाल विवाह की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान चलाए गए. इस अभियान के तहत विवाह संपन्न कराने वाले पंडितों को बाल विवाह के खतरों और कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक किया गया, जिसे सभी धर्मगुरुओं ने सराहा और इस अभियान को समर्थन देते हुए बाल विवाह न कराने की शपथ ली. गौरतलब है कि चेतना विकास, देशभर में बाल अधिकारों के लिए कार्यरत सबसे बड़े नागरिक समाज नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (JRC) का एक सहयोगी संगठन है, जो 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से 'चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया' अभियान चला रही है. देवघर जिले में चेतना विकास ने प्रशासन के सहयोग से 2023-24 में ही 250 से ज्यादा बाल विवाहों को सफलतापूर्वक रोका है. संस्था की निदेशिका रानी कुमारी ने बताया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम (PCMA), 2006 के तहत यह एक दंडनीय अपराध है, जिसमें शामिल किसी भी व्यक्ति–चाहे वह बाराती हो, हलवाई, डेकोरेटर या वि-वाह संपन्न कराने वाला पंडित या मौलवी–को दो साल तक की सजा या जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं. उन्होंने कहा कि बाल विवाह असल में बच्चों के साथ हिंसा और शोषण है, और अठारह वर्ष से कम आयु की बच्ची से विवाह के बाद यौन संबंध बनाना पॉक्सो एक्ट के तहत बलात्कार माना जाता है. इस अभियान में पंडितों और मौलवियों के बढ़ते सहयोग के साथ-साथ सोमवार, 28 अप्रैल, 2025 को रामराज आश्रम देवघर में 32 गाँव के युवक एवं युवतियों ने बाल विवाह नहीं करने और ना करने देने का शपथ लिया.

स्वस्थ एवं सबल राष्ट्र की परिकल्पना - एक राष्ट्र - एक धर्म

गायत्री परिवार का ज्योति कलश रथयात्रा कर रहा सनातनी संगठन,

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर,गायत्रीतीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार से भारत परिभ्रमण को निकली चारों दिशाओं में ज्योति कलश रथयात्रा गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम पहुंची जहां गायत्री परिवार तथा सनातनी श्रद्धालुओं द्वारा दिव्य ज्योति कलश का भव्य स्वागत किया गया। गायत्रीतीर्थ हरिद्वार के आध्यात्मिक प्रतिनिधि बुधन प्रसाद बर्मा के सानिध्य में स्वस्तिवाचन के साथ गुरू गायत्री कलश एवं परमपूज्य गुरुदेव के तप साधना का साक्षी अखंड दीप - ज्ञान ज्योति का सामूहिक वैदिक मंत्रों से पूजन संपन्न हुआ। विचार क्रांति की ज्ञान ज्योति को घर घर पहुंचाने के उद्देश्य से ज्योति कलश रथयात्रा का काफिला पायलट वाहन के मार्गदर्शन में ज्योति कलश रथ रोहिणी पहुंची। देवघर क्षेत्र स्थित रोहिणी बाजार, हटिया रोड, गांधी चौक, पोस्ट आफिस रोड,बसमता ग्राम, सत्संग नगर मुख्य द्वार,अम्बेदकर चौक, बरनवाल धर्मशाला, देवघर पुलिस लाइन, बेलाबगान में आयोजित आयोजन में सैकड़ों परिवार को सामूहिक रूप से देवस्थापना कराया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने बताया कि आध्यात्मिक प्रवक्ता प्रतिनिधि बुधन बर्मा ने शांतिकुंज का संदेश देते हुए कहा कि ज्योति कलश रथयात्रा एक आयोजन नहीं आन्दोलन है। युग निर्माण के लिए भावनात्मक अभियान है। पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य रचित सैकड़ों पुस्तकों का निःशुल्क वितरण करते हुए गायत्री साधना, गायत्री यज्ञ-हवन के लिए प्रोत्साहित किए। ज्योति कलश रथ में राष्ट्र की संप्रभुता के लिए राष्ट्रीय ध्वज तथा आध्यात्मिक जागरण के लिए धर्म ध्वज लगाया गया है। राष्ट्र है तो हमारा धर्म है। आयोजन को सफल बनाने में जिला समन्वयक बरूण कुमार, मुख्य ट्रस्टी देवनारायण रजक, ब्रह्मचारी ज्ञान प्र-काश, शोभा बरनवाल, निशा देवी, निशा कुमारी, रेणु देवी, कांति देवी आदि दर्जनों परिजन सक्रिय रहे।

मजदूर नेता स्वर्गीय अनिरुद्ध आजाद की मनाई गई आठवीं पुण्यतिथि

संघर्ष और आंदोलन का प्रतीक आजाद जी एक पर्यायवाची थे- संजय कुमार शर्मा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-मजदूर नेता और जेपी आंदोलन के सिपाही स्व अनिरुद्ध आजाद की 8वी पुण्य तिथि मनाई गई।इस दौरान मौके पर पहुंचे लोगों ने स्व आजाद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया।वहीं इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित जेएमएम देवघर जिला अध्यक्ष संजय कुमार शर्मा शामिल थे।स्व आजाद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए श्री शर्मा ने कहा कि झामुमो देवघर जिला के पुर्व जिला अध्यक्ष,झारखंड आन्दोलन और जे पी आन्दोलन के अगुआ स्व अनिरुद्ध आजाद जी को उनके 8 वी पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि कोटि नमन करता हूँ।90 के दशक मे जब ये झामुमो देवघर का जिलाध्यक्ष थे तब मे देवघर प्रखंड अध्यक्ष था।आन्दोलन कैसे हो,गरीबो की लड़ाई कैसी लडी जाय,जमीनी स्तर पर आम जनता को कैसे जागरूक किया जाय मैने इनसे बहुत ही बारीकी से सिखा है।ये हमारे राजनीतिक गुरू है जिनकी चर्चा कर हम प्रेरित होते रहते है।बीडी मजदु-रो को हक दिलाना,चौकीदार लोगो का हक दिलाना,असंगठित क्षेत्र के मजदू-रो को हक दिलाना इनकी संघर्ष का उपलब्धि रहा है।जब आप पिछे मुड़कर देखेंगे तो पायेंगे कि समाहरणालय गेट पर कोई शख्स भुख हड़ताल,आमरण अनशन,जुलूस लेकर बैठा है तो वह शख्स आजाद जी ही होते थे।संघर्ष और आन्दोलन का प्रतीक आजाद जी एक पर्यायवाची थे।

स्कूल रूआर 2025 (Back to school) कार्यशाला की शुरूआत बरुण कुमार,प्रखंड विकास पदाधिकारी,जिला परिषद सदस्य, आदिल अजीम ने द्वीप प्रज्वलन कर किया

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - चान्हो प्रखंड अंतर्गत प्रोजेक्ट+2उच्च विद्यालय ओपा में आज प्रखंड स्तरीय रबैक ३ङ्क स्कूल रकार्यक्रम में सभी आगंतुकों को फूल के पौधा देकर स्वागत किया गया। चान्हो प्रखंड के 104 स्कूलों के हेडमास्टर, प्रखंड के मुखिया गण एवं शिक्षा विभाग के दर्जनों कर्मी शामिल हुए। इस कार्यशाला में संबोधित करते हुए बीडीओ बरुण कुमार ने स्कूलों में शत प्रतिशत नामांकन एवं ठहराव पर हेडमास्टरो को बहुत सारी ट्रिक बताए। साथ ही फ्ही के तहत बच्चों के अधिकार पर विशेष जोर दिया। किसी भी स्थिति में बच्चों स्कूल से बाहर नहीं होती चाहिए। सभी जनप्रतिनिधि इस कार्यकम में मदद करने की अपील की। जिला परिषद सदस्य आदिल अजीम ने सभी हेडमास्टर को स्कूलों में सभी टीचर जिनको टोला दिया गया है उनको अपनी टोला के बच्चों को स्कूल से जुड़े रहने की जिम्मेदारी देने की बात कही, साथ ही स्कूलों में शैक्षिक को बेहतर करने हेतु भी सभी टीचरों को जिम्मेदारी सौंपने की बात कही। कार्यशाला में रघुनाथपुर के मुखिया महादेव भगत ने जनप्रतिनिधियों को स्कूलों के प्रति सहयोग करने को कहा, साथ ही पंचायती राज्य व्यवस्था से मिलने वाली सभी सुविधाओं को स्कूल में देने की बात कही। कार्यशाला का संचालन प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मो इम्तियाज ने किया।इस अवसर पर बीपीओ निर्मल बड़ाइक, लेखापाल सह ऑपरेट श्याम सुन्दर चौबे बरपबीआरपी मो मुर्तजा, इफ्तेखार अहसन, रोहित कुमार, सतीश कुमार सिंघ, सज्जाद अहमद राधाकांत पांडे के अलावे सैकड़ों टीचर उपस्थित थे।

आज सभी आगंतुकों के द्वारा स्कूल परिसर में 10 फुल के पौधे भी लगाए गए।

जवाहरलाल लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव पर एबीवीपी के कार्यकताओं ने मनाया जश्न

23 काउंसिल मेंबर सहित संयुक्त सचिव पद पर एबीवीपी की जीत कैंपस में राष्ट्रभाव के उत्थान का प्रतीक

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं द्वारा देश के सबसे चर्चित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद अबीर गुलाल लगाकर एवं मिठाई खिलाकर जश्न मनाया गया। जिला सहसंयोजक कमल कश्यप और नगर मंत्री अजीत कुमार ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में विद्यार्थी परिषद का प्रदर्शन इस बात का प्रतीक है कि अब जेएनयू में वामपंथ अवसान की ओर है। विभिन्न संकायों में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता काउंसिल मेंबर पद पर विजय हुए हैं। नगर सह मंत्री अमन कुमार, विशाल कुमार और सूरज कुमार ने कहा कि विद्यार्थी परिषद वर्षभर शिक्षा जीवन के लिए और जीवन वतन के लिए इस भाव से कार्य करती है। इसलिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय के छात्र-छात्राओं ने विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं को अपना बहुमूल्य मत देकर शानदार प्रदर्शन किया है। जीडी कॉलेज इकाई अध्यक्ष प्रहलाद कुमार एवं को-ऑपरेटव कॉलेज इकाई अध्यक्ष छोटू कुमार ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ता इस बात के लिए संघर्ष करते हैं कि शिक्षा क्षेत्र भ्रष्टाचार से मुक्त हो। इसलिए छात्र-छात्रा हमारी विचारधारा को पसंद करते हैं। इसी कारण देश के विभिन्न परिसरों में हमारी जीत होती है। जीडी कॉलेज सोशल मीडिया संयोजक मनीष कुमार एवं नगर सोशल मीडिया संयोजक सचिन कुमार ने कहा कि आज विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता 9 वर्ष बाद इतना शानदार प्रदर्शन किया है। इसके मूल में विद्यार्थी परिषद की भारत केंद्रित विचारधारा एवं सेवाभाव है। इस अवसर पर रोशन कुमार, अनमोल, आकाश कुमार, नितीश कुमार, मंजेश, सौरभ, अभिषेक, अमन, सुमित, आशीष, उज्जवल, कुश, अंकित शिवम सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अतिपिछड़ा जगाओ तेजस्वी सरकार बनाओ महारैली को सफल बनाने पर बैठक

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। अतिपिछड़ा जगाओ तेजस्वी सरकार बनाओ महारैली मिलर हाई स्कूल पटना में सफल बनाने को लेकर सोमवार को बाघा स्थित महानगर राष्ट्रीय जनता दल जिला कार्यालय में अत्यंत पिछड़ा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय जनता दल का एक दिवसीय बैठक समाजवादी नेता कपिलदेव राय की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में जिलेभर के नेताओं ने भाग लिया। बैठक में पूर्व वार्ड पार्षद शंभू महतो को अत्यंत पिछड़ा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। शंभू महतो को बुके और माला पहनाकर बधाई दिए। बैठक को संबोधित करते हुए शंभू सहनी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव के द्वारा जो सहनी समाज को आजादी दिलाई, यह समाज सदैव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू जी के विचारों पर चलने का कार्य करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजद जिला अध्यक्ष मोहित यादव ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल राज्य में एकमात्र पार्टी है, जो सत्ता में हिस्सेदारी अतिपिछड़ों को दिलाने का कार्य किया है। पिछडे समाज को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक न्याय के महानायक तेजस्वी प्रसाद यादव कटिबद्ध है। कार्यक्रम को महानगर जिला अध्यक्ष शिवजी महतो, विशन देव सहनी ने संबोधित किया। कार्यक्रम में रामसागर सहनी, अर्जुन साह, बूटन साह, राजेश कुमार राय, रोहित कुमार राय, किशोर कुमार, चंद्रचूड़ राय, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष सुमन पासवान इत्यादि दर्जनों नेता उपस्थित थे।

अब धर्मगुरुओं भी संभालेगे बाल विवाह की रोकथाम का कमान

साहिबगंजःजिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह की रोकथाम के लिए कार्यरत संगठन मंथन ने बाल विवाहों की रोकथाम के लिए धर्मगुरुओं के बीच चलाया जाएगा जागरूकता अभियान मंथन के निदेशक बिपलव महतो ने कहा, धर्मगुरुओं से मिला सहयोग व समर्थन अभिभूत करने वाला, इस अक्षय तृतीया जिले में नहीं होगा एक भी बाल विवाह,बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश में नागरिक समाज संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के साहिबगंज में सहयोगी संगठन मंथन की ओर से अक्षय तृतीया और शादी-ब्याह के मौसम को देखते हुए बाल विवाहों की रोकथाम के लिए विभिन्न धर्मों के विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहितों के बीच चलाए जा रहे जागरूकता अभियान को व्यापक सफलता मिली है।और सभी धर्मगुरुओं ने इसकी सराहना करते हुए समर्थन का हाथ बढ़ाएंगे। संगठन ने कहा कि यह देखते हुए कि कोई भी बाल विवाह किसी पंडित, मौलवी या पादरी जैसे पुरोहित के बिना संपन्न नहीं हो सकता, हमने उन्हें बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ने का फैसला किया। इसके सकारात्मक नतीजों को देखते हुए हम उम्मीद कर सकते हैं इस अक्षय तृतीया पर जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होने पाएगा। आज जिले में तमाम मंदिरों-मस्जिदों के आगे ऐसे बोर्ड लगे हुए जिन पर स्पष्ट लिखा है कि यहां बाल विवाह की अनुमति नहीं है। गौरतलब है कि जेआरसी 2030 तक देश से बाल विवाह खत्म करने के मकसद से 'चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया' कैम्पेन चला रहा है। जेआरसी कानूनी हस्तक्षेपों के जरिए बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 416 जिलों में जमीन पर काम कर 250 से भी ज्यादा नागरिक संगठनों का नेटवर्क है जिसने पिछले वर्षों में दो लाख से ज्यादा बाल विवाह रुकवाए हैं और पांच करोड़ से ज्यादा लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। इसके सहयोगी संगठन मंथन ने स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग व समन्वय से कानूनी हस्तक्षेपों और परिवारों एवं समुदायों को समझा-बुझा कर अकेले 2023-24 में ही जिले में 378 बाल विवाह रुकवाए हैं। यह संगठन 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जेआरसी के संस्थापक भुवन ऋभु की किताब ह्यव्हेन चिल्ड्रेन हैव चिल्ड्रेन : टिपिंग प्वाइंट टू इंड चाइल्ड मैरेजह्न में सुझाई गई समग्र रणनीति पर अमल कर रहा है।मंथन संस्था के निदेशक बिप्लव महतो ने कहा कि अभी भी देश में बाल विवाह के खिलाफ जरूरी जागरूकता की कमी है। ज्यादातर लोगों को यह पता नहीं है कि यह बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुमार्ना या दोनों हो सकता है। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा कैटरर, साज-सज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल के मालिक और यहां तक कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी को भी अपराध में संलिप्त माना जाएगा और उन्हें सजा व जुमार्ना हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसीलिए हमने धर्मगुरुओं और पुरोहित वर्ग के बीच जागरूकता अभियान चलाने का फैसला किया क्योंकि यह वो सबसे महत्वपूर्ण वर्ग है जो विवाह संपन्न कराता है। हमने उन्हें समझाया कि बाल विवाह और कुछ नहीं बल्कि बच्चों के साथ बलात्कार है। अठारह वर्ष से काम उम्र की किसी बच्ची से वैवाहिक संबंधों में भी यौन संबंध बनाना यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत बलात्कार है। बेहद खुशी का विषय है कि आज पंडित और मौलवी इस बात को समझते हुए न सिर्फ इस अभियान को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि खुद आगे बढ़कर बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ ले रहे हैं। यदि पुरोहित वर्ग बाल विवाह संपन्न कराने से इनकार कर दे तो देश से रातोंरात इस अपराध का सफाया हो सकता है। इस अभियान में उनके आशातीत सहयोग व समर्थन से हम अभिभूत हैं। इसको देखते हुए हमारा मानना है कि जल्द ही हम बाल विवाह मुक्त साहिबगंज के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

आखिर कब होगा धरहरा और जमालपुर बाढ़ सुरक्षा तटबंध की मरम्मती

दोनों प्रखंडों के गंगा किनारे बसे ग्रामीण परेशान

दिव्य दिनकर डॉ शशिकांत सुमन/आशीष कश्यप

धरहरा। मुंगेर जिला अंतर्गत नक्सल प्रभावित धरहरा एवं जमालपुर प्रखंड के गंगा के किनारे बने बाढ़ सुरक्षा तटबंध पूरी तरह से बदहाल हो गई है। जिसे अब मरम्मती की जरूरत है। लेकिन मरम्मती की दिशा में जिम्मेदार पूरी तरह से लापरवाह है। जिसके कारण गंगा तटबंध के किनारे बसे लोग परेशान हैं। क्योंकि गंगा में बाढ़ होने में लगभग तीन महीना का समय शेष है। सुंदरपुर गांव से डकरा नाला तक बने बाढ़ सुरक्षा तटबंध को 7 साल हो चुका है। समय पर मरम्मत नहीं होने तथा देखरेख के अभाव में कई गांव में तटबंध का जिओ बैग गंगा के पानी में समा गया है। कई जगहों पर जिओ बैग फट कर बर्बाद हो गया है, तो कई जगहों को लोगों ने सुरक्षा की दृष्टिकोण से जिओ बैग को हटाकर अन्यत्र रख दिया है। इसके साथ-साथ तटबंध के निकट भू-माफिया द्वारा मिट्टी की कटाई की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि तटबंध की विभागीय उपेक्षा की जा रही है। बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल का कार्यालय वर्तमान में भागलपुर में है। ग्रामीणों को बाढ़ आने पर शिकायत करने में दिक्कत होती है। भागलपुर जाकर अधिकारियों से शिकायत करनी पड़ती है। विभागीय उपेक्षा के कारण जिओ बैग का बांध प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा है। यही कारण है कि सुंदरपुर चांद टोला, हेमजापुर चांद टोला, लगमा, मिर्जाचक, शिवकुंड, सिंघिया तथा फरदा गांव में बाढ़ का पानी प्रवेश करने का बाढ़ के दिनों में लोगों में आशंका बनी रहती है। बांध की देखरेख नहीं होने तथा विभागीय उपेक्षा के कारण बांध का अतिक्रमण भी हो रहा है। ग्रामीणों बताया कि बाढ़ के दिनों में गांव में गंगा का पानी प्रवेश करने की सूचना मिलने पर विभाग द्वारा अस्थाई रूप से कटाव स्थल पर जिओ बैग डालकर येन-केन प्रकारेण बाढ़ के पानी को गांव में प्रवेश करने से रोकने के लिए हाथ पांव मारता है। लेकिन जैसे ही गंगा नदी के जल स्तर में कमी होना प्रारंभ होता होता है, वैसे ही बाढ़ प्रमंडल के कर्मचारी एवं अधिकारी का ध्यान इस ओर से हट जाता है। ग्रामीण बमबम कुमार, कमलेश्वरी तांती, अजय राम, रामप्रवेश यादव, नारायण सहनी, सुखदेव सहनी ने कहा कि जिओ बैग से निर्मित अस्थाई सुरक्षा तटबंध के बदले स्थाई बाढ़ सुरक्षा तटबंध का निर्माण कराया जाए। ताकि बार-बार का बाढ़ का खतरा समाप्त हो जाए।

उज्वल कुमार का प्रथम प्रयास में हुआ इनकम टैक्स इंस्पेक्टर के रूप में चयन परिजनों ने मनाई खुशियां

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए ।

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती,कोर्शिश करने वाले लोगों की कभी हार नहीं होती। जी हां यह बात अपने प्रथम प्रयास में एसएससी द्वारा आयोजित परीक्षा कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल में उत्तीर्ण होकर इनकम टैक्स इंस्पेक्टर के रूप में चयन होकर एक सामान्य व्यवसाई राकेश कुमार सिंह के बेटा उज्वल कुमार ने साबित किया है। उज्वल कुमार का इस पद पर चयन होने के उपलक्ष्य में परिजनों ने इनसे केक कटवाकर इन्हें बधाई एवं शुभकामना देते हुए इनकी आगे के जीवन के लिए भी मंगलकामना किया और भविष्य की हर चुनौतियों से लड़ने के लिए हौसला प्रदान किया। उज्वल द्वारा अपना यह सक्सेस सेलिब्रेशन अपने मामा के घर गया में बच्चों के साथ मनाया गया,ताकि बच्चों को इनके सफलता से प्रेरणा मिल सके तथा हर बच्चा मेहनत और लगन को अपने जीवन में शामिल करके अपने जीवन में एक ऊंची मुकाम और पद हासिल कर सके,जिस पर समाज,परिवार और राष्ट्र को गर्व हो सके। उज्वल को मिली सफलता पर और पूछे जाने पर इनकी मामी नीरू सिन्हा ने बताई कि उज्वल हमेशा से पढ़ाई और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर शांत भाव से पढ़ाई किया करते थे,जिसके कारण आज इन्हें ये शानदार पद प्राप्त हुआ है,इस उपलब्धि के कारण परिवार में आज खुशी की लहर है। उज्वल के माता पिता भी इनके पढ़ाई में हमेशा संघर्ष करके इनके पढ़ाई को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दिया एवं पढ़ाई के प्रति इन्हें सदैव प्रेरित करते रहे। इस पद पर चयन होने पर उज्वल ने बताया कि केंद्रित अध्ययन और तड़क भड़क से दूर होकर अगर आप अपनी समय परीक्षा की तैयारी में लगते हैं तो आपको सफलता मिलना निश्चित है,उज्वल ने इस परीक्षा में गणित और अंग्रेजी और जीएस विषय पर पकड़ को किसी भी छात्र के लिए सफलता का मुख्य सूत्र बताया। आज के इनके सक्सेज सेलिब्रेशन में शामिल होने वाले शुभचिंतकों में इनकी मामी नीरू सिन्हा,शिल्पी कुमारी,नानी शकुंतला देवी,बहन सत्यम,नैंसी कुमारी,शालनी कुमारी,भाई आदित्य राज,रौनक कुमार,रुद्र कुमार,टप्पू सरदार,मित्रबंधु शशांक खिलौशकर,अजित कुमार,टोनी कुमार,सूरज कुमार इत्यादि लोग शामिल थे,सभी उपस्थित शुभचिंतकों ने इन्हें केक और मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामना प्रदान किया।

उपकरण चोरी, ग्रामीणों में आक्रोश

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) उपहारा थाना क्षेत्र के डड़वा गांव में शनिवार की रात नल-जल योजना के तहत लगाए गए इलेक्ट्रिक उपकरण को अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिए। चोरों ने योजना के तहत बनाए गए सेल्टर रूम की छत पर लगी करकट को उखाड़कर भीतर प्रवेश किया और स्टेबलाइजर, जीपीएस समेत कई कीमती उपकरण चुरा लिए। वार्ड संख्या 12 के सदस्य अनुराग प्रजापत ने बताया कि रात करीब 10 बजे तक पानी की आपूर्ति सामान्य रही। इसके बाद रूटीन अनुसार पानी की सप्लाई बंद कर वे घर लौट गए थे। सुबह करीब 6 बजे जब पानी की सप्लाई चालू करने के लिए वे मौके पर पहुंचे, तो देखा कि सेल्टर रूम की करकट उखड़ी हुई थी। ताला खोलकर अंदर प्रवेश करने पर पाया कि सभी उपकरण गायब थे। घटना की सूचना मिलते ही उपहारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने चोरों की तलाश तेज कर दी है। इधर, चोरी की घटना से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने नल-जल योजना के सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठाते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

दानापुर मंडल संसदीय समिति की बैठक का आयोजन

हाजीपुर: आज दिनांक 28.04.2025 को महेन्द्रूघाट, पटना में दानापुर मंडल की ह्यमंडल संसदीय समितिह्य की बैठक का आयोजन किया गया । इस बैठक में दानापुर मंडल क्षेत्राधिकार के सांसदगण ने भाग लिया । बैठक की अध्यक्षता स-ांसद कौशलेन्द्र कुमार द्वारा की गयी । सभी सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया । इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी सहित मुख्यालय एवं दानापुर मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे । आज की इस बैठक में नालन्दा के सांसद कौशलेन्द्र कुमार, जमुई के सांसद अरूण भारती, जहानाबाद के सांसद सुरेन्द्र प्रसाद यादव, आरा के सांसद सुदामा प्रसाद, बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह, गाजीपुर के सांसद अफजल अंसारी तथा राज्यसभा के सांसद शंभु शरण पटेल एवं सांसद खीरू महतो उपस्थित थे। इनके अलावा कपड़ा मंत्री, भारत सरकार गिरिराज सिंह के सांसद प्रतिनिधि अमित कुमार, सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री, भारत सरकार जीतन राम मांझी के सांसद प्रतिनिधि डॉ. मोहम्मद सिबगतुल्लाह खान, माननीय सांसद डॉ. भीम सिंह के सांसद प्रतिनिधि इन्द्रजीत कुमार, सांसद रवि शंकर प्रसाद के सांसद प्रतिनिधि रामजी सिंह, सांसद विवेक ठाकुर के सांसद प्रतिनिधि रजनीश कुमार, सांसद वीरेन्द्र सिंह के सांसद प्रतिनिधि नवीन कुमार सिंह उपस्थित थे । इसके पूर्व बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने सांसदगण एवं माननीय के प्रतिनिधिगण का स्वागत किया । महाप्रबन्धक ने अपने स्वागत संबोधन में दानापुर मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं नई परियोजनाओं से माननीय सांसदगण को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि दानापुर मंडल अपने ऐतिहासिक स्थापना एवं निरंतर यात्री सेवा के स्वर्णिम उपलब्धियों के साथ वर्ष 2025 में शताब्दी वर्षगांठ मना रहा है। उन्होंने कहा कि गाड़ियों के समयबद्ध परिचालन को बेहतर बनाने के लिए हम सतत प्रयत्नशील हैं । पर्व त्योहार एवं अत्यंत व्यस्त सीजन पर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करती रही है । वर्तमान वितीय वर्ष 2024-25 में 593 जोड़ी विशेष रेल गाड़ियों का परिचालन किया गया एवं विभिन्न गा-ड़ियों में कुल 3763 अतिरिक्त कोच लगाये गए । दैनिक रेलयात्रियों को अनारक्षित टिकट सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 14 और स्टेशनों पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनें स्थापित की गई है। यात्री सुविधा की दिशा में कार्य करते हुए 05 स्टेशनों पर एस्केलेटर, 06 स्टेशनों पर लिफ्ट तथा 08 स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दानापुर मंडल के 20 स्टेशनों का चयन किया गया है जिसके अंतर्गत इन स्टेशनों का दीर्घकालिक दृष्टिकोण से विकास किया जा रहा है। साथ ही, झाझा स्टेशन परिसर में ह्यरेल कोच रेस्टौरेंटह्ण शुरूआत की गयी है, इससे यात्रियों के साथ-साथ आम लोग भी बेहतर खाने का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। महाप्रबन्धक महोदय ने माननीय सांसदों से प्राप्त बहुमूल्य स-ुझावों के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुझाव हमें भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूप-रेखा तय करने में काफी सहायक सिद्ध होगा ।

नेत्र जांच शिविर लगाकर 170 रोगियों का किया गया मोतियाबिंद जांच

जांच शिविर में आए चिकित्सकों व रोगियों ने पहलगाम में मारे गए पर्यटकों को दी श्रद्धांजलि

दिव्य दिनकर जिला संवाददाता काजल गुप्ता

जमालपुर। गायत्री शक्तिपीठ जमालपुर तथा भारतीय रेट का समिति जमालपुर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में जमालपुर-मुंगेर मुख्य पथ पर स्थित गायत्री मंदिर सह शक्तिपीठ परिसर में सोमवार को अखंड ज्योति आई हॉस्पीटल दलसिंहसराय के द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद का 10वां जांच शिविर आयोजित किया गया। रोगियों का जांच कार्य आरंभ होने से पहले शिविर में आए चिकित्सकों, रोगियों, गायत्री शक्तिपीठ के सदस्यों तथा भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्यों ने संयुक्त रूप से पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए दिवंगत पर्यटकों को अश्रुपूरित भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर शांतिकुंज हरिद्वार के जीवनदानी आचार्य सच्चिदानंद तिवारी ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निरपराध पर्यटकों के किए गये निर्मम हत्या पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हम राष्ट्र को जागृत करने वाले पुरोहित के साथ सैनिक भी हैं। हमारी संस्कृति मानवतावादी रही है किन्तु हम शक्ति के भी उपासक हैं। मानवता के रक्षार्थ शास्त्र और शस्त्र दोनों का प्रयोग हम जानते हैं। मोतियाबिंद के निःशुल्क जांच शिविर में 170 रोगियों का जांच किया गया। इसमें 65 रोगियों को आपरेशन कर लेंस लगाया जायेगा। यह शिविर प्रत्येक माह के 28 तारीख को निरंतर लगाया जायेगा। जांच शि-विर में सभी व्यवस्थाएं निःशुल्क है। विशेष उपस्थिति मुख्य प्रबंध ट्रस्टी कृष्ण चंद्र चौरसिया, भारतीय रेडक्रास सोसाइटी जमालपुर शाखा के सचिव बासुदेव पुरी, शिवलाल रजक, सुरेश चौरसिया, डॉ प्रिंस कुमार, डॉ प्रदीप कुमार, प्रमोद कुमार, सुनील कुमार, शंभू सिंह, बलविंदर सिंह अहलूवालिया, अमित नंदन, भरत पोद्दार, विपिन चौरसिया, हलधर मंडल, मूलचंद मंडल, दीपक कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

भागवत कथा के पांचवें दिन कृष्ण की बाल लीलाओं का जीवंत वर्णन

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर

संग्रामपुर प्रखंड क्षेत्र के बढ़ौनियाँ गांव स्थित ऐतिहासि-ाक काली मंदिर प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। वृंदावन से आई कथा वाचिका ब्रज प्रिया किशोरी जी उर्फ अदिति जी ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का विस्तार से वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।कथा वाचिका ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर बाल्यकाल की अनेक लीलाओं को अत्यंत मार्मिक और सरल शैली में प्रस्तुत किया। उन्होंने पूतना वध, तृणावर्त वध, माखन चोरी, ग्वाल बालों के साथ क्रीड़ा, यशोदा माता द्वारा श्रीकृष्ण को उखल से बांधने की लीला तथा गोवर्धन धारण जैसे प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण चित्रण किया। कथा के दौरान श्रद्धालु भावविभोर होकर बार-बार ₹जय श्रीकृष्ण₹, ₹राधे-राधे₹ के जयकारे लगाते रहे।ब्रज प्रिया किशोरी जी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं हमें प्रेम, करुणा, सेवा और सच्चे धर्म का मार्ग दिखाती हैं। पूतना वध के माध्यम से यह संदेश मिलता है कि शुद्ध हृदय से किया गया कोई भी कार्य चाहे अनजाने में हो, भगवान उसे स्वीकार करते हैं। माखन चोरी की लीला यह सिखाती है कि भगवान अपने भक्तों के प्रेम के भूखे हैं, बाहरी आडंबर से नहीं।इस अवसर पर आकर्षक झांकियों का भी आयोजन किया गया। स्थानीय कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। छोटे-छोटे बच्चों ने श्रीकृष्ण, बलराम, यशोदा माता और गोपियों की भूमिका निभाई। विशेष झांकी में गोवर्धन धारण की लीला को अद्भुत ढंग से प्रदि-र्शत किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।कथा के उपरांत विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कथा स्थल को भव्य रूप से सजाया गया था और चारों ओर भक्ति गीतों की मधुर ध्वनि गूंज रही थी। आयोजन समिति के सदस्यों ने व्यवस्था को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।ब्रज प्रिया किशोरी जी ने अपने प्रवचन के दौरान युवाओं से अपील की कि वे धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें, गौ सेवा करें और जीवन में सत्य, अहिंसा तथा प्रेम के मार्ग का अनुसरण करें। उन्होंने भागवत कथा के महत्व को बताते हुए कहा कि इसके श्रवण मात्र से मानव जीवन धन्य हो जाता है और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।कथा के पांचवें दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा श्रवण कर पुण्य लाभ उठाया। समूचा वातावरण श्रीकृष्ण भक्ति में डूबा रहा और हर ओर अलौकिक आनंद का अनुभव किया गया।कथा कहते कथा वाचिका ब्रज प्रिया किशोरी

दूसरे पुण्यतिथि पर याद किए गए पूर्व शिक्षक दिवंगत महेंद्र चौऋषि

समाज को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में महेंद्र चौऋषि का रहा बड़ा योगदान : प्रो आकर्षण

दिव्य दिनकर जिला संवाददाता काजल गुप्ता

जमालपुर। केंद्रीय विद्यालय जमालपुर के समाजोपयोगी उत्पादक कार्य विषय के प्रशिक्षित स्नातक शिक्ष-ाक रहे दिवंगत महेंद्र कुमार चौऋषि के द्वितीय पुण्यतिथि पर उन्हें नमन कर समाज के प्रति उनके योगदानों को याद किया गया। सोमवार को पिता के द्वितीय पुण्यतिथि के मौके पर उनकी पत्नी रेणुका देवी एवं पुत्र इंजीनियर आकर्षण प्रतीक चौऋषि की ओर से वार्षिक पुण्यतिथि श्रद्धांजलि सभा सह पूजा अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुरोहित श्रवण शर्मा ने वैदिक रीति रिवाज से पूजा अनुष्ठान संपन्न करते हुए दिवंगत महेंद्र प्रसाद चौऋषि के तैलीय चित्र पर पुष्पार्चन कराया। पूजा अनुष्ठान के उपरांत एक श्रद्धांजलि सभा के दौरान पिता को नमन करते हुए राजस्थान के बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड सा-इंस के रिसर्च एसोसिएट प्रोफेसर इंजीनियर आकर्षण प्रतीक चौऋषि ने कहा कि जमालपुर शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान केंद्रीय विद्यालय में अपने अध्यापन कार्य के माध्यम से तथा समाज के हर वर्ग के लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में उनके पिता महेंद्र कुमार चौऋषि का अमूल्य योगदान रहा है। समाज को आगे बढ़ाने की दिशा में उन्होंने हमेशा अपनी ओर से प्रयास किया है। उनके इन्हीं योगदानों को देखते हुए केंद्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग की ओर से वर्ष 2010 में उन्हें संभागीय प्रोत्साहन पुरस्कार से नवाजा गया। इन्होंने विद्यालय में स्वस्थ वातावरण के निर्माण के प्रति मनसा, वाचा, कर्मणा सहयोग प्रदान किया है। विद्यालय के कार्य अनुभव, सौंदर्यीकरण, विद्युतीकरण के अतिरिक्त छात्रों को स्वच्छता, सत्यवादिता, माता-पिता, गुरु एवं देश के प्रति कर्तव्यों का पालन करने का दिशा निर्देश देते रहे हैं। विद्यालय में आयोजित सामाजिक विज्ञान, विज्ञान प्रदर्शनी, वार्षिकोत्सव, क्रीड़ोत्सव एवं पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप को संचालित करने में इनका पूर्ण योगदान रहा है। हंसमुख एवं मधुर व्यवहार से ये विद्यार्थियों में सदैव प्रिय बने रहे। सन- 1983 से अपने सेवानिवृत्ति काल तक भारत स्काउट एवं गाइडस का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ स्काउट मास्टर के रूप में करते रहे। इन्होंने वर्ष 2008 में ₹हिमालय वुड वैज प्रमाण-पत्र सहित प्राप्त किया था। इन्होंने राष्ट्रीय जंबूरी, अन्तर्राष्ट्रीय जंबूरी तथा सार्क जंबूरी में केन्द्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग का नेतृत्व भी किया था। 2023 में उनके निधन के बाद से जमालपुर शहर के लोगों को आज भी उनकी कमी महसूस होती है।

बखरी में एसडीएम ने सुना वृद्धजनों की समस्याएं

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। वृद्धजन भरण पोषण अधिनियम के तहत अनुमंडल कार्यालय, बखरी में पांच मामलों की सुनवाई की गई।जहां अनुमंडल पदाधिका-री बखरी सन्नी कुमार सौरव द्वारा परिवादियों की समस्या को गंभीरता से सुना गया तथा निपटारा किया गया। विदित हो कि हर महीने अनुमंडल कार्यालय में वृद्धजनों की भरण पोषण की समस्याओं को सुना जाता है और उनका निराकरण किया जाता है। अनुमंडल प्रशासन अपने क्षेत्र के वृद्धजनों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। सजग रहकर तत्परता से समाधान करने हेतु हमेशा प्रयासरत है। इस मौके पर कमिटी के सदस्य एवं वरीय लिपिक मिथलेश कुमार प्रभात उपस्थित थे।

मुंगेर में होमगार्ड बहाली को लेकर डीएम ने की ब्रीफिंग बैठक, दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश

कोई लापरवाही अथवा अनियमितता कतई बर्दास्त नहीं की जाएगी : डीएम

दिव्य दिनकर जिला संवाददाता रंजीत विद्यार्थी

मुंगेर। महानिदेशक-सह-महासमादेष्टा, गृह रक्षा वाहिनी एवं अनिग्नशमन सेवाएं, बिहार, पटना के आलोक में मुगेर जिले में आ-रक्षण कोटिवार विज्ञापित रिक्त पदों पर गृह रक्षकों के स्वच्छ नामांकन हेत अभ्यर्थियों की शारीरिक सक्षमता की जांच अगामी 30 अप्रैल से प्रारंभ होनी है। इस सक्षमता जांच को पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में संग्रहालय सभाकक्ष में सभी पदाधिकारियों, दण्डाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ ब्रिफिंग बैठक आयोजित हुई। बैठक में उक्त शारीरिक सक्षमता जांच को संवेदनशील तरीके से अत्यंत ही पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर बिंदुवार चर्चा हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, अपर समाहर्ता मनोज कुमार, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, समादेष्टा गृह रक्षावाहिनी अनुज कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ,सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिषेक आनंद सहित अन्य सभी पदाधिकारी, दण्डाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि गृह रक्षा वाहिनी अभ्यर्थियों के लिए आहूत उक्त शारीरिक सक्षमता जांच अत्यंत ही संवेदनशीलता के साथ स्वच्छ, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना जिला एवं पुलिस प्रशासन की जिम्मेवारी है। थोड़ी सी भी चूक संबंधित पदाधिकारी, दण्डाधिकारी अथवा कर्मी के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। इस लिए इस जांच परीक्षा को अंत्यंत ही गंभीरता से लेने की जरूरत है तथा इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापर-वाही अथवा अनियमितता कतई बर्दास्त नहीं की जाएगी। इस लिए सभी पदाधिकारी, दण्डाधिकारी एवं कर्मी अपनी ड्यूटि को पूरी गंभिरता के साथ निभाएंगे तथा ससमय अपने निर्धारित कार्य स्थल पर उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि शारीरिक सक्षमता जांच दिनांक 30 अप्रैल 2025 से प्रारंभ होगी जो 19 मई तक चलेगी। इसमें पुरूष अभ्यर्थियों के लिए 30 अप्रैल से 15 मई (राजपत्रित/रवि-वारीय अवकाश के दिन को छोड़ कर) की तिथि निर्धारित की गयी है, जिसमें कुल 14219 अभ्यर्थी भाग लेंगे, जबकि 16 से 19 मई तक महिला अभ्यर्थियों की शारीरि-क सक्षमता जांच होगी, जिसमें कुल 3307 अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे। दोनों मिलाकर कुल 17526 अभ्यर्थी इस जांच में हिस्सा लेंगे। सभी सक्षमता जांच परीक्षा पोलो मैदान में ही आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग प्रवेश द्वार पर ही की जाएगी तथा दो पालियों में उनकी सक्षमता जांच होगी। पहली पाली प्रातः 5 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित की गयी है, जबकि दूसरी पाली दोपहर 12 बजे से रात्रि 8 बजे तक होगी। अभ्यर्थियों का प्रवेश प्रातः 5 बजे से शुरू होगा तथा सामान्यतः प्रातः 9 बजे तक प्रवेश दिया जाएगा, जहां सभी अभ्यर्थियों का आधार आधारित बायोमेट्रिक जांच के पश्चात ही उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। इस दक्षता परीक्षा में अभ्यर्थियों को सर्वप्रथम प्रवेश पत्र (दो प्रति के साथ) तथा आवश्यक पहचान पत्र दिखा कर अपना निबंधन कराना होगा. तत्पश्चात उन्हें दौड़, शारीरिक जांच, उंची कूद, गोला फेंक, लम्बी कूद की प्रक्रिया से गुजरना होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि अभ्यर्थियों के प्रवेश के दौरान सिर्फ अभ्यर्थियों को ही उनकी पहचान के आधार पर प्रवेश देना है। उनके अतिरिक्त किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों, दण्डाधिकारियों एवं कर्मियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि इस परीक्षा को अत्यंत ही गंभिरता एवं संवेदनशीलता के साथ पूर्ण कराना ही हमारी जिम्मेवारी है। इसमें अभ्यर्थियों के प्रति कोई भी पदाधिकारी अथवा अन्य कर्मीयों द्वारा कोई भी संलिप्तता अथवा अन्य सहयोग कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि किसी भी प्रकार की ऐसी कोई सूचना जिनके भी खिलाफ प्राप्त होती है तो तत्काल उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

मोदी से निराशा और राहुल से उम्मीदें बढ़ीं

>> विचार

"मोदी के पास मीडिया है। और इन 11 सालों में यह साबित हो गया है कि मीडिया का प्रोपेगंडा इतना ताकतवर है कि वह एक पढ़े-लिखे व्यक्ति को पप्पू और जिसकी डिग्री में संदेह हो उसे बड़ा चिंतक विचारक बता सकता है। मोदी के पास मीडिया के साथ अपनी पार्टी की सोशल मीडिया टीम है और एक बड़ा भक्त समुदाय है। यह तीनों मिलकर मोदी के गिरते ग्राफ को थामने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। यहीं कांग्रेस को सावधान रहने की जरूरत है। उसे मजबूत होने और अफवाह, प्रचारतंत्र और झूठ का माहौल तोड़ने के लिए अपनी टीम को तैयार करना होगा। अभी कांग्रेस की हालत क्या है? हैदराबाद में सौ देशों के प्रतिनिधियों ने पाक समर्थित आतंकवाद के खिलाफ कैंडिल लाइट प्रदर्शन किया।

शकील अख्तर

यहीं कांग्रेस को सावधान रहने की जरूरत है। उसे मजबूत होने और अफवाह, प्रचारतंत्र और झूठ का माहौल तोड़ने के लिए अपनी टीम को तैयार करना होगा। अभी कांग्रेस की हालत क्या है? हैदराबाद में सौ देशों के प्रतिनिधियों ने पाक समर्थित आतंकवाद के खिलाफ कैंडिल लाइट प्रदर्शन किया। शांति की कामना की। आतंकवाद का विरोध। मगर कांग्रेस यह दिखाने बताने में असमर्थ रही। चीजें बदल रही हैं। इसे आप टर्निंग पाइंट भी कह सकते हैं। पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद आम लोगों को प्रधानमंत्री मोदी से निराशा हुई है और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से लोगों की उम्मीदें बढ़ी हैं। राहुल गांधी भी अपना विदेशी दौरा छोड़कर भारत लौटे और प्रधानमंत्री मोदी भी। राहुल सीधे कांग्रेस की शीर्ष ईकाई सीडब्ल्यूसी की बैठक में गए। जहां पहलगाम के आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। आतकंवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ा होने का कांग्रेस का संकल्प दोहराया गया। और पूरे देश की एकजुटता की बात कही गई। इसके बाद राहुल उस आल पार्टी मीटिंग में गए जिसे कांग्रेस की मांग के बाद बुलाई तो केन्द्र सरकार ने थी मगर खुद प्रधानमंत्री मोदी उसमें शामिल नहीं हुए। खैर! नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने स्टेट्समेनशिप (बड़े नेता, देश के नेता) का परिचय देते हुए सरकार को बिना शर्त पूरा सहयोग देने का वादा किया। यहां यह बात बताना जरूरी है कि इससे पहले कभी ऐसी घटना में बीजेपी जब विपक्ष में होती थी तो सरकार को सहयोग देना तो दूर उल्टे सरकार पर आरोप लगाना शुरू कर देती थी। मगर राहुल ने कहा कि सरकार जो भी कदम उठाएगी हम उसका साथ देंगे। उसके बाद राहुल अगली सुबह कश्मीर पहुंच गए। वहां अस्पताल जाकर घायलों से मिले। अपनी पार्टी के लोगों से मिलकर घटना की जानकारी ली। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मिले। नेता प्रतिपक्ष के रूप में जो कर सकते थे किया। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी। विदेश यात्रा से लौटकर न तो किसी मृतक के परिवार से मिले, न घायलों से। न कश्मीर गए। न आल पार्टी मीटिंग में आए। किया क्या? बिहार चले गए। जहां विधानसभा चुनाव होना है। वहां एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ हंस-हंस कर बातें करते हुए फोटो और वीडियो सामने आए। यहीं से वह टर्निंग पाइंट बनना शुरू हो गया जहां मोदी पीछे और राहुल आगे दिखने लगे। मगर यह इतना आसान नहीं। जनता में भावनाएं आई हैं। मगर यह सामने आएं इसके लिए कांग्रेस को काम करना पड़ेगा। मोदी के पास मीडिया है। और इन 11 सालों में यह साबित हो गया है कि मीडिया का प्रोपेगंडा इतना ताकतवर है कि वह एक पढ़े-लिखे व्यक्ति को पप्पू और जिसकी डिग्री में संदेह हो उसे बड़ा चिंतक विचारक बता सकता है। मोदी के पास मीडिया के साथ अपनी पार्टी की सोशल मीडिया टीम है और एक बड़ा भक्त समुदाय है। यह तीनों मिलकर मोदी के गिरते ग्राफ को थामने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। यहीं कांग्रेस को सावधान रहने की जरूरत है। उसे मजबूत होने और अफवाह, प्रचारतंत्र और झूठ का माहौल तोड़ने के लिए अपनी टीम को तैयार करना होगा। अभी कांग्रेस की हालत क्या है? हैदराबाद में सौ देशों के प्रतिनिधियों ने पाक समर्थित आतंकवाद के खिलाफ कैंडिल लाइट प्रदर्शन किया। शांति की कामना की। आतंकवाद का विरोध। मगर कांग्रेस यह दिखाने बताने में असमर्थ रही। यह आयोजन किस का था? कांग्रेस का। राहुल गांधी इसमें शामिल हुए। तेलंगाना के मुख्यमंत्री कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सौ से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि। मगर उनके आतंकवाद के खिलाफ का प्रदर्शन कांग्रेस हाई लाइट नहीं कर पाई। यह गलती इस समय नहीं होना चाहिए थी। आतंकवाद के खिलाफ कांग्रेस की कोई भी पहल इस समय जनता बहुत उम्मीद और भरोसे के साथ देख रही है। कांग्रेस में गुटबाजी और केवल 'मैं ही मैं हूं' बड़ी समस्या है। खुद राहुल कह चुके हैं। और कांग्रेस अध्यक्ष खरगे भी। मगर उसे दूर करने के लिए कुछ नहीं कर रहे। और इसका नुकसान इन दोनों को ही होगा। कोई कांग्रेस के गुटबाज, छोटे-छोटे स्वार्थों में लगे लोगों से जवाब नहीं मांगेगा। जवाब इन दोनों शीर्ष नेताओं को ही देना होगा। मगर यह दोनों कुछ क्यों नहीं करते हैं। इसका जवाब किसी के पास नहीं है। मोदी अपने सबसे विपरीत समय में भी नेरेटिव (कहानी) बनाने के लिए कुछ करेंगे। लेकिन कांग्रेस जागेगी इसमें लोगों को संदेह है। लोग अभी भी वही पुरानी बात कहते हैं कि कांग्रेस सोचती है कि लोग जब मोदी से परेशान हो जाएंगे खुद उसके पास आएंगे। लोग आ रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं। मगर कांग्रेस जो सबसे बड़ा विपक्षी दल है उसे भी पार्टी के रूप में अधिक सक्रिय होकर सामने आना होगा। राहुल बहुत मेहनत करते हैं। खरगे जी इस उम्र में जितना काम कर रहे हैं इतनी उम्र का किसी भी पार्टी का कोई नेता नहीं कर रहा है। 83 साल के होने वाले हैं। बीजेपी का सारा प्रचारतंत्र इस समय भरभरा कर गिर गया है। मोदी जी कुछ भी बोलते रहते थे। नोटबंदी से आतंकवाद खतम हो गया। कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद हो गया। घर में घुस कर मारेंगे। लाल आंखें। सब की असलियत लोगों के सामने आ गई। और उस पर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ पाकिस्तान को भी एक पलड़े में रखकर मोदी की यह मेरा दोस्त वह मेरा दोस्त माई डियर ट्रंप सब दावों की हवा और निकाल दी। ट्रंप ने बहुत गलत बोला। दोनों को समान दोस्त बता दिया। और कश्मीर मामले को 1500 साल पुराना बता दिया। आतंकवाद पर हम पीड़ित हैं। पाकिस्तान कश्मीर में करीब चार दशक से आतंकवाद चला रहा है। वह उत्पीड़क है। उसके साथ हमें रख देना एकदम गलत है। लेकिन प्रधानमंत्री कोई विरोध नहीं कर पाए। इससे पहले भी जब भारतीयों को हथकड़ी बेड़ी डालकर वापस भेजा गया तब भी। मनमाना टैरिफ लगाया गया तब भी। मोदी को सामने बिठाकर भारत के खिलाफ बोला गया तब भी। पता नहीं अब भी समझ में आएगा कि नहीं। काहे के लिए खुद को विश्व गुरु बोलते थे! 11 साल सिर्फ हिन्दू-मुसलमान किया। क्या हुआ उससे? नौकरी, महंगाई, देश की अर्थ व्यवस्था, जनता की सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं, उनके बच्चों की सरकारी स्कूलों की मुफ्त शिक्षा छोड़िए, क्या जिस पर सारा जोर था वह आतंकवाद खतम हो गया? चीन की तो बात ही करना बेकार है। वह तो अंदर घुसकर गलवान में हमारे 20 जवानों को शहीद कर गया। और प्रधानमंत्री ने उन्हें क्लीन चिट दे दी कि न कोई आया हो न कोई घुसा है। और सबसे खराब बात कि पाकिस्तान जिस का पक्ष लेने की अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन ने कोशिश की थी तो उस समय की प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे उसी पाकिस्तान को आज अमेरिका के राष्ट्रपति भारत के साथ बराबरी पर रख रहे हैं। और हम चुप हैं। बातों ही बातों को समय ने पूरा एक्सपोज कर दिया। जनता की समझ में आ रहा है। मगर जनता खुद से कुछ नहीं कर सकती है। उसे प्रेरित करते रहना पड़ेगा। दूसरी बात कांग्रेस को पहले चुनाव जीतना सीखना पड़ेगा। सब परिस्थितियां हैं। चुनाव आयोग का पक्षपात। वोटर लिस्ट में धांधलियां, ईवीएम में गड़बड़ियां सब हैं। मगर कांग्रेस की अपनी कमजोरियां? हम नहीं कह रहे खरगे और राहुल खुद कह चुके हैं। गुटबाजी, कांग्रेस में आधे बैठे भाजपाई, काम नहीं करना, सब परतें दोनों ने खरगे-राहुल ने खोल दी हैं। मगर इन्हें दूर कौन करेगा? पता नहीं? ऊपर वाले का नाम तो भाजपा सबसे ज्यादा लेती है। मगर शायद सोचती कांग्रेस है कि वही इन सब गड़बड़ियों को दूर करेगा! जैसे अंध भक्त आजकल हो गए हैं। वैसे शायद अंध आस्थावान कांग्रेस आजकल हो रही है!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

सबक सिखाने का वक्त

निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है। पुलवामा हमले के बाद भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से स्पष्ट है कि वैश्विक व्यवस्था के प्रति पाक की क्या सोच है। इससे भी शर्मनाक घटना ब्रिटेन में सामने आई, जहां पाक उच्चायोग के सामने प्रदर्शन करने वाले भारतीयों को एक पाकिस्तान राजनयिक गला काटने का इशारा करता सूचना माध्यमों में नजर आया। उक्त राजनयिक पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा सलाहकार के रूप में तैनात है। निश्चय ही यह राजनयिक स्तर पर एक शर्मनाक घटना है। साथ ही बताती है कि कैसे पाक सेना के उच्चाधिकारी एक जिहादी संगठन के सदस्य जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इससे पाकिस्तानियों में भारतीयों के प्रति भरी घृणा ही उजागर होती है। भारत को इन तमाम मामलों को वैश्विक मंच पर उठाकर पाक पर कार्रवाई के लिये दबाव बनाना चाहिए। दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। बहरहाल, पाक आज पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है।

निशिकांत दुबे जैसे बीजेपी नेता यूं ही नहीं करते हुंआ-हुंआ!

शरद गुप्ता

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे द्वारा सुप्रीम कोर्ट और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना पर निशाना साधना सरकार द्वारा 'अड़ंगे खड़ी करने वाली न्यायपालिका को काबू करने' के बड़े लक्ष्य का हिस्सा है। पिछले 12 सालों में न्यायपालिका में एक साफ रुख दिखा है- अहम मामलों की सुनवाई के दौरान यह केन्द्र सरकार के खिलाफ तीखी टिप्पणियां करती है, लेकिन फैसला ज्यादातर केन्द्र सरकार के पक्ष में सुनाती है। राम जन्मभूमि, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, राफेल सौदा, कश्मीर में अनुच्छेद-370 को हटाने या नोटबंदी से संबंधित मामलों में यही साफ-साफ दिखा। अगर इसके बाद भी सत्तारूढ़ पार्टी न्यायपालिका को निशाना बनाना चाहती है, तो सीधा-सा मतलब है कि वह इस दिखावे को भी खत्म करना चाहती है- और एक पूरी तरह से अनुकूल (यानी पक्षपातपूर्ण) न्यायपालिका के पक्ष में है। वैसे भी, पार्टी ने पहले ही पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा में शामिल कर लिया है और एक अन्य पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दादाशिवम को राज्यपाल नियुक्त किया गया। बीजेपी का हालिया रुख बताता है कि वह न्यायपालिका से किसी भी तरह की 'असहमति' बर्दाश्त नहीं करेगी। नौकरशाही और मीडिया- दोनों पर प्रभावी ढंग से काबू कर लेने के बाद न्यायपालिका उसके लिए अंतिम मोर्चा बची है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और अनुच्छेद 370 को हटाने जैसे फैसलों के जरिये लागू किए गए भाजपा के हिन्दुत्व एजेंडे को न्यायिक जांच का सामना करना पड़ा है। न्यायिक समीक्षा को काबू करना यह सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका है कि विवादास्पद नीतियां पारित हो जाएं। मजबूत संसदीय बहुमत के साथ भाजपा अपने केन्द्रीकृत शासन मॉडल को ध्यान में रखते हुए कार्यकारी शक्ति पर किसी भी नियंत्रण को और कम करना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम 2015 में किए गए संवैधानिक संशोधन को खारिज कर दिया था, जिसका उद्देश्य न्यायिक नियुक्तियों का राजनीतिकरण था। तब सरकार ने इसे 'न्यायिक वीटो' करार दिया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कॉलेजियम प्रणाली की जगह एनजेएसी को लाने की बात बार-बार बात की है। सुप्रीम कोर्ट ने आधार अधिनियम के प्रावधानों को भी आंशिक रूप से निरस्त कर दिया, जिसे सरकार ने नीतिगत मामलों में अदालती हस्तक्षेप करार देते हुए इसकी आलोचना की। 2018 में, जज लोया की रहस्यमयी मौत की जांच पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं को खारिज किए जाने के बाद बीजेपी ने सुप्रीम कोर्ट पर राजनीतिक पक्षपात का आरोप लगाया था। 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को निलंबित कर दिया जिससे सरकार खफा हो गई, हालांकि बाद में इन कानूनों को वापस ले लिया गया। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉण्ड के खिलाफ फैसला सुनाया और इसे चंदा लेने की भाजपा की अपारदर्शी व्यवस्था के लिए झटके के रूप में देखा गया। बीजेपी नेता जिस तरह राशन-पानी लेकर देश की सबसे बड़ी अदालत पर पिल पड़े हैं, उसकी हालिया वजह वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां हैं। निशिकांत दुबे ने अदालत पर 'धार्मिक युद्ध भड़काने' का आरोप लगाया और देश में 'गृह युद्ध' शुरू करने के लिए सीजेआई को दोषी ठहराया। 16 अप्रैल को वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कुछ प्रावधानों पर सवाल उठाए जिसके बाद सरकार को कहना पड़ा कि वह अगली सुनवाई तक इस पर कार्यान्वयन रोक रही है। इसके बाद दुबे ने आरोप लगा दिया कि न्यायपालिका अपने दायरे का अतिक्रमण कर रही है क्योंकि वह राष्ट्रपति और संसद को कैसे निर्देश दे सकती है। दुबे ने समयसीमा निर्धारित करने के न्यायपालिका के अधिकार पर भी सवाल उठाया और तर्क दिया कि कानून बनाना संसद का विशेषाधिकार है- सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं का अतिक्रमण कर रहा है। उन्होंने बड़े ही भड़काऊ अंदाज में कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है, तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। दुबे ने यह भी सवाल उठाया कि मुख्य न्यायाधीश उन्हें नियुक्त करने वाले प्राधिकारी, यानी भारत के राष्ट्रपति के अधिकारों को कैसे रोक सकते हैं? वैसे, सोचने वाली बात है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति भी प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा की जाती है। और दुबे के तर्क के मुताबिक तो चुनाव आयोग को भी चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री के किसी भी गलत काम पर चुप रहना चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री ही उसकी नियुक्ति करने वाला प्राधिकारी है। बहरहाल, बीजेपी ने दुबे की टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने दुबे की बातों को उनके 'व्यक्तिगत विचार' करार दिया। लेकिन क्या इतना ही काफी है? क्या पार्टी को दुबे के खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिए थी? आखिर बीजेपी एक जैसे मामलों पर दो तरह के मानक क्यों अपनाती है? जब ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने उत्तराधिकार कर या भारत-चीन रिश्तों पर टिप्पणियां कीं तो भाजपा ने जोर देकर कहा कि ये उनके निजी विचार नहीं थे बल्कि वे कांग्रेस के विचारों को ही प्रतिबिंबित कर रहे थे। पित्रोदा के पार्टी पद से इस्तीफा देने के बाद भी हमला जारी रहा।

बीजेपी ने विपक्ष और संविधान का अपमान करने के काम पर पूरी फौज लगा रखी है। इसके लिए वह गिरिराज सिंह, नीतीश राणे, प्रज्ञा सिंह ठाकुर, अनुराग ठाकुर, प्रवेश वर्मा, अनंत हेगड़े, टी. राजा सिंह जैसों को बढ़ावा देती है - ये सब भाजपा के 'विषैले नेताओं की नर्सरी' के उत्पाद हैं। जब भी वे कोई हंगामा खड़ा करते हैं, उन्हें पदोन्नति दी जाती है। इनमें से ज्यादातर केन्द्रीय या राज्य मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं। इनमें से ज्यादातर विवादों पर मोदी जुबान सिल लेते हैं। कभी-कभार जब वह कोई बयान देते भी हैं- जैसे कि प्रज्ञा ठाकुर के मामले में उन्होंने कहा कि 'मैंने उन्हें अपने दिल की गहराई से माफ नहीं किया है' - तो यह सिर्फ बचाव न करने योग्य मामलों में भी उनके बचाव को ही दिखाता है। निशिकांत दुबे भी कोई अपवाद नहीं। हकीकत यह है कि वह इस ब्रिगेड के प्रमुख नेता के रूप में उभरे हैं। तत्कालीन बीजेपी अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी के राजनीतिक सलाहकार के.एन. गोविंदाचार्य के निजी सहायक के रूप में शुरुआत करने वाले दुबे राजनीति में आने से पहले एक शिपिंग कंपनी में काम करते थे। वह झारखंड के गोड्डा से चौथी बार सांसद चुने गए हैं। उनके अपने चुनावी हलफनामे के मुताबिक उन पर नौ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्हें केन्द्रीय मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली, लेकिन बीजेपी उन्हें लोकसभा में होने वाली बड़ी बहसों में मुख्य वक्ता के तौर पर पेश करती रही है। वह कई प्रमुख संसदीय समितियों का भी हिस्सा हैं। उनकी याचिका पर ही तृणमूल कांग्रेस की तेज-तर्रार सांसद महुआ मोइत्रा की पिछली लोकसभा से सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के रुख ने दुबे को हिन्दुत्व ब्रिगेड के पोस्टर बॉय के रूप में उभरने का एक और मौका दिया है। सोशल मीडिया पर कट्टरपंथियों के समर्थन से वह इस कदर उत्साहित हैं कि इस लेख को लिखे जाने के समय तक दुबे ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई खन्ना के खिलाफ अपने आपत्तिजनक बयानों को नहीं हटाया था, जबकि उन पर अदालत की अवमानना की कार्यवाही भी चल रही है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी दुबे जैसी ही भावनाएं व्यक्त की हैं, खास तौर पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति के लिए लंबित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए समय सीमा तय करने के बाद। धनखड़ ने इसे न्यायिक अतिक्रमण बताते हुए इसकी आलोचना की, संवैधानिक पदाधिकारियों को निर्देश देने के अदालत के अधिकार पर सवाल उठाया और न्यायपालिका को 'सुपर संसद' के तौर पर काम करने के खिलाफ चेताया। एक उच्च पदस्थ संवैधानिक हस्ती के रूप में, धनखड़ का दुबे की भाषा बोलने से पता चलता है कि न्यायिक सत्ता को चुनौती देने के उद्देश्य से नैरेटिव खड़ा करने का एक समन्वित प्रयास हो रहा है जो इस मुद्दे के राजनीतिक महत्व को बढ़ा देता है। अब गेंद सुप्रीम कोर्ट के पाले में है। उसे तय करना है कि वह कायरता के साथ समर्पण करना चाहता है या फिर मजबूती से लड़ाई लड़ना चाहता है- जैसा कि उसने एनजेएसी अधिनियम के मामले में किया था।

प्रोटीन से भरपूर 'सत्तू' का सेवन गर्मियों में है वरदान

रॉयल बुलेटिन

गर्मी की मार से बचने के लिए लोग अलग-अलग किस्म की ड्रिंक पीते हैं, ताकि वे भीषण गर्मी में किसी बीमारी का शिकार न हो पाएं। हम आपको एक ऐसी देशी ड्रिंक के बारे में बताएंगे, जिसे पीने से न केवल शरीर हाइड्रेट रहता है, बल्कि यह पीने में भी काफी पौष्टिक होता है। दरअसल, यहां बात 'सत्तू' की हो रही है, जिसे गर्मी में वरदान कहना गलत नहीं होगा। 'सत्तू' एक पारंपरिक भारतीय आहार है, जिसे गर्मियों के दौरान पोषण और ताजगी का खजाना माना जाता है। 'सत्तू' स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। यह शरीर को ठंडक, ऊर्जा और पोषक तत्व प्रदान करता है, जो हर वर्ग के लोगों के लिए लाभकारी है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित (नवंबर, 2021) रिपोर्ट के मुताबिक, गर्मियों में सत्तू का ठंडा करने वाला गुण इसे एक शानदार पेय बनाता है। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है और ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम, जो पाचन को बेहतर करता है। फाइबर मल त्याग को सामान्य करता है, कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। यह प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन जैसे खनिजों से भरपूर होता है, जो शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हैं। 'सत्तू' भारतीय उपमहाद्वीप में काफी लोकप्रिय है। इसका सेवन भारत के कई हिस्सों जैसे झारखंड, बिहार, पंजाब, उत्तराखंड और यूपी में किया जाता है। यह गेहूं, चना, जौ और अन्य अनाज से बनाया जाता है और इसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिज भरपूर मात्रा में होते हैं। 'सत्तू' शरीर को ठंडा रखने का काम करता ही है। साथ ही इसका सेवन करने से पाचन क्रिया भी दुरुस्त रहती है और यह शरीर को ऊर्जा भी प्रदान करता है। इसके अलावा, 'सत्तू' के सेवन को वजन घटाने में भी कारगर माना जाता है। 'सत्तू' का सेवन शरबत, लड्डू, पराठा और चपाती के रूप में किया जा सकता है। इसका शरबत गर्मियों में प्यास बुझाने के लिए एक बेहतरीन पेय माना जाता है, जो शरीर को गर्मी से बचाता है और तापमान भी ठंडा करने का काम करता है। इसके अलावा, सत्तू में अघुलनशील फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है, जो आंतों के स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। यह कब्ज, एसिडिटी और भारी या चिकने भोजन से होने वाली समस्याओं से राहत दिलाता है। साथ ही सत्तू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो डायबिटीज रोगियों के लिए बहुत अच्छा है। यह खून में शर्करा के स्तर को नियंत्रित रखता है और ब्लड प्रेशर को भी संतुलित करता है। इसमें मौजूद उच्च फाइबर कोलेस्ट्रॉल की समस्या वाले लोगों के लिए फायदेमंद है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

सटवट में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रूद्र महायज्ञ समिति का हुआ गठन

19 मई को कलश शोभा यात्रा 26 मई को हवन पूर्णाहुति प्रत्येक दिन चलेगा भंडारा

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के देव प्रखंड के सटवट ग्राम में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रूद्र महायज्ञ निमित्त संरक्षक मंडली का हुआ गठन जिसमे सर्व सम्मति से अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष समाजसेवी प्रवीण सिंह, उपाध्यक्ष बिनोद सिंह, पन्नालाल विश्वकर्मा, बिनोद भगत, सचिव किशोर सिंह, उपसचिव शिव शंकर भगत, अमरेश मेहता, आलोक ठाकुर, निरंजन मेहता कोषाध्यक्ष सरोज पाल, उपकोषाध्यक्ष बबलू शर्मा संरक्षक मण्डली में विद्वान सतीश पाठक,रामकेवल सिंह, बृजमोहन सिंह, प्रमोद सिंह, यज्ञनारायण भगत कार्यालय प्रमुख राजेश ठाकुर जनसम्पर्क अभियान प्रमुख रामरूप विश्वकर्मा ' सभी पदाधिकारीगण ने कार्यक्रम सूची की जानकारी देते हुए बतायें की यह महायज्ञ 19 मई से 26 मई तक चलेगा ' इस कार्यक्रम को भव्य दिव्यता प्रदान के लिए निरंजन पीठा धिश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर पूज्य स्वामी कैलाषानंद गिरी महराज,बालयोगी संत श्री तुलसीदास जी महराज,महंत श्री अखिलेशवर दास जी महराज, पद्मभूषण से सम्मानित साधवी रितम्भारा जी कथा वाचिका देवी अनुराधा सरस्वती,देवी सत्यार्चा जी देव के धरती पर करेंगे पदार्पण ' समाजसेवी प्रवीण सिंह नें बताया की रूद्र महायज्ञ, जिसे अति रूद्र महायज्ञ भी कहा जाता है, भगवान शिव की पूजा का एक महत्वपूर्ण रूप है। यह एक प्रकार का यज्ञ है जिसमें रुद्र के विभिन्न रूपों की पूजा और हवन किया जाता है। इस महायज्ञ को सफलता प्रदान करने के लिए पुनः समिति का विस्तारिकरण किया जायेगा ' अध्यक्ष विजय कुमार सिंह जी नें कहा की रूद्र महायज्ञ भगवान शिव की पूजा का एक शक्तिशाली और व्यापक रूप है जो विभिन्न लाभ प्रदान करता है। यह यज्ञ शांति, समृद्धि, और आध्यात्मिक उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है।इसलिए सूर्य भक्त विजय पांडेय, रवि गुप्ता, दिलीप कुमार, अंकित पाठक, नें सभी गाँव वासी से एक होकर महायज्ञ को सफल बनानें के लिए आग्रह किया गया।

स्पेशल पोक्सो कोर्ट ने दो अभियुक्त को अलग अलग मामले में बीस-बीस साल कारावास की सजा सुनाई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय के स्पेशल पोक्सो जज लक्ष्मीकांत मिश्रा ने दो वादों में अभियुक्तों को कठोर सजा सुनाई है, स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने बताया कि माली थाना कांड संख्या -06/24, जी आर -62/24 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए अभियुक्त विमलेश कुमार मिजार्पुर माली,को भार्दवि धारा -376 (3) और पोक्सो एक्ट 4(2)में बीस साल की सजा और तीस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है, भार्दवि धारा 366 ए में सात साल की सजा और बीस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है तथा भार्दवि धारा -363 में पांच साल की सजा और दस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है सभी सजाएं साथ साथ चलेगी, अभियुक्त को उल्लेखित धाराओं में 25/04/25 को दोषी ठहराया गया था, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि अभियुक्त पर प्राथमिकी 11/01/24 को दर्ज कराई गई थी जिसमें कहा गया था कि नाबालिग लड़की बाजार से कुछ समान लाने गई थी जो शाम तक नहीं लोटी, दुसरे दिन ग्रामीणों से घटना में अभियुक्त का संलिप्तता पता चला था, अभियुक्त पर आरोप गठन -28/10/24 को हुई थी, वहीं एक दुसरे वाद बारूण थाना कांड संख्या -320/23, जी आर -1812/23, में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए एकमात्र अभियुक्त मनीष कुमार सिरस, को सजा सुनाई है स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने बताया कि अभियुक्त को भार्दवि धारा -376(3) और पोक्सो एक्ट में बीस साल की सजा तीस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है , भार्दवि धारा -366 ए में बीस साल की सजा और बीस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है सभी सजाएं साथ साथ चलेगी अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि उल्लेखित धाराओं में अभियुक्त को 25/04/25 को दोषी करार दिया गया था, प्राथमिकी में अभियुक्त पर आरोप लगा था कि 23/05/23 को अभियुक्त ने नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर अपहरण कर लिया था जिसको लेकर सुचक ने न्यायालय में परिवाद -539/23 दाखिल किया था,11/07/23 को प्राथमिकी दर्ज करने के बाद अभियुक्त पर आरोप पत्र -28/11/23 को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था।

शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा लड़ेंगे विधानसभा चुनाव! मां हिना शहाब ने दिया बड़ा बयान, इस सीट पर ठोका दावा

बिहार : बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी बायनबाजी की सिलसिला लगातार जारी है। कोई सीटों को लेकर दावा ठोक रहा है तो कोई तरह-तरह के वादे कर रहा है। इसी कड़ी में अब शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब (Hina Shahab) ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अपने बेटे ओसामा शहाब को विधानसभा चुनाव लड़ाने की बात कही है। साथ ही अपनी पसंदीदा सीट की मांग भी की है। दरअसल, रविवार (27 अप्रैल) को शहर के धनौत गांव में पत्रकारों से बातचीत के दौरान हिना शहाब ने कहा कि हम लोग सोच रहे हैं कि ओसामा शहाब को किसी विधानसभा से चुनाव लड़ाया जाए। हमारा अपना ही विधानसभा क्षेत्र है रघुनाथपुर, तो इस पर सोचा जा रहा है। हिना शहाब के इस बयान के बाद सियासी माहौल गरमा गया है। बता दें कि यह विधानसभा सीट अभी आरजेडी के खाते में है. यहां से हरिशंकर यादव विधायक हैं। अब देखना यह होगा कि लालू यादव और तेजस्वी यादव ओसामा शहाब को यह सीट देने के लिए तैयार होते हैं या नहीं। गौरतलब है कि पिछले साल अक्टूबर में ओसामा अपनी मां के साथ राजद में शामिल हुए थे।

शराबबंदी से ताड़ी को हटाने को लेकर तेजस्वी के बयान को प्रशांत किशोर ने सराहा

शराबबंदी के नाम पर पुलिस-प्रशासन दलितों, पिछड़ों और महिलाओं का कर रही शोषण : प्रशांत किशोर

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

अरवल। बिहार में शराबबंदी कानून हटाए जाने को लेकर एक बार फिर प्रशांत किशोर ने बड़ा बयान दिया है। अरवल में जन सुराज उदघोष यात्रा में पहुंचे जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शराबबंदी कानून के विरोध में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान की सराहना की है। प्रशांत किशोर ने बिहार में भूमि सुधार को लेकर सरकार द्वारा कराए गए सर्वे तथा बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण पर भी तीखी टिप्पणी की है। एक दिवसीय दौरे पर अरवल पहुंचे जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने अतिथि गृह में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार सरकार की सभी योजनाएं धरातल पर विफल साबित हो रही है। प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव के शराबबंदी से ताड़ी को हटाने के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह अच्छी बात है कि तेजस्वी यादव ने कम से कम एक कदम आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि जन सुराज पहली पार्टी है जो शराबबंदी को हटाने की बात कर रही है। हम इसे हटाने की बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि बिहार में शराबबंदी नहीं है। बिहार में सिर्फ शराबबंदी कानून बनाया गया है जिसके तहत सिर्फ दुकानें बंद की गई हैं और अब घर-घर शराब बिक रही है। इसके साथ ही शराबबंदी कानून से सबसे ज्यादा परेशानी दलितों, पिछड़ों और महिलाओं को हो रही है क्योंकि प्रशासन इस कानून के तहत इन लोगों को परेशान कर रहा है। उन्हें उनके घरों से गिरफ्तार किया जा रहा है और पुलिस थाने में लाकर प्रताड़ित किया जा रहा है। बिहार में भूमि सुधार को लेकर बड़ा वादा करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में भूमि सुधार लागू करना जन सुराज की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा कि बिहार में ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लगभग 60 फीसदी लोग भूमिहीन हैं जो राष्ट्रीय स्तर पर भूमिहीन लोगों के प्रतिशत से कहीं ज्यादा है। इसके साथ ही दलित समाज की बात करें तो दलित समाज के 86 फीसदी लोग भूमिहीन हैं। इसलिए बिहार में पूरी तैयारी और शोध करके भूमि सुधार लागू करने की जरूरत है ताकि भूमिहीन लोगों की संख्या में 20 से 25 फीसदी की कमी की जा सके। इसके साथ ही उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भूमिहीनों को जमीन देने के लिए किसी की जमीन छीनने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रशांत किशोर ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि जन सुराज जल्द ही कुछ महीनों में अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करेगा। उन्होंने कहा कि जन सुराज किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगा, हम 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। उन्होंने कहा कि जन सुराज में टिकट का पहला मापदंड काबिलियत है। लेकिन बिहार में काबिल लोगों की संख्या कहीं ज्यादा है, इसलिए काबिल लोगों में से चुनने के लिए जिस समाज की जितनी आबादी है, उसी के अनुपात में उस समाज के काबिल लोगों को टिकट दिया जाएगा।

गोरकट्टी गांव में अतिक्रमण हटाने पहुंचे प्रशासनिक दल पर हमला, प्राथमिकी दर्ज, एक आरोपी गिरफ्तार

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)उपहारा थानाक्षेत्र के गोरकट्टी गांव में शनिवार को अतिक्रमण हटाने पहुंचे प्रशासनिक दल पर अतिक्रमणकारियों ने गाली-गलौज और बदसलूकी की। आरोपियों ने विरोध के दौरान जेसीबी मशीन का शीशा भी तोड़ दिया, जिससे अफरातफरी मच गई। सूत्रों के अनुसार, गांव के बबलू सिंह और धीरज साव के बीच लंबे समय से रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था। प्रशासनिक जांच के बाद अवैध अतिक्रमण हटाने का आदेश पारित हुआ था, बावजूद इसके बबलू सिंह द्वारा रास्ता जबरन अवरुद्ध किया गया था। शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर गोह अंचलाधिकारी अजय कुमार सिंह और थानाध्यक्ष मनेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों ने पुलिस व अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाया। सीओ द्वारा स्थानीय थाने में दर्ज कराई गई लिखित शिकायत में बबलू सिंह समेत कुल नौ लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बबलू सिंह, को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इधर आलोक सिंह ने बताया की जिस प्लॉट न से अतिक्रमण हटाना था उस प्लॉट से नही हटाया गया हैं, प्रसाशन ने मनमाने तरिके से दूसरे प्लॉट का चाहरदिवारी को तोड़ डिया हैं। जिसकी जांच कर करवाई की मांग की।

गढ़हरा ग्राम गौरव सम्मान समारोह का हुआ उद्घाटन

समाज से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को किया गया सम्मानित

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। गढ़हरा ग्राम गौरव सम्मान समारोह का उद्घाटन अतिथियों ने रविवार को दीप प्रज्ज्वलित कर किया।अभेदानन्द आश्रम बारो में गढ़हरा दर्पण परिवार की ओर से आयोजित कार्यक्रम में अतिथि बरौनी बीडीओ अनुरंजन कुमार, नगर परिषद बीहट के मुख्य पार्षद बबिता देवी, उपमुख्य पार्षद ऋषिकेश कुमार, एपीएसएम कॉलेज बरौनी के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार, जिला कला संस्कृति पदाधिकारी श्याम कुमार, बरौनी आईओसी के वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) रवि भूषण कुमार, पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय गढ़हरा के प्राचार्य रजनीश कुमार त्रिपाठी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी बेलदौर प्रमोद कुमार, भारत सरकार के कला संस्कृति विभाग से सेवानिवृत्त रंगकर्मी चंद्र प्रकाश झा आदि शामिल हुए।समिति सदस्य संजय कुमार सिंह, विनोद कुमार मिश्र, प्रेम कुमार, जीवानंद मिश्र, रामानंद सागर आदि ने उन्हें अंगवस्त्र, माला व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रथम सत्र में स्थानीय बाल कलाकरों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की गई। अध्यक्ष मंडल में मुक्तेश्वर प्रसाद वर्मा, सुरेंद्र कुमार व विजय कुमार राय थे। मंच का संचालन रंजीत कुमार सिंह ने किया। स्वागत भाषण कुमार विनीताभ ने प्रस्तुत किया। समारोह में विशिष्ट सम्मान से 11 लोग सम्मानित किए गए। ग्राम गौरव सम्मान कार्यक्रम में साहित्य के क्षेत्र में कला कौशल, शिक्षा के क्षेत्र में राज कुमार प्रसाद, गीत कला में सानिया सिंह व रश्मि राज, सामाजिक क्षेत्र में लाल बहादुर महतो, सामाजिक सौहार्द जागरूकता में मो दानिश महबूब, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ हेमंत कुमार, खेलकूद क्षेत्र में आशीष कुमार, नारी जागरूकता क्षेत्र में आसमा बेगम, नाट्य कला क्षेत्र में फुलेना राय, प्रकृति प्रेमी के रूप में स्मिता कुमारी को अंगवस्त, प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र आदि से सम्मानित किया गया। इस मौके पर वार्ड पार्षद मो इफ्तेखार अंसारी, अशोक ठाकुर, प्रमोद सिंह, ब्रजेश कुमार, शिवजी आर्य, संतोष आर्य, गोविंद आर्य, जीवानंद मिश्र, रामानंद सागर, सुजीत कुमार आदि थे। विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं के द्वारा झांकी व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस सामाजिक सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सन 2007 में स्वतंत्रता सेनानी केशव मिश्र व बैधनाथ चौधरी के नेतृत्व में प्रथम ग्राम गौरव सम्मान समारोह का आयोजन हुआ था। दूसरी बार 12 मार्च 2023 में हुई थी।

पहलगाम के खून से खौल उठा हिंदू समाज!

बांग्लादेशी घुसपैठियों को लाठी से पीटकर भगाने का एलान।

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सदर प्रखंड के खैराबिंद पंचायत के मुखिया सुजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में शहर में जोरदार विरोध मार्च निकाला। बताते चलें कि बिगड़ कुछ दिनों पहले गांधी पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की हत्या के खिलाफ रविवार को हिंदू समाज के लोगों ने खैरा बिंद पंचायत के मुखिया सुजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में शहर में जोरदार विरोध मार्च निकाला। गांधी मैदान से शुरू हुआ यह आक्रोश मार्च पाकिस्तान मुदार्बाद के नारों से गूंजता हुआ रमेश चौक तक पहुंचा। मुखिया सुजीत कुमार सिंह ने कहा, ह्यपहलगाम में जिस तरह से आम नागरिकों की आतंकवादियों द्वारा निर्मम हत्या की जा रही है, उसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है।ह्व उन्होंने औरंगाबाद जिले में बढ़ती बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा भी उठाया और आरोप लगाया कि फर्जी आईडी बनवाकर रह रहे बांग्लादेशियों के कारण जिले में अपराध बढ़ा है और स्थानीय लोगों का रोजगार छीना जा रहा है। सुजीत सिंह ने चेतावनी दी, ह्ययदि जिला प्रशासन एक सप्ताह के भीतर घुसपैठियों को चिन्हित कर जिला से बाहर नहीं करता है, तो हम हिंदू संगठन के कार्यकर्ता लाठियां उठाकर उन्हें खदेड़ने का काम करेंगे, चाहे इसके लिए जेल क्यों न जाना पड़े।ह्व उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से युवाओं को हथियार देने की मांग करते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं।

इस प्रदर्शन में अविनाश कुमार, कुंदन कुमार सिंह, गुड्डू सिंह, विकास कुमार, पुरुषोत्तम चौबे, प्रकाश कुमार उर्फ छोटू चिंगारी सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

बेगूसराय में बीडीओ,सीओ और दारोगा समेत 27 लोगों पर दलित उत्पीड़न मामले में केस दर्ज

अनुसूचित जाति व जनजाति कोर्ट के आदेश पर साहपुर कमाल थाना में दर्ज हुआ मुकदमा

दलितों के घर उजाड़ने के मामले में अब बड़ा एक्शन

कुछ लोगों ने मोबाइल फोन से मारपीट का वीडियो बनाने की कोशिश की थी

अभियुक्तों ने देख लेने पर उनके साथ मारपीट की व उनका मोबाइल भी छीन लिया

दिव्य दिनकर रंजीत विद्यार्थी

मुंगेर/बेगूसराय। मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत बेगूसराय जिला में दलित समाज के लागों के घर उजाड़ने के मामले में अब बड़ा एक्शन लिया गया है। इस मामले में अब बीडीओ, सीओ और दारोगा समेत 27 लोगों पर केस दर्ज किया गया है। इसके बाद पुरे इलाके में हड़कंप मच गया है। इलाके में हर तरफ इसी खबर को लेकर चर्चा का बाजार गर्म हो गया है। यह पूरा मामला बेगुसराय जिले का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, बेगूसराय जिले में दलित समाज के लागों के घर उजाड़ने और लूटपाट करने, जातिसूचक शब्द कह अपमानित करने समेत अन्य आरोप में साहेबपुर कमाल बीडीओ, सीओ, दारोगा समेत 27 पर दलित प्रताड़ना की प्राथमिकी साहेबपुरकमाल थाने में दर्ज कराई गई है। यह प्राथमिकी अनुसूचित जाति-जनजाति कोर्ट के आदेश पर साहेबपुर कमाल थाने में दर्ज कराई गई है। इस-ाको लेकर प्राथमिकी में पीड़ित स-ाहेबपुर कमाल थाना के पंचवीर गांव निवासी रामेश्वर सदा के पुत्र हरिलाल सदा ने कई लोगों को अभियुक्त बनाया है। उन्होंने जिन लोगों को इस मामले में अभियुक्त बनाया गया है उनमें-बीडीओ राजेश कुमार रंजन, सीओ सतीश कुमार, थाना के दारोगा राकेश कुमार गुप्ता, सीआई अखिलेश राम के अलावा साहेबपुर कमाल थाना के पंचवीर गांव निवासी नासीर उद्दीन का पुत्र मो शहंशाह, मो नईम उद्दीन का पुत्र मो नासीर उद्दीन, मो सयूम का पुत्र मो चांद उर्फ वायरस, डॉ मो निजाम उद्दीन के पुत्र मो गुलाब हसन, मो डॉ निजाम उद्दीन का पुत्र मो इकरामूल हक उर्फ सोना समेत अन्य कई लोग शामिल हैं। बताया जा रहा है कि, प्राथमिकी में पीड़ित हरिलाल सदा ने कहा है कि पंचवीर वार्ड-छह में 50 वर्षों से करीब 100 मुसहर परिवार रह रहे हैं। पांच जून 2023 को सभी आरोपित लाठी डंडा, खंती, ट्रैक्टर, जेसीबी लेकर टोला में आ गए। अभियुक्त नासीर उद्दीन, मो. सदाब उर्फ पिंटू चौधरी, फातमा खातून, गुलाब हसन ने गाली देते हुए बोला कि पहले ही कहते थे कि घर जमीन खाली कर भाग जाओ। नहीं भागे तो मजा चखा देते हैं। इधर, उसने सभी अभियुक्तों को आदेश दिया कि सभी मुसहर का घूर लूट लो व ध्वस्त कर दो। जो विरोध करे उसको जान मार दो। उसके बाद परिवादी, गवाह व अन्य लोगों के घर से सामान लूटपाट करने लगे। साथ ही घर को तोड़फोड़ करने लगे। सामानों को लूटकर ट्रैक्टर पर लाद कर ले गया।

किसानों को अधिकार देने में केन्द्र और बिहार की सरकार विफल: राम रतन सिंह

विभिन्न मांगों को लेकर बिहार किसान सभा का समाहरणालय पर धरना प्रदर्शन

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। सोमवार को बिहार किसान सभा के द्वारा समाहरणालय के समक्ष दक्षिणी गेट पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया।धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता किसान नेता रामाधार सिंह ने की एवं मंच संचालन किसान प्रभारी संजीव कुमार सिंह ने किया।धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए किसान सभा बिहार राज्य के नेता सह तेघड़ा विधायक राम रतन सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार हो या बिहार की सरकार दोनों किसानों को उनका अधिकार देने में विफल हैं।सालोंभर किसान कड़ाके की सर्दी, भीषण गर्मी, लू, मुसलाधार बारिश, आंधी तूफान को झेल कर अन्न उपजाते हैं। लेकिन जब उन अन्नदाता किसान के अधिकार की बातें आती है, सरकार उन्हें ना ही फसल क्षतिपूर्ति की मुआवजा देती है और ना ही उनको हक देता है। उन्हीं हक और अधिकार के सवाल पर किसान सभा ने 26 अप्रैल को बिहार भर में आंदोलन किया और आज बेगूसराय के समाहरणालय पर प्रदर्शन हो रहा है। कार्यक्रम को किसान नेता रामाधार सिंह, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राज्य परिषद सदस्य राजेंद्र चौधरी, किसान नेता सुशील महतो, प्रताप नारायण सिंह, एआईएसएफ के राष्ट्रीय सचिव अमीन हमजा, जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार, टुनटुन दास, अनिल कुमार रमजान, प्रहला सिंह, राजेश शर्मा, बबलू सिंह ने भी संबोधित किया। तेघरा के विधायक राम रतन सिंह और किसान नेता रामाधार सिंह के नेतृत्व में सात सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने फसल की क्षति का मूल्यांकन कर लागत मूल्य के आधार पर मुआवजा देने, फसल क्षतिपूर्ति की मुआवजा बटायेदारों को भी देने, फसल की बीमा लागू करने, प्रखंड स्तर पर किसानों के अनाज का भंडारण हेतु गोदाम का निर्माण करने, सरकारी स्तर पर सभी गांवों में बंद राजकीय नलकूप को चालू करने, बरौनी डेयरी द्वारा लिन सोजन में दिए जाने वाले इंसेंटिव को चालू करने, दुग्ध उत्पादक किसानों के दूध का दाम बढ़ती महंगाई के हिसाब से सुनिश्चित करने, बरौनी दुग्ध उत्पादन केंद्र में करोड़ों के हुए घोटालों का जांच करने सहित 9 सूत्री मांगों को लेकर जिलाधिकारी को मांग पत्र सौंपा गया।

बिहार के सरकारी स्कूलों में पहुंची बच्चों की किताब, ACS एस सिद्धार्थ ने सभी DEO को दिया टास्क

पटना:बिहार के सरकारी विद्यालयों में नये शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 28 अप्रैल 2025 से 2 मई 2025 तक विशेष अभियान चलाकर छात्रों को पाठ्यपुस्तकें वितरित की जाएंगी। इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। **छात्रों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें की जाएंगी वितरित** शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ के निदेर्शानुसार बिहार राज्य पाठ्यपुस्तक प्रकाशन निगम लिमिटेड द्वारा सभी विद्यालयों को कक्षा 1 से लेकर 8वीं तक की आवश्यक पाठ्यपुस्तकें पहुंची दी गई हैं। अब यह सुनिश्चित किया जाना है कि ये पुस्तकें प्रत्येक छात्र तक समय पर और व्यवस्थित ढंग से पहुंचे। इसके लिए राज्य भर के सभी विद्यालयों में एक व्यवस्थित वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। **वितरण समारोह में मौजूद रहेंगे अभिभावक** डॉ. एस. सिद्धार्थ ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि वितरण समारोह में छात्रों के अभिभावकों, माता-पिता और अन्य जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए ताकि वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। समारोह के दौरान छात्रों को पुस्तकों का वितरण उनके अभिभावकों की मौजूदगी में किया जाए। वितरण कार्यक्रम का अलग से डॉक्यूमेंटेशन भी किया जाएगा और जिला स्तर पर समारोह की स्वच्छ और सुंदर तस्वीरें संकलित की जाएंगी। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि प्रतिदिन के वितरण की रिपोर्ट जिला स्तर पर संकलित कर टेक्स्टबुक कार्यालय को शाम 5 बजे तक भेजी जाए। **पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता पर विशेष जोर** इसके साथ ही वितरण के दौरान पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का भी आदेश दिया गया है। अगर पुस्तक गुणवत्ता के मानक के अनुरुप न हो तो इसकी तत्काल सूचना जिला मुख्यालय और बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक प्रकाशन निगम लिमिटेड, पटना को तुरंत भेजी जाए ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। शिक्षा विभाग का स्पष्ट निर्देश है कि इस विशेष अभियान को पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ सफल बनाया जाए ताकि छात्रों को शिक्षा सत्र की शुरूआत में ही सभी आवश्यक पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जा सके।

विधि व्यवस्था और भूमि विवाद को लेकर पदाधिकारियों की बैठक

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। सोमवार को एसडीएम सन्नी कुमार सौरव की अध्यक्षता में विधि व्यवस्था एवं भूमि विवाद मामलों को लेकर बैठक हुई। एसडीएम ने जनता दरबार में आए भूमि विवादों के त्वरित निपटारे और पोर्टल पर अपलोड की अनिवार्यता पर जोर दिया। उन्होंने पारदर्शिता बरतने, पैमाइश, दाखिल-खारिज और लगान निर्धारण में सजगता की बात कही। बखरी में 36, नावकोठी में 10 और गढ़पुरा में 14 मामले पेंडिंग हैं। सीओ को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जरूरत पड़ने पर धारा 126 व 163 लागू करने की हिदायत दी गई। बैठक में एसडीपीओ कुंदन कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा नेता राकेश सिंह ने पंकज कुशवाहा की शादी होने पर बधाई दी

पटना , । सोनपुर विधानसभा के दिघवारा में पंकज कुशवाहा के वर वधु स्वागत समारोह मे पंकज बिहारी राम मूर्ति और अमरेंद्र चौरसिया के निमंत्रण पर पहुंचे भाजपा नेता राकेश सिंह ने वर वधु को बाबा हरिहरनाथ का प्रसाद खिलाकर बधाई और नव जीवन की शुरूआत की शुभकामनायें दिया इस अवसर पर अमन कुमार करण महतो सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

मलहद पंचायत के युवाओं के फौजी बनने का रास्ता आसान, मुखिया ने बनवाया जम्पिंग गड्ढा

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)मलहद पंचायत के युवाओं के सेना में भर्ती होने के सपने को साकार करने के लिए मलहद पंचायत के मुखिया संतोष रजक ने सराहनीय पहल की है। उन्होंने पंचायत में जम्पिंग गद्दा बनवाया है ताकि युवा दौड़, जमपिंग और शारीरिक फिटनेस की बेहतर तैयारी कर सकें। मुखिया संतोष रजक ने बताया कि गांव के कई युवा फौज में जाने का सपना देखते हैं, लेकिन उचित साधनों की कमी के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इसी को ध्यान में रखते हुए मैं अपने बुते जम्पिंग गद्दा तैयार कराया है। अब गांव के बच्चे व युवा सुबह-शाम अभ्यास कर सेना भर्ती की तैयारी कर रहे हैं। गांव के युवाओं में इस पहल को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों ने मुखिया के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इससे पंचायत के युवाओं को सेना में चयनित होने का एक मजबूत अवसर मिलेगा।

बिना मुआवजा जमीन कब्जे पर भड़के किसान

सोनबरसा में सीओ और किसानों के बीच जबरदस्त झड़प,आंदोलन तेज करने की चेतावनी।

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भारतमाला परियोजना के तहत वाराणसी से कोलकाता तक बन रहे ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे निर्माण के दौरान औरंगाबाद जिले के सोनबरसा गांव में सोमवार को बड़ा विवाद खड़ा हो गया। कुटुम्बा सीओ चंद्रप्रकाश द्वारा किसानों की जमीन पर जबरन कब्जा किए जाने की कोशिश के चलते किसानों और प्रशासन के बीच जमकर झड़प हुई। स्थिति को बिगड़ता देख औरंगाबाद के एसडीएम संजय कुमार पांडेय व एडीएम भी मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत कर सहयोग की अपील की। हालांकि, किसानों ने स्पष्ट कह दिया कि बिना मुआवजा मिले वे किसी भी कीमत पर अपनी जमीन नहीं छोड़ेंगे। आक्रोशित किसानों ने ऐलान किया कि प्रशासन को अगर सड़क बनानी है तो पहले उनकी लाशों पर डोजर चलाना होगा। पिछले डेढ़-दो वर्षों से उचित मुआवजे की मांग को लेकर किसान आंदोलन कर रहे हैं, पर जिला प्रशासन जबरन जमीन कब्जाने पर आमादा है। गत बृहस्पतिवार को भी नबीनगर सीओ निकहत प्रवीन पुलिस बल व कंपनी के मशीनों के साथ पचमों गांव पहुंची थीं, लेकिन भारी विरोध के चलते उन्हें वापस लौटना पड़ा था। आज जैसे ही सोनबरसा गांव में जबरन भूमि अधिग्रहण शुरू हुआ, वैसे ही आसपास के गांवों–बलिया, महसू, डिहरी, एरका, करमडीह, जोड़ा–के किसान भी इकट्ठा हो गए। प्रदर्शनकारियों ने सीओ और एडीएम के तानाशाही रवैये के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। स्थानीय किसान नरेंद्र राय ने आरोप लगाया कि इक्का-दुक्का किसानों को ही मुआवजा मिला है, जबकि प्रशासन जबरन कब्जा कर रही है। भारतीय किसान यूनियन के जिला संयोजक वशिष्ठ प्रसाद सिंह ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि बिना मुआवजा भूमि अधिग्रहण नहीं हो सकता, लेकिन प्रशासन पुलिसिया जोर के दम पर किसानों की जमीन हड़प रहा है। साया गांव के किसान अवधेश सिंह ने आंदोलन को तेज करने की अपील करते हुए यहां तक कह दिया कि उचित मुआवजा नहीं मिलने पर किसान आत्मदाह जैसे कदम उठाने को मजबूर होंगे। भाकियू सदस्य राजकुमार सिंह ने सवाल उठाया कि पोला डिहरी गांव में भूमि अधिग्रहण का दर ३०६२० रुपये प्रति डिसमिल तय किया गया जबकि सोनबरसा में मात्र ८००० रुपये प्रति डिसमिल क्यों तय हुआ? मौके पर पप्पू तिवारी, विजय तिवारी, चंदन तिवारी, मनोज सिंह, अभय सिंह समेत सैकड़ों किसान मौजूद रहे और आंदोलन को निर्णायक लड़ाई में बदलने का ऐलान किया।

जिला पदाधिकारी के अध्यक्षता में मंडे फॉलो अप मीटिंग एवं जिला समन्वय समिति का बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभा कक्ष में मंडे फॉलो अप मीटिंग एवं जिला समन्वय समिति का बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों के कार्यों एवं उसकी प्रगति की समीक्षा की गई एवं संबंधित महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। सर्वप्रथम जिला पदाधिकारी द्वारा डॉ आंबेडकर समग्र सेवा अभियान योजना अंतर्गत आयोजित शिविर में प्राप्त आवेदन एवं निष्पादन से संबंधित का समीक्षा किया गया। समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा औरंगाबाद एवं ओबरा प्रखंड में दिनांक-19 अप्रैल को आयोजित शिविर में राशन कार्ड से संबंधित कम आवेदन आने पर असंतोष व्यक्त करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी को शिविर से पूर्व आवेदन प्राप्त कर निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी दाउदनगर को निर्देश दिया गया कि आयोजित शिविर में सभी प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी स्वयं मौजूद रहकर राशन कार्ड से संबंधित आवेदनों को निष्पादन करायें। इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी द्वारा जिला स्तरीय सभी पदाधिकारीयों को अपने-अपने विभाग से संबंधित शिविर से प्राप्त आवेदनों को निष्पादन हेतु मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा मंडे फॉल अप मीटिंग में प्राप्त विभागवार एजेंडा का पीपीटी के माध्यम से अवलोकन किया गया एवं निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला समन्वय समिति की बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा जिला लोक शिकायत निवारण अधिनियम अंतर्गत जिला स्तर, सदर अनुमंडल के स्तर एवं दाउदनगर अनुमंडल सदर के स्तर पर दायर लंबित परिवाद का पीपीटी के माध्यम से समीक्षा किया गया एवं सभी संबंधित पदाधिकारी को अपने विभाग अंतर्गत लंबित मामलों की सूची प्राप्त कर इसका त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त समीक्षा क्रम में पाया गया जिला में विभिन्न विभागों से सीपीग्राम से संबंधित 04 आवेदन, ई-डैशबोर्ड पर 217 आवेदन एवं रजनता के दरबार में मुख्यमंत्रीर कार्यक्रम से संबंधित 69 आवेदन लंबित हैं। इस संदर्भ में जिला पदाधिकारी द्वारा लंबित मामलों को यथाशीघ्र पूर्ण करने का आदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा प्रखंड,

अनुमंडल एवं जिला स्तर पर लोक सेवा के अधिकार (आरटीपीएस) अंतर्गत विभिन्न सेवाओं आवासीय/जाति/आय/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस एवं जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र इत्यादि से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा की गई एवं इसका त्वरित गति से निष्पादन करने का निर्देश सभी अंचल अधिकारियों एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को दिया गया। इसके अतिरिक्त पेंशन, पारिवारिक लाभ, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन राशन कार्ड, एलपीसी के लंबित आवेदनों की समीक्षा की गई एवं इस्का यथाशीघ्र निष्पादन करने हेतु संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इसके पश्चात जिला पदाधिकारी द्वारा जिला विधि शाखा में लंबित उहखउ एवं टखउ वादों की विभाग वार समीक्षा की गई एवं सभी संबंधित पदाधिकारियों को ससमय प्रति शपथ पत्र दायर कर जिला विधि शाखा में प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। पीएचडी विभाग समीक्षा के दौरान कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि पंचायती राज विभाग द्वारा हस्तांतरित वार्डों में छूटे हुए टोलों की संख्या 1163 है। सभी छुटे हुई टोला में कार्य करने हेतु संबंधित अंचल अधिकारियों से एनओसी प्राप्त किया जाना है। जिसमें कुल 644अदद एनओसी प्राप्त है शेष 499 अदद विभिन्न अंचलों से प्राप्त किया जाना बाकी है। जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित अंचल अधिकारी को यथाशीघ्र एनओसी निर्गत करने का निर्देश दिया गया। समेकित बाल विकास सेवाएं(कूर२) विभाग का समीक्षा किया गया। समीक्षा क्रम में आंगनबाड़ी भवन की निर्माण, मरम्मती, पेयजल एवं शौचालय आदि की समीक्षा की गयी। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी(कूर२) द्वारा बताया गया की 174 आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण हेतु भूमि चयन कर लिया गया है अंचल अधिकारी द्वारा एनओसी की प्रक्रिया अभी बाकी है। इसके अतिरिक्त 173 आंगनबाड़ी केंद्र भवन की मरम्मती हेतु जिला पंचायती राज विभाग, भवन निर्माण विभाग एवं जिला योजना विभाग के पास प्रस्ताव भेजा गया है। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान डीपीएम (स्वास्थ्य) द्वारा द्वारा बताया गया कि जिले के सभी नगर निकायों में अर्बन हेल्थ एंड वेयलनेस सेंटर स्थापित किए जाने हैं जिसके लिए 60'40' भूमि की आवश्यकता है व इसके अतिरिक्त माननीय विधायक एवं माननीय विधान परिषद के प्रस्ताव के अनुसार जिले गांव में हेल्थ सेंटर बनाया जाना है जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी अंचल अधिकारी को भूमि चयनकर शीघ्र एनओसी प्रदान करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा अन्य विभागों का भी समीक्षा किया गया संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया। इस बैठक में अपर समाहर्ता श्री ललित भूषण रंजन, अपर समाहर्ता जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री जयप्रकाश नारायण, बंदोबस्त पदाधिकारी शैलेश कुमार, डीपीआरओ इफ्तेखार अहमद, जिला भूर्जन पदाधिकारी श्री सच्चिदानंद सुमन, सिविल सर्जन श्री विनोद कुमार सिंह, वरीय उप समाहर्ता, मेराज जमील, सुश्री बेबी प्रिया, जिला योजना पदाधिकारी श्री अविनाश कुमार, डीपीओ आईसीडीएस श्रीमती विनीता कुमारी, सभी विभाग के कार्यपालक अभियंता, सभी अंचल अधिकारी, तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, एवं जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

केसरवानी वैश्य सभा ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। रविवार की देर रात केसरवानी वैश्य सभा के तत्वावधान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें वर्ष 2025 की मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के युवाओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना तथा उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता देना था। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत रूप से पूज्य कश्यप मुन्नी के तैलचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। सभी सदस्यों ने श्रद्धा के साथ कश्यप मुन्नी को नमन किया और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इसके उपरांत सम्मान समारोह आरंभ हुआ। जिसमें प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण बच्चों को मोमेंटो एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर

मंच से बच्चों की उपलब्धियों की सराहना की गई और उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के दौरान सभा के अध्यक्ष दिलीप केसरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा समाज की रीढ़ होती है। हमें गर्व है कि हमारे समाज के बच्चे निरंतर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। इस प्रकार के कार्यक्रम न सिर्फ बच्चों का उत्साह बढ़ाते हैं, बल्कि अभिभावकों को भी यह संदेश देते हैं कि शिक्षा सबसे बड़ा निवेश है। उन्होंने बच्चों को कड़ी मेहनत, अनुशासन और संस्कारों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। समारोह में उपस्थित अन्य गणमान्य सदस्यों में महासचिव गुड्डू केसरी, उपाध्यक्ष रामदयाल केसरी, अधिवक्ता सुरेंद्र केसरी, पूर्व महासचिव सीताराम केसरी, संतोष गुड्डू, प्रेमकिशन मन्नू, जयप्रकाश केसरी, वार्ड पार्षद समीर श्रवण, अभिमन्यु केसरी, सचिन केसरी, अनुराग केसरी, अमरनाथ केसरी, कुंदन केसरी, संध्या केसरी, मेरी केसरी, प्रियंका कुमारी, जगदीश केसरी, पियुष केसरी एवं मुन्ना केसरी शामिल थे। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता गौरव कुमार ने बड़े ही संयोजित और आकर्षक ढंग से किया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा के लिए भी तत्पर रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन सामूहिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। जिसमें सभा के सभी सदस्यों ने ऐसे आयोजनों को लगातार करने की प्रतिबद्धता जताई। ताकि समाज में शिक्षा का स्तर और ऊँचा उठ सके।

पूर्व सांसद वीरेन्द्र कुमार सिंह ने नबीनगर विधानसभा क्षेत्र के सोनौरा पंचायत में ग्राम संपर्क यात्रा की

बिहार में चौमुखी विकास स्पष्ट देखा जा रहा है पूर्व विधायक- बिरेन्द्र कुमार सिंह

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। नबीनगर के पूर्व विधायक एवं पूर्व सांसद रहे वीरेन्द्र कुमार सिंह ने नबीनगर विधानसभा क्षेत्र के सोनौरा पंचायत में ग्राम संपर्क यात्रा की इस ग्राम संपर्क यात्रा के दौरान ग्रामीणों से बातचित करते हुए कहा कि आज के बिहार में चौमुखी विकास स्पष्ट देखा जा सकता है। सड़क, बिजली सहित कई बुनियादी चीजें हर जगह पहुंच गई है। जबकि 2005 से पहले सप्ताह में 2 घंटे के लिए बिजली आती थी। लेकिन अब चारों तरफ रोशनी है। यही हाल सड़कों का भी है। बिहार में सड़कों की जाल बिछा हैं। जब एनडीए को बिहार मिला था तब 23000 करोड़ का बजट होता था। अब यह इन 20 सालों में 3 लाख करोड़ रुपए का बजट हो चुका है। अकेले एक शिक्षा विभाग का ही बजट उस समय के बजट से काफी अधिक है। स्वास्थ्य पर हम 20000 करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। बिहार के सभी धार्मिक स्थल एवं पर्यटक स्थलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह बातें औरंगाबाद के पूर्व सांसद सह नबीनगर के पूर्व विधायक वीरेन्द्र कुमार सिंह ने रविवार को ग्राम संपर्क यात्रा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार बिहार का दौरा करते रहते हैं। इसके तहत जहां भी कोई योजनाएं रह जाती हैं उनको पूरा कराते हैं। मुख्यमंत्री द्वारा वन क्षेत्रों के लिए भी बहुत सारे काम कराए गए हैं ताकि इको टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा सके। नबीनगर के प्रखंड अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह ने बताया कि पूर्व सांसद नबीनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सोनौरा पंचायत में ग्राम संपर्क यात्रा किए। उन्होंने चिरैयाटाड़,धीरी बीघा, ईंगुनाही,चरण,गंगहर, लहियारपुर, गाना बीघा, महदेवा, बनहारा,बरडीहा, पुनपुन नगर,अजाद बीघा,नावाडीह, खम्भा, नेपाल बीघा, कोल्ह मंझौली, बिसाई, सोनौरी, सोनौरा, ढेकहा मंझौली एवं रेगनिया गांव में ग्राम संपर्क यात्रा किया। इस दौरान पूर्व सांसद ने वहां के ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। साथ ही समस्या का समाधान करने का भी आश्वासन दिया। वहीं जगहझजगह ग्रामीणों ने भी पूर्व सांसद का माला पहना कर स्वागत किया। यात्रा में जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह, पूर्व विधायक प्रतिनिधि रामेश्वर सिंह, जिला उपाध्यक्ष सूर्यवंश सिंह, पूर्व राज्य परिषद सदस्य अनिल कुमार यादव,सरपंच संघ अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह,पंचायत अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष केदार यादव,अशोक कुमार यादव,पंचायत समिति बलवंत कुमार सिंह, मुन्ना सिंह,बारुन प्रखंड के किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह,अंकोरहा पंचायत प्रभारी नागेन्द्र सिंह, अमोद सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, विश्वनाथ सिंह, छोटू सिंह, सुजीत कुमार सिंह, सुजीत कुमार चंद्रवंशी, पिंटू यादव, विनोद कुमार सिंह, साधु पाल आदि उपस्थित रहे। पूर्व सांसद की ग्राम संपर्क यात्रा को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

पूर्व सांसद वीरेन्द्र कुमार सिंह का नबीनगर विधानसभा क्षेत्र में कई पंचायतों का दौरा लगातार जारी है।

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी राज्य के सर्वांगीण विकास की नई पटकथा लिखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। डबल इंजन की एनडीए सरकार बिहार में परिवर्तन और प्रगति की नई लकीर खींच रही है। अभी हाल ही में मधुबनी में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने लगभग 13,500 करोड़ रुपये की लागत से गैस, बिजली और रेलवे से जुड़ी कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। मुख्यमंत्री ने अपने 19 वर्षों के शासनकाल में बिहार को अंधकार और बदहाली से निकालकर विकास के पथ पर अग्रसर किया है। केंद्र और राज्य दोनों जगह एनडीए की डबल इंजन वाली सरकार है, तो बिहार दोगुनी रफ्तार से प्रगति कर रहा है। हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यह बातें औरंगाबाद के पूर्व सांसद सह नबीनगर के पूर्व विधायक वीरेन्द्र कुमार सिंह ने रविवार को ग्राम संपर्क यात्रा के दौरान कही। नबीनगर के प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह ने बताया कि पूर्व सांसद नबीनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बैरिया पंचायत में ग्राम संपर्क यात्रा किए। उन्होंने बढ़की रेगनिया, रूपन बीघा, रघु बीघा, बड़हारा, औसान, शाहपुर, तमसी, बगाही, चान्दपुर भटौलिया, पिपरा, बैरिया, बैरवा लोकनाथ, कुलहड़िया, कर्मा विश्रामपुर, पोला एवं बभंडी बभण्डीहा गांव में ग्राम संपर्क यात्रा किया। इस दौरान पूर्व सांसद ने वहां के ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। साथ ही समस्या का समाधान करने का भी आश्वासन दिया। वहीं जगहझजगह ग्रामीणों ने भी पूर्व सांसद का माला पहना कर स्वागत किया। यात्रा में जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह, पूर्व विधायक प्रतिनिधि रामेश्वर सिंह, किसान प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष बृजमोहन मेहता, राजपुर मुखिया प्रतिनिधि काली सिंह, जदयू युवा नेता रंजीत सिंह, बारून प्रखंड के किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, बैरिया पंचायत अध्यक्ष कृष्णा पासवान, अंकोरहा पंचायत प्रभारी नरेंद्र सिंह, विनय सिंह, जयराम सिंह, वार्ड सदस्य अमरेंद्र पाल, वार्ड सदस्य महेश मेहता, राजा कुमार,रंजीत कुमार सिंह,अजय चंद्रवंशी आदि उपस्थित रहे। पूर्व सांसद की ग्राम संपर्क यात्रा को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

मीडिया संवाद: धर्मगुरुओं ने संभाली बाल विवाह की रोकथाम की कमान

वैशाली समाज कल्याण संस्थान ने बाल विवाहों की रोकथाम के लिए धर्मगुरुओं के बीच चलाया जागरूकता अभियान

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह की रोकथाम के लिए कार्यरत संगठन वैशाली समाज कल्याण संस्थान ने बाल विवाहों की रोकथाम के लिए धर्मगुरुओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया है। संगठन के सी.ई.ओ सह प्रोजेक्ट प्रबंधक कौशल किशोर विकल ने कहा कि धर्मगुरुओं से मिला सहयोग व समर्थन अभिभूत करने वाला इस अक्षय तृतीया को जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होगा। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश में नागरिक समाज संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के बेगूसराय में सहयोगी संगठन वैशाली समाज कल्याण संस्थान की ओर से अक्षय तृतीया और शादी-ब्याह के मौसम को देखते हुए बाल विवाहों की रोकथाम के लिए विभिन्न धर्मों के विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहितों के बीच जागरूकता अभियान को व्यापक सफलता मिली है। धर्मगुरुओं ने इस्का सराहना करते हुए समर्थन का हाथ बढ़ाया है। संगठन ने कहा कि यह देखते हुए कि कोई भी बाल विवाह किसी पंडित, मौलवी या पादरी जैसे पुरोहितों के बिना संपन्न नहीं हो सकता। हमने उन्हें बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ने का फैसला किया। इसके सकारात्मक नतीजों को देखते हुए हम उम्मीद कर सकते हैं कि इस अक्षय तृतीया पर जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होने पाएगा। जिले में तमाम मंदिरों, मस्जिदों के आगे ऐसे बोर्ड लगे हुए जिनपर स्पष्ट लिखा है कि यहां बाल विवाह की अनुमति नहीं है। गौरतलब है कि जेआरसी 2030 तक देश से बाल विवाह खत्म करने के मकसद से चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया कैम्पेन चला रहा है।जेआरसी कानूनी हस्तक्षेपों के जरिए बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 416 जिलों में जमीन पर काम कर 250 से भी ज्यादा नागरिक संगठनों का नेटवर्क है। जिसने पिछले वर्षों में दो लाख से ज्यादा बाल विवाह रुकवाए हैं। पांच करोड़ से ज्यादा लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। इस-

के सहयोगी संगठन वैशाली समाज कल्याण संस्थान ने स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग व समन्वय से कानूनी हस्तक्षेपों और परिवारों एवं समुदायों को समझा-बुझाकर अकेले 2023-24 में ही जिले में 21 बाल विवाह रुकवाए हैं। यह संगठन 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जेआरसी के संस्थापक भुवन ऋभु की किताब व्हेन चिल्ड्रेन हैव चिल्ड्रेनः टिपिंग प्वाइंट टू इंड चाइल्ड मैरेज में सुझाई गई समग्र रणनीति पर अमल कर रहा है। वैशाली समाज कल्याण संस्थान के सी.ई.ओ सह प्रोजेक्ट प्रबंधक कौशल किशोर विकल ने कहा कि अभी भी देश में बाल विवाह के खिलाफ जरूरी जागरूकता की कमी है। ज्यादातर लोगों को यह पता नहीं है कि यह बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुमार्ना या दोनों हो सकता है। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा कैटरर, साजसज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल के मालिक और यहां तक कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी को भी अपराध में संलिप्त माना जाएगा और उन्हें सजा व जुमार्ना हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसीलिए हमने धर्मगुरुओं और पुरोहित वर्ग के बीच जागरूकता अभियान चलाने का फैसला किया। क्योंकि यह वो सबसे महत्वपूर्ण वर्ग है जो विवाह संपन्न कराता है। हमने उन्हें समझाया कि बाल विवाह और कुछ नहीं बल्कि बच्चों के साथ बलात्कार है। अठारह वर्ष से कम उम्र की किसी बच्ची से वैवाहिक संबंधों में भी यौन संबंध बनाना यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत बलात्कार है। बेहद खुशी का विषय है कि आज पंडित और मौलवी इस बात को समझते हुए न सिर्फ इस अभियान को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि खुद आगे बढ़कर बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ ले रहे हैं। यदि पुरोहित वर्ग बाल विवाह संपन्न कराने से इनकार कर दे तो देश से रातोंरात इस अपराध का सफाया हो सकता है। इस अभियान में उनके आशातीत सहयोग व समर्थन से हम अभिभूत हैं। इसको देखते हुए हमारा मानना है कि जल्द ही हम बाल विवाह मुक्त बेगूसराय के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। इस अभियान को समर्थन देने के लिए जिले के जानेमाने समाजसेवी नगर निगम बेगूसराय 35 के वार्ड पार्षद डा शगुफ्ता ताजवर, पूनम कुमारी वार्ड पार्षद, संख्या 26, मुस्लिम धर्मगुरु मो मोजाहिद, अनुपम कुमार, कांग्रेस नेता, पूजा कुमारी वार्ड संख्या 21, पंडित नित्यानंद झा, सिद्धांत कुमार, प्रोजेक्ट समन्वयक, राजमणि रंजन सपोर्ट परसन, सरिता कुमारी समुदायिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में 13वें दिन भी गिरावट, बाजार में फिर लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में सोमवार को भी गिरावट जारी रही। कंपनी के शेयर पांच प्रतिशत तक टूट गए और इसमें फिर लोअर सर्किट लग गया। कंपनी का शेयर बीएसई पर 5 प्रतिशत गिरकर न्यूनतम कारोबार की स्वीकार्य सीमा तथा 86.50 रुपये के 52 सप्ताह के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। एनएसई में यह 5 प्रतिशत गिरकर 85.65 रुपये पर आ गया। यह शेयर का एक और निचला सर्किट और 52 सप्ताह का निम्नतम स्तर है। सोमवार को लगातार 13वें कारोबारी दिन कंपनी के शेयरों में गिरावट जारी रही है। इस दौरान शेयरों में 47 प्रतिशत की गिरावट आई है। अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 1,125.75 रुपये से कंपनी के शेयर में 92.31 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। जेनसोल और ब्लूस्मार्ट के प्रमोटर अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी भाइयों पर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ईवी खरीद के लिए ऋण राशि के डायवर्जन के आरोपों को लेकर विनियामक कार्रवाई की जा रही है। सेबी ने दोनों पर पूंजी बाजार प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे उन्हें सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी रखने से रोक दिया गया है। जेनसोल इंजीनियरिंग सौर परामर्श सेवाएं, इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) सेवाएं, और इलेक्ट्रिक वाहनों को पट्टे पर देने जैसी सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

भारत से सालाना 10 अरब डॉलर का माल जा रहा पाकिस्तान, व्यापार प्रतिबंधों के बाद भी लेन-देन

नई दिल्ली। व्यापार प्रतिबंधों के बावजूद भारत से हर साल 10 अरब डॉलर से ज्यादा का माल दुबई, सिंगापुर और कोलंबो जैसे बंदरगाहों के जरिये अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान पहुंच रहा है। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए बर्बर आतंकवादी हमलों के बाद लगाए गए व्यापार प्रतिबंधों के मद्देनजर आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक नोट में कहा, भारतीय कंपनियां इन बंदरगाहों पर सामान भेजती हैं। वहां एक स्वतंत्र कंपनी खेप को उतारती है और उन्हें बॉन्डेड गोदामों में रखती है। वहां ट्रांजिट के दौरान शुल्क का भुगतान किए बिना माल को रखा जा सकता है। थिंक टैंक ने कहा, ट्रांजिट के बाद गोदामों में रखे गए माल के लेबल और दस्तावेजों को मूल देश (ओरिजिन कंट्री) से अलग दिखाने के लिए संशोधित किया जाता। ऐसे में लगता है कि माल किसी तीसरे देश से आ रहा है और फिर उसे ऊंची कीमतों पर बेचा जाता है। इस तरीके से कंपनियों को व्यापार प्रतिबंधों को दरकिनार करने और तीसरे देश के रास्ते से ऊंची कीमतों पर माल बेचने में मदद मिलती है। यह तरीका जांच से बचने में भी सहायक है, क्योंकि ऐसा लगता है कि व्यापार अन्य देशों से किया जा रहा है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, व्यापार का यह तरीका हमेशा अवैध नहीं होता, लेकिन गुमराह करने जैसा है। इससे पता चलता है कि व्यापार के लिए कैसे रचनात्मक तरीके खोजे जाते हैं। कई बार उनकी चाल सरकारों की प्रतिक्रिया से भी तेज होती है।

आरबीआई गर्वनर ने स्टार्टअप पर दिया जोर, कहा- युवा अब एमएनसी में नौकरी करने की जगह उद्यमी बनना कर रहे पसंद

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्टार्टअप पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत की युवा पीढ़ी की मानसिकता बदली है। अब युवा बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) में नौकरी की तलाश करने के बजाय उद्यमी बनना पसंद कर रहे हैं। वॉशिंगटन डीसी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित अमेरिका-भारत आर्थिक मंच में अपने भाषण में गर्वनर संजय मल्होत्रा ने कहा कि जब मैंने कॉलेज छोड़ा तो एमएनसी में नौकरी करना मेरा पसंदीदा विकल्प था। किसी ने भी अपना खुद का उद्यम शुरू करने के बारे में नहीं सोचा था। हाल के वर्षों में बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग और प्रबंधन स्नातक उद्यमिता और स्टार्ट-अप की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमिता की इस बढ़ती संस्कृति ने भारत को एक मजबूत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बनाने में मदद की है। देश में लगभग 150,000 मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप हैं, जिन्हें स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसी सरकारी पहलों का समर्थन प्राप्त है। आरबीआई गर्वनर ने कहा कि भारत में अब दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी संख्या में यूनिकॉर्न हैं, जिनमें से कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उच्च तकनीक क्षेत्रों से उभर रहे हैं।

संसद के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा बीमा संशोधन विधेयक, एफडीआई 100 प्रतिशत करने की तैयारी

नई दिल्ली। संसद के आगामी मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश किया जा सकता है। विधेयक में बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विधेयक का मसौदा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। संसद का मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई में शुरू होता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के बजट भाषण में कहा कि वित्तीय क्षेत्र सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा को मौजूदा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार पांचवे दिन गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये से लेकर 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,400 रुपये से लेकर 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज कमजोरी दर्ज की गई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये

प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 8.3 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 686.1 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में जबरदस्त बढ़ोतरी होने से 18 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.3 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 686.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.6 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 677.8 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 18 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.52 अरब डॉलर की मजबूती के साथ 578.5 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 4.6 अरब डॉलर उछलकर 84.6 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर 21.2 करोड़ डॉलर की तेजी लेकर 18.6 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 70 लाख डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह पिछले सप्ताह के मुकाबले बढ़कर 4.5 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

संसद के मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी में सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार संसद के आगामी मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इस विधेयक का उद्देश्य बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करना है। बीमा में ये बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए होगी, जो भारत में पूरा प्रीमियम निवेश करती हैं। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि सरकार बीमा संशोधन विधेयक को संसद के आगामी मानसून सत्र में पेश कर सकती है। प्रस्तावित विधेयक में बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई का प्रस्ताव है। इस विधेयक का मसौदा तैयार है, जिसे जल्द ही मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के सामने रखा जाएगा।जानकारी के मुताबिक वित्त मंत्रालय को उम्मीद है कि आगामी मानसून सत्र के दौरान इस विधेयक को संसद में पेश किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग इस विधेयक को संसद में पेश

करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। संसद का मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई में शुरू होता है। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के केंद्रीय बजट भाषण में बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा मौजूदा 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा था। वित्त मंत्रालय ने बीमा अधिनियम, 1938 के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ाकर 100 फीसदी करना, चुकता पूंजी में कमी और समग्र लाइसेंस का प्रावधान शामिल है।

सोया रिफाइंड और पाम ऑयल महंगा

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों की तेजी के प्रभाव के बीच स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में सोया रिफाइंड एवं पाम ऑयल के साथ ही चना और दाल चना महंगी हो गई जबकि अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा सप्ताहांत पर 13 रिंगिट बढ़कर 4145 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 3.57 सेंट की तेजी के साथ 51.03 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान सोया रिफाइंड 450 रुपये और पाम ऑयल में 366 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर सरसों तेल 15385 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16703 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14835 रुपये प्रति क्विंटल,

पाम ऑयल 13553 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहनः बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में चना और दाल चना में 100-100 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। इस दौरान मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले कारोबारी सप्ताह के स्तर पर टिके रहे।

सप्ताहांत पर चना 5850-5950, दाल चना 6850-6950, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9550-9650, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 8500-8600 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाजः अनाज मंडी में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चावल 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि गेहूं के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

इस दौरान (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपये और चावल 3550-3650 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : बीते सप्ताह मीठे के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चीनी 100 रुपये और गुड़ 150 रुपये प्रति क्विंटल महंगे हो गए।

सप्ताहांत पर चीनी एस 3590-3690, चीनी एम. 4500-4600, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 4400-4500 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

साप्ताहिक शेयर समीक्षाः उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह के दौरान उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद ओवरऑल मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। 21 से 25 अप्रैल तक के कारोबारी सप्ताह के पहले तीन दिन के कारोबार में शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा, जबकि आखिरी दो दिन के कारोबार में गिरावट का शिकार हो गया। इस सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 659.33 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 79,212.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 187.70 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,039.35 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर जारी वार्ता के सकारात्मक संकेत, विदेशी निवेशकों की खरीदारी, पहलगाम हमले के बाद बनी तनाव की स्थिति और कंपनियों के मिले-जुले तिमाही नतीजों के कारण घरेलू शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी, वारी एनर्जिज, एलटी माइंडट्री और डिवीज लेबोरेट्रीज के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, श्रीराम फाइनेंस, स्विगी, एसबीआई कार्ड और पेमेंट सर्विसेज, जेएसडब्ल्यू एनर्जी और वरुण बेवरेजेज के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद 1.3 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, देल्हीवेरी, ऑरिकल फाइनेंशियल सर्विसेज, कोफोर्ज, टाटा एलेक्सी, एम्फैसिस और परसिस्टेंट सिस्टम्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स, जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज, इंडियन होटल्स कंपनी, बायोकॉन और एसीसी के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान सपाट स्तर पर बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल राजरतन ग्लोबल वायर, थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज, वर्धमान स्पेशल स्टील्स, बेस्ट एग्रो लाइफ, पेनिनसुला लैंड्स, एप्टेक, करारो इंडिया और डेक्कन गोल्डमाइंस के शेयर 21 से 32 प्रतिशत तक की साप्ताहिक मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर जेनसोल इंजीनियरिंग, पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज, ब्लू स्टार, यूनीमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग, केआर रेल इंजीनियरिंग, सिंजीन इंटरनेशनल, स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज, ई-पैक ड्युरेबल्स, पीसीबीएल केमिकल, नेलको, गुजरात थेमिस बायोसिन और रामकृष्ण फोर्जिंग्स के शेयर 10 से 22 प्रतिशत तक की साप्ताहिक गिरावट का शिकार हो गए।

पहलगाम हमले के बाद अफगानिस्तान के साथ भारत का कारोबार अटका

एजेंसी

चंडीगढ़। पहलगाम हमले के बाद अफगानिस्तान और भारत के कारोबार पर असर पड़ा है। 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद जब भारत सरकार ने दोनों मुल्कों की आवाजाही बंद की तो उसी दौरान अफगानिस्तान से माल लेकर आने वाली गाड़ियों को अटारी बार्डर स्थित इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) में प्रवेश पर रोक लगा दी गई। अटारी बार्डर सूत्रों के अनुसार अफगानिस्तान से जो गाड़ियां आई थीं वह वाघा (पाकिस्तान) की सीमा में खड़ी हैं। सूत्रों के अनुसार बाघा बार्डर पर करीब 35 गाड़ियां चार दिनों से लोड खड़ी हैं। जिनके संबंध में अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। आईसीपी के गोदाम अब खाली हो चुके हैं। आईसीपी अधिकारियों के अनुसार जिन व्यापारियों के 22 अप्रैल से पहले बिल कट चुके हैं उन्हें अब समुद्री रास्ते से सामान पहुंचाया जाएगा। इसके बाद की अवधि के लिए कोई फैसला नहीं हुआ है। अफगानिस्तान से वाया पाकिस्तान होते हुए भारत में मुलेठी, रतनजोत, ब्रह्मजसू, असू, ड्राई फ्रूट, सूखे और ताजे फल, अनारदाना और सब्जियां, जिनमें प्याज, दालें आदि शामिल हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 वित्तीय वर्ष (दिसंबर 2024 तक) के दौरान अटारी आईसीपी के माध्यम से अफगानिस्तान से 3115.99 करोड़ रुपये के सामान का आयात हुआ, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में 2210.79 करोड़ रुपए का आयात हुआ था।

टॉप 10 में शामिल देश की 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.18 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.18 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 55,076.39 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। इनमें भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ा। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और आईटीसी के मार्केट कैप में 1,18,626.24 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, बजाज

फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। 21 से 25 अप्रैल के बीच हुए कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 53,692.42 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 12,47,281.40 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 34,507.55 करोड़ रुपये बढ़ कर 17,59,276.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा इंफोसिस का मार्केट कैप 24,919.58 करोड़ रुपये उछल कर 6,14,766.06 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 2,907.85 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 14,61,842.17 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 1,472.57 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,12,854.03 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईटीसी का मार्केट कैप 1,126.27 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 5,35,792.04 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 41,967.50 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 10,35,274.24 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 10,114.99 करोड़ रुपये घट कर 5,47,830.70 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

पाकिस्तान से व्यापार पूरी तरह बंद करेंगे भारतीय व्यापारी : कैट

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के कारण भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बहुत बढ़ गया है। इस तनाव के बीच भारत के व्यापारियों ने पाकिस्तान के साथ व्यापार न करने का कड़ा निर्णय लिया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सर्वसम्मति से पाकिस्तान के साथ हर तरह का व्यापार पूरी तरह से बंद करने का फैसला किया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने इसकी जानकारी दी। कारोबारी संगठन कैट की दो दिवसीय राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की (25-26 अप्रैल) बैठक भुवनेश्वर में हुई, जिसमें देशभर के 26 राज्यों के 200 से अधिक प्रमुख व्यापारिक नेताओं ने भाग लिया। इस बैठक में पाकिस्तान से सभी तरह का व्यापार बंद करने का फैसला लिया गया। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस दो दिवसीय बैठक में पारित सर्वसम्मत प्रस्ताव में सभी व्यापारी नेताओं ने एक स्वर से पहलगाम में आतंकी घटना की कड़ी निंदा करते हुए पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंधों का पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया है। इसके पहले वर्ष 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंधी में तल्खी आ गई थी, जिसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापार में भारी गिरावट आई थी। व्यापारियों के इस पैसले से पाकिस्तान को कई बेहद आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई नहीं हो सकेगी। इससे पाक में दवाइयां, रसायन, फल-सब्जियों समेत कई आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता प्रभावित होगी। हालांकि, इस निर्णय के कारण भारत पर भी असर पड़ेगा। क्योंकि नमक एवं आभूषण से लेकर निर्माण क्षेत्र और जूट की अनेक वस्तुएं पाकिस्तान से आयात की जाती हैं, लेकिन इसके बाद भी व्यापारियों ने एकतरफा निर्णय लेते हुए पाकिस्तान से व्यापार बंद करने का निर्णय लिया है।

बाजार में सुधार से आईपीओ-एनएफओ की लगेगी लाइन, 66 कंपनियां एनएफओ की तैयारी में

नई दिल्ली। कई देशों के बीच तनाव और महंगाई के चलते शेयर बाजार में अक्तूबर से जारी गिरावट अब थम गई है। बीएसई सेंसेक्स फिर से 80,000 के पार पहुंच गया है। निवेशकों को जितना घाटा हुआ था, उसकी आंशिक भरपाई भी हो रही है। बाजार की गिरावट में कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी कर रही हैं तो म्यूचुअल फंड नए फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च करने के लिए तैयार बैठे है। फरवरी में महज तीन आईपीओ आए जबकि मार्च में एक भी नहीं आया। अप्रैल में एथर एनर्जी 2,981 करोड़ रुपये के साथ आईपीओ की शुरुआत कर रही है।

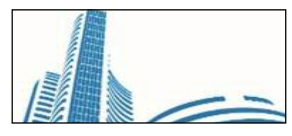

ऐसे में आने वाले महीने से ज्यादा कंपनियां बाजार में उतर सकती हैं। बाजार में सुधार से म्यूचुअल फंड स्कीमों की नेट एसेट वैल्यू यानी एनएवी बढ़ने लगी है। म्यूचुअल फंड की ज्यादातर स्कीमें इक्विटी में निवेश करती हैं। इसलिए, बाजार में गिरावट पर एनएवी यानी रिटर्न भी घटने लगता है। अप्रैल में बाजारों की तेजी ने म्यूचुअल फंड के रिटर्न की वापसी कर दी है। जो निवेशक घाटे में चले गए थे, उनकी भरपाई हो रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि जिन स्कीमों ने इक्विटी में निवेश किया था, उन कंपनियों के शेयरों में सुधार से रिटर्न पर असर दिख रहा है।

शेयर बाजार में सुधार के लक्षण दिखते ही प्राइमरी मार्केट में बढ़ी हलचल, अगले सप्ताह पांच नए आईपीओ की लॉन्चिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। अप्रैल में घरेलू शेयर बाजार में सुधार के लक्षण दिखते ही प्राइमरी मार्केट में भी हलचल तेज होने लगी है। सोमवार 28 अप्रैल से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह में पांच नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इनमें से इलेक्ट्रिक टू व्हीलर बनाने वाली कंपनी एथर एनर्जी का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि चार आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। एथर एनर्जी के आईपीओ के साथ ही प्राइमरी मार्केट में फरवरी के बाद से जारी मेनबोर्ड सेगमेंट का सूखा भी खत्म होने वाला है। एथर एनर्जी के पहले मेनबोर्ड सेगमेंट में क्वालिटी पावर इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स का आईपीओ 14 से 18 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस शेयर की लिस्टिंग 24 फरवरी को हुई थी। उसके बाद से अभी तक मेनबोर्ड सेगमेंट में एक भी आईपीओ लॉन्च नहीं हुआ है। एथर एनर्जी का 2,981.06 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 अप्रैल को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 30 अप्रैल तक आवेदन किया जा सकता है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 304 से 321 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 46 शेयर का है। कंपनी के शेयर 2 मई को अलॉट किए जाएंगे, जबकि इनकी लिस्टिंग 6 मई को बीएसई और एनएसई पर होगी। इसी तरह आईवरे सप्लाई चेन सर्विसेज का 27.13 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 28 अप्रैल से 30 अप्रैल तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 95 रुपये प्रति शेयर का मूल्य

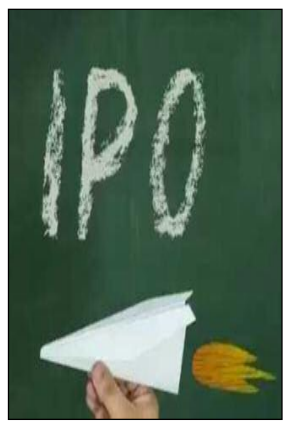

तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयर 2 मई को अलॉट किए जाएंगे, जबकि इनकी लिस्टिंग 6 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 29 अप्रैल को अरूणाया ऑर्गेनिक्स का 33.99 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस आईपीओ में 2 मई तक आवेदन किया जा सकता है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 55 से 58 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 5 मई को अलॉट किए जाएंगे, जबकि इनकी लिस्टिंग 7 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसी दिन केनरिक इंडस्ट्रीज का 8.75 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस आईपीओ में 6 मई तक आवेदन किया जा सकता है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 25 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 9 मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इनके अलावा वैगंस लर्निंग लिमिटेड का 38.38 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 2 मई को खुल रहा है। इस आईपीओ में 6 मई तक आवेदन किया जा सकता है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 78 से 82 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयर 7 मई को अलॉट किए जाएंगे, जबकि इनकी लिस्टिंग 9 मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर को किया रोशन

एजेंसी

गुरुग्राम (हरियाणा)। ग्लोबल इंडियन-प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) भारत और दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल कर रही है। न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर एक डिजिटल कैंपेन के जरिए भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया गया।यह ऐतिहासिक कदम भारतीय कबड्डी के लिए एक बड़ी छलांग साबित हुआ, जिसने न केवल इस खेल की वैश्विक अपील को उजागर किया, बल्कि लीग के सीमाओं से परे दर्शकों से जुड़ने के प्रयासों को भी रेखांकित किया। टाइम्स स्क्वायर पर कबड्डी की यह भव्य उपस्थिति भारत के स्वदेशी खेल की दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल मंचों में से एक पर शानदार प्रस्तुति का प्रतीक बनी।अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी जीआई-पीकेएल में अपने अनुभव का आनंद ले रहे हैं, जो दुनिया भर में कबड्डी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। केन्या की आइरीन एटिएनो ओटिएनो, जो जीआई-पीकेएल में हरियाणवी इंगल्स टीम का हिस्सा हैं, ने कहा, मेरा अनुभव बहुत सीखने वाला रहा है, क्योंकि मुझे लगा था कि मैं कबड्डी के सभी नियम जानती हूं। लेकिन यहां आकर मुझे एक और अधिक पेशेवर तरीके से कबड्डी खेलना सीखने को मिला। मैं बहुत विनम्र महसूस कर रही हूं। हंगरी की जीता कोर्बर ने कहा, मैं इस अनुभव का बहुत आनंद ले रही हूं।

9 के 9 राउंड जीतकर मैगनस कार्लसन बने ग्रेनके फ्री स्टाइल शतरंज के विजेता

कार्ल्सरुए, जर्मनी। दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी और पाँच बार के क्लासिकल विश्व चैम्पियन मैगनस कार्लसन नें एक और इतिहास बनाते हुए अब फ्रीस्टाइल फॉर्मेट में सम्पन्न हुए ग्रेनके इंटरनेशनल शतरंज का खिताब एक नया रिकॉर्ड बनाते हुए अपने नाम कर लिया है । अंतिम नौवे राउंड में उन्होने जर्मनी के विन्सेंट केमर को पराजित करते हुए अपनी लगातार 9वीं जीत दर्ज की। फ्री स्टाइल शतरंज का एक ऐसा फॉर्मेट है जिसमें शतरंज के मोहोरो की शुरुआती स्थिति को बदल दिया जाता है और इस फॉर्मेट में खुद को ढालना बड़े बड़े खिलाड़ियों के लिए मुश्किल हो रहा है ऐसे में कार्लसन का सभी मुक़ाबले जीतकर खिताब जीतना अविसश्वसनीय है । कार्लसन जहां 9 अंक बनाकर पहले स्थान पर रहे तो दूसरे से लेकर आठवे स्थान तक सभी खिलाड़ी सिर्फ 7 अंक ही बना सके और उनमें बेहतर टाईब्रेक के आधार पर ईरान के परहम मघसूदलू , रूस के आन्द्रे इसीपेंकों, जर्मनी के स्वाने फ्रेडरिक, यूएसए के दोमिंगेज पेरेज, सर्बिया के अलेक्सी सराना, भारत के अर्जुन एरीगैसी, यूएसए के फबियानों करूआना क्रमशः दूसरे से आठवे स्थान पर रहे जबकि 6.5 अंको पर टाईब्रेक के आधार पर अजरबैजान के ममेदोव रौफ नौवे और भारत के लियॉन मेंदोसा दसवें स्थान पर रहे ।

भारत की कोनेरु हम्पी नें जीता फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज पुणे का खिताब

पुणे। फीडे महिला ग्रांड प्री के पांचवें पड़ाव का आयोजन पुणे में सफलता पूर्वक हो गया और भारत के लिए गर्व का क्षण तब बना जब भारत की ही वर्तमान विश्व रैपिड चैम्पियन ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी नें शानदार खेल दिखाते हुए यह खिताब अपने नाम कर लिया । हम्पी नें आखिरी राउंड में बुल्गारिया की सलिमोवा नुर्गुयुल को एक लंबे चले हाथी और घोड़े के एंडगेम में पराजित करते हुए 7 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल कर लिया हालांकि हम्पी के साथ चीन की जु जिनर भी 7 अंक बनाने में कामयाब रही उन्होने अंतिम राउंड में रूस की पोलिना शुवालोवा को मात दी पर चूंकि हम्पी नें व्यक्तिगत मुक़ाबले में जिनर को पराजित किया था वह टाईब्रेक में पहले स्थान पर रही और जिनर को उपविजेता के स्थान से संतोष करना पड़ा । हम्पी इस जीत के साथ हम्पी ना सिर्फ ग्रां प्री की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुँच गयी है बल्कि अगले साल होने वाली फीडे कैंडिडैट चैंपियनशिप में उनका स्थान अब लगभग पक्का नजर आ रहा है । उन्होने विश्व रैंकिंग में भी बड़ा सुधार किया है और 2543 रेटिंग के साथ वापस पांचवें स्थान पर पहुंची है । भारत की दिव्या देशमुख भी अपने शानदार खेल के चलते 5.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रही , दिव्या नें अंतिम राउंड में पोलैंड की अलिना कश्लिंस्कया से ड्रॉ खेला । दिव्या के लिए यह ग्रां प्री में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा ।

सुपरबेट रैपिड शतरंज : दो जीत से प्रज्ञानन्दा की शुरुआत

वारशॉ , पोलैंड । भारतीय शतरंज जगत के चमकते सितारे और भविष्य की बड़ी उम्मीद आर प्रज्ञानन्दा और अरविंद चितांबरम इस समय दुनिया के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ ग्रांड चैस टूर 2025 के पहले पड़ाव सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज में भाग ले रहे है और पहले दिन रैपिड के तीन मुकाबलों के बाद प्रज्ञानन्दा 2 अंक बनाकर सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रहे है । प्रज्ञानन्दा नें दिन की शुरुआत फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ी मकसीम लागरेव को पराजित करते हुए की और उसके बाद हमवतन अरविंद चितांबरम के खिलाफ एक बेहतर लग रही बाजी पहले हारने के करीब पहुंचे और फिर वापस उसे जीतने में सफल रहे जबकि दिन के आखिरी मुक़ाबले में उन्हे रोमानिया के बोगदान डेनियल से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा । फिलहाल सर्बिया के व्लादिमीर फेडोसीव 2.5 अंक बनाकर पहले स्थान पर चल रहे है । भारत के अरविंद चितांबरम जिन्होने पहले राउंड में बोगदान डेनियल से ड्रॉ खेला और दूसरे मुक़ाबले में प्रज्ञानन्दा से उन्हे हार मिली।

बुंदेसलीगा: हैरी केन निर्णायक मुकाबले से बाहर, लेकिन जल्द मना सकते हैं जीत का जश्न

एजेंसी

बर्लिन। इंग्लैंड के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन जहां भी खेलते हैं, गोल करने के रिकॉर्ड तोड़ते नजर आते हैं। इंग्लैंड राष्ट्रीय टीम हो, टोटेनहम हॉटस्पर या फिर अब बायर्न म्यूनिख –31 वर्षीय केन ने खुद को एक अजेय गोल मशीन के रूप में स्थापित किया है। हालांकि, उनके करियर पर एक दुखद साया भी है, 16 साल और 500 से ज्यादा पेशेवर मुकाबले खेलने के बावजूद, अब तक वह कोई बड़ा खिताब जीतने में असफल रहे हैं।

खिताब जीतने के लक्ष्य से जुड़े बायर्न म्यूनिख

इस 'कभी न जीतने वाले' खिलाड़ी की छवि से बाहर निकलने के लिए केन ने पिछले साल जर्मन चैंपियन बायर्न म्यूनिख का दामन थामा था।हालांकि बायर्न इस सीजन में चैंपियंस लीग और जर्मन कप से बाहर हो चुका है, लेकिन बुंदेसलीगा

खिताब और 2025 फीफा क्लब वर्ल्ड कप उनके सामने उपलब्ध विकल्प हैं। बायर्न फिलहाल लीग में तीन मुकाबले बाकी रहते हुए आठ अंकों की मजबूत बढ़त बनाए हुए है, जिससे उनका चैंपियन बनना लगभग तय माना जा रहा है।

निलंबन से लगा झटका

बायर्न की माइन्ज पर 3-0 की जीत के दौरान केन को पहले हाफ में गेंद रोकने के लिए पीला कार्ड दिखाया गया, जो इस सीजन का उनका पांचवां कार्ड था।

बुंदेसलीगा के नियमों के अनुसार, अब केन एक मुकाबले के लिए सस्पेंड हो गए हैं और वे आरबी लीपज़िग के खिलाफ अहम मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। केन ने सिन्हुआ के हवाले से कहा, यह शायद मेरी कहानी का हिस्सा होगा कि मैं लीपज़िग का मुकाबला मिस करूंगा। लेकिन अगर हम खिताब जीतते हैं, तो मैं सबसे ज्यादा जश्न मनाऊंगा। टीम साथी थॉमस मुलर ने बताया, ड्रेसिंग रूम में वह काफी निराश दिखे।

नियमों पर उठाए सवाल

केन ने जर्मन नियमों की आलोचना करते हुए कहा, यह पागलपन है कि मुझे एक ऐसे मुकाबले में निलंबित किया गया, जबकि मेरा पहला पीला कार्ड सीजन के पहले मैच में आया था। नियमों को प्रीमियर लीग की तरह बदला जाना चाहिए। मुलर ने भी रेफरी की संवेदनशीलता की कमी पर सवाल उठाए, जबकि जर्मन मीडिया ने केन को नियमों से अवगत रहने की सलाह दी। केन ने कहा, यह कतई पीला कार्ड नहीं था, और जोड़ा, कुछ लोग हमारे एरिना में ध्यान आकर्षित करने के लिए आते हैं। रेफरी आयुक्त मार्को फ्रिट्ज ने रेफरी के फैसले को नियमों के अनुरूप 100 प्रतिशत सही बताया, हालांकि उन्होंने सख्ती और विवेक के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती भी मानी।

नाहन के नमन भटनागर ने काठमांडू में जीता स्वर्ण

एजेंसी

नाहन। हिमाचल प्रदेश का एक छोटा सा शहर, जहां की गलियों में बड़े सपने पलते हैं। इन्हीं सपनों में से एक सपना था टेबल टेनिस की दुनिया में अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने का। 17 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी नमन भटनागर अपने सपनों को साकार करने की राह पर है।नमन की प्रारम्भिक शिक्षा नाहन में हुई और अब वो अपने अभिभावकों के साथ धर्मशाला में रहता है।

नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित टेबल टेनिस की दक्षिण एशियाई युथ चैंपियनशिप में नमन ने इतिहास रच दिया। अंडर-19 पुरुष डबल्स मुकाबले में तमिलनाडु के खिलाड़ी सुरेश राजपर्श के साथ जोड़ी बनाकर नमन ने शानदार प्रदर्शन किया और मेजबान नेपाल के खिलाड़ियों को फाइनल में 3-1 से पराजित कर स्वर्ण पदक भारत के नाम किया।यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि यह नमन का अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहला गोल्ड मेडल है। इससे पहले नमन ने मिस्र में आयोजित वर्ल्ड टेबल टेनिस टूर्नामेंट के अंडर-15 वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। शुरुआती पढ़ाई नाहन के कार्मल कॉन्वेंट स्कूल से करने के बाद नमन ने खेल में बेहतर अवसरों के लिए बाहर का रुख किया। आज वह खेलो इंडिया नगरोटा अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। अंडर-15 श्रेणी में भारत में छठी और विश्व में 47 वीं रैंक हासिल करने वाला यह खिलाड़ी अब अंडर-19 वर्ग में भी देश का नाम रौशन कर रहा है। नमन के माता-पिता शिक्षा जगत से जुड़े रहे हैं। पिता विकास भटनागर वर्तमान में धर्मशाला में जेल अधीक्षक हैं और माता दुर्गेश भटनागर एक स्कूल लेक्चरर हैं।

आईपीएल 2025: विराट कोहली ने हासिल की ऑरेंज कैप, सूर्याकुमार यादव को पछाड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खेले गए डबल हेडर मुकाबलों के बाद ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस में बड़ा उलटफेर देखने को मिला।

ऑरेंज कैप दो बार बदली। पहले मुंबई इंडियंस के सूर्याकुमार यादव ने गुजरात टाइटंस के बी साई सुधर्शन को पछाड़ा। सूर्या ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 28 गेंदों में 54 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर 417 रन बनाने वाले साई सुदर्शन को पीछे छोड़ते हुए 427 रन तक पहुंच गए थे। हालांकि, दिन का दूसरा मुकाबला आते-आते सूर्या की खुशी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए विराट कोहली ने 47 गेंदों पर 51 रन बनाए और कुल 443 रन के साथ ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। अब साई सुदर्शन के पास सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन कर टॉप पर लौटने का मौका रहेगा।

टॉप-5 बल्लेबाज

विराट कोहली - 443 रन
सूर्याकुमार यादव - 427 रन
बी साई सुदर्शन - 417 रन
निकोलस पूरन- 404 रन

मिशेल मार्श - 378 रन

पर्पल कैप की रेस में जोश हेजलवुड सबसे आगे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जोश हेजलवुड अब पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ 36 रन देकर दो विकेट लेने के बाद उनके दस मैचों में कुल 18 विकेट हो गए हैं।

टॉप-5 गेंदबाज

जोश हेजलवुड (आरसीबी) - 18 विकेट
प्रसिद्ध कृष्णा (जीटी) - 16 विकेट
नूर अहमद (सीएसके) - 14 विकेट
ट्रेंट बोल्ट (एमआई) - 13 विकेट
क्रुणाल पांड्या (आरसीबी) और हर्षल पटेल (एसआरएच) - 13-13 विकेट।

लिवरपूल ने रचा इतिहास, टोटनहम को 5-1 से हराकर जीता 20वां प्रीमियर लीग खिताब

एजेंसी

लिवरपूल। लिवरपूल ने एनफील्ड में टोटनहम को 5-1 से करारी शिकस्त देकर प्रीमियर लीग खिताब अपने नाम किया और इंग्लिश टॉप-फ्लाइट फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड के 20 खिताबों की बराबरी कर ली। आर्ने स्लॉट की टीम ने शुरुआती झटका खाने के बाद जबरदस्त वापसी की और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा।

60,000 से अधिक दर्शकों की गूंज के बीच मुकाबला शुरू हुआ। शुरुआती हमलों के बावजूद लिवरपूल को 12वें मिनट में झटका लगा, जब डोमिनिक सोलांके ने जेम्स मैडिसन के कॉर्नर से शानदार हेडर लगाकर टोटनहम को बढ़त दिला दी। लेकिन लिवरपूल ने महज चार मिनट बाद लुईस डियाज़ के गोल से बराबरी हासिल कर ली, जिसे वीएआर ने मंजूरी दी। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने 24वें मिनट में शानदार गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिला दी। फिर कोडी गाकपो ने तीसरा गोल दागकर टोटनहम की मुश्किलें बढ़ा दीं।

दूसरे हाफ में लिवरपूल का जलवा, सालाह का सेल्फी सेलिब्रेशन

दूसरे हाफ में भी लिवरपूल ने अपना दबदबा कायम रखा। टॉप स्कोरर मोहम्मद सालाह ने डोमिनिक सोबोस्लाई के पास पर शानदार गोल

दागा और उसके बाद एक फैन का फोन लेकर 'कॉप एंड' के सामने सेल्फी ली, जिससे स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ गई।लगातार गूंजते नारों वी आर गोइंग टू विन द लीग और वी शैल नॉट बी मूव्ड ने माहौल को और खास बना दिया। 70वें मिनट में टोटनहम के डेस्टिनी उडोगी के आत्मघाती गोल ने लिवरपूल की बढ़त 5-1 कर दी और मुकाबला पूरी तरह एकतरफा हो गया।

फैन्स ने मुकाबले से पहले एनफील्ड के बाहर लिवरपूल 20 टाइम चैंपियंस के झंडे और स्कार्फ्स लहराए। कोविड के कारण 2020 में जश्न नहीं मना सके लिवरपूल फैन्स ने इस बार खिताबी जीत का भरपूर आनंद उठाया।

राजस्थान के लिए प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म, शेन बॉन्ड बोले- अब भी बहुत कुछ दांव पर

एजेंसी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राजस्थान रॉयल्स की हालत बेहद नाजुक हो गई है। नौ में से केवल दो मैच जीतकर टीम अंकतालिका में नीचे से दूसरे स्थान पर है। हालांकि अब भी गणितीय तौर पर प्लेऑफ की उम्मीद बची है, लेकिन गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने माना कि इस सीजन में टीम के लिए आगे का रास्ता मुश्किल नजर आ रहा है। बावजूद इसके उन्होंने भरोसा दिलाया कि बचे हुए पांच लीग मैचों में टीम और खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। राजस्थान रॉयल्स ने हाल के कुछ मुकाबले बेहद करीबी अंतर से गंवाए हैं। शेन बॉन्ड ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, सबसे कठिन बात यह है कि हम लगभग 35 ओवरों तक मैच पर नियंत्रण में रहे, लेकिन आखिरी पलों में विपक्षी टीमें हमसे बेहतर साबित हुईं। अगर आप अंकतालिका देखें तो हम सोचते हैं कि हम कहां हो सकते थे, लेकिन अब कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, शायद अब हम टूर्नामेंट से बाहर हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ दांव पर है। टीम के लिए सीजन को मजबूती से खत्म करना और व्यक्तिगत तौर पर भविष्य के लिए खुद को साबित करना जरूरी है।इस सीजन में राजस्थान की मुश्किलें कई मोर्चों पर रही हैं।

कप्तान संजू सैमसन चोट के कारण ज्यादातर समय टीम से बाहर रहे, जिसकी वजह से 22 वर्षीय रियान पराग को कप्तानी संभालनी पड़ी और 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग करनी पड़ी। हालांकि वैभव ने अपने हुनर की झलक दिखाई, लेकिन बाकी बल्लेबाजों की असंगत प्रदर्शन ने टीम को नुकसान पहुंचाया। राजस्थान अब तक पांच बार लक्ष्य का पीछा करते हुए हार चुका है। पावरप्ले में सबसे तेज रन बनाने के बावजूद, टीम मिडिल और डेथ ओवर्स में रन गति बनाए रखने में असफल रही है। स्पिनर्स का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा, जिनकी इकॉनमी रेट (9.16) और स्ट्राइक रेट (23) लीग में सबसे खराब में शामिल हैं। बॉन्ड ने अपनी गेंदबाजी इकाई का बचाव करते हुए कहा, हाल के तीन मैचों में हमने विपक्षी टीमों को ऐसे स्कोर पर रोका जिसे हम आसानी से चेज़ कर सकते थे। हमने मौके गंवाए, खासकर बल्लेबाजी में। जोफ्रा आर्चर ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन उतनी नियमितता से विकेट नहीं निकाल पाए जितनी गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा ने। वहीं तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा भी निर्णायक क्षणों में प्रभावी साबित नहीं हो पाए। गुजरात टाइटंस के खिलाफ सोमवार को होने वाला मुकाबला राजस्थान के लिए 'करो या मरो' जैसा होगा। हारने पर प्लेऑफ की आखिरी उम्मीद भी टूट जाएगी, लेकिन जीतने पर टीम कुछ समय के लिए दौड़ में बनी रह सकती है।

द्वितीय एशियाई योगासन खेल चैम्पियनशिप का भव्य समापन, भारत बना स्वर्ण पदक विजेता

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी स्टेडियम (नई दिल्ली) में आयोजित द्वितीय एशियाई योगासन खेल चैम्पियनशिप का भव्य समापन समारोह आयोजित हुआ। तीन दिवसीय इस आयोजन में बीस एशियाई देशों के खिलाड़ियों ने योगासन में अपने अद्वितीय कौशल, शक्ति और अनुशासन का प्रदर्शन किया। यह सफल आयोजन योगासन भारत और एशियन योगासन द्वारा आयुष मंत्रालय, युवा मामलों और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय तथा दिल्ली सरकार के सहयोग से किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने आयोजकों की सराहना करते हुए योगासन को वैश्विक खेल मानचित्र पर स्थापित करने के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर योगासन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो मान्यता मिल रही है, वह भारत की सांस्कृतिक धरोहर का गौरव बढ़ा रही है। समारोह में योग गुरु स्वामी रामदेव, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव, संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, युवा मामलों और खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया तथा राज्य मंत्री रक्षाखडसे समेत कई गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की। भारत ने 83 स्वर्ण पदक जीतकर योगासन खेलों में अपना वर्चस्व स्थापित किया। जापान ने दूसरा और मंगोलिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आईपीएल 2025: बेंगलुरु ने दिल्ली को 6 विकेट से हराया, क्रुणाल-कोहली ने खेली दमदार पारी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 46वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ आरसीबी अंक तालिका में 14 प्वाइंट के संग पहले नंबर पर भी पहुंच गई है। अरुण जेटली स्टेडियम में आरसीबी ने बॉलिंग चुनी। दिल्ली ने 8 विकेट खोकर 162 रन बनाए। बेंगलुरु ने 19वें ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं थी। 26 के स्कोर पर टीम ने तीन विकेट गंवा दिए। अक्षर पटेल ने जैकब बेथेल (12) और देवदत्त पडिक्कल (0) को अना शिकार बनाया। वहीं, करुण नायर ने कप्तान रजत पाटीदार को

के लिए 119 रन की साझेदारी हुई, जो आरसीबी की किसी भी जोड़ी के द्वारा निभाई गई सबसे बड़ी पार्टनरशिप है और चौथे विकेट के लिए इस सत्र की सबसे बड़ी साझेदारी भी है। दोनों ने दिल्ली के गेंदबाजों पर शिकंजा कसते हुए आरसीबी को शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान क्रुणाल पांड्या ने 38 गेंदों में अपने करियर का दूसरा अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने 2016 में पचासा जड़ा था। वह 47 गेंदों में 73 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, विराट कोहली ने इस आईपीएल सीजन का छठा अर्धशतक लगाया। उन्होंने 45 गेंदों में 4 चौके की मदद से 51 रनों की अहम पारी खेली। आखिर में टिम डेविड ने पांच गेंदों में 19 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। दिल्ली के लिए कप्तान अक्षर पटेल को दो सफलता मिली, जबकि दुष्मंथा चमीरा ने विकेट चटकाया। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की शुरुआत ठीक ही रही। अभिषेक पोरेल और फाफ डु प्लेसिस के बीच पहले विकेट के लिए 33 रन की साझेदारी हुई। हेजलवुड ने पोरेल को 28 रन के निजी योग पर आउट किया। इसके बाद यश दयाल ने तीसरे नंबर पर आए करुण नायर को पवेलियन लौटा दिया। वह सिर्फ चार रन बना सके। उनके अलावा केएल राहुल ने तीन चौके की मदद से 41 रन बनाए, जबकि स्टब्स ने 188.88 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 34 रन बनाए। कप्तान अक्षर पटेल ने 15, आशुतोष शर्मा ने दो और विप्रज निगम ने 12 रन बनाए। वहीं, मिचेल स्टार्क और दुष्मंथा चमीरा खाता खोले बिना नाबाद रहे। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट लिए, जबकि हेजलवुड को दो विकेट मिले। इसके अलावा यश दयाल और क्रुणाल पांड्या को एक-एक सफलता मिली।

कप्तान के रूप में सभी कसौटियों पर खरे उतर रहे हैं पंत, लेकिन... : जहीर खान

मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटोर जहीर खान का मानना है कि ऋषभ पंत एक कप्तान के रूप में सभी सही कसौटियों पर खरे उतर रहे हैं लेकिन इस आईपीएल में खराब स्कोर से उबरने के लिए बल्ले से कुछ खास करने की जरूरत है। पंत का इस आईपीएल में बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन रहा है, उन्होंने 10 मैचों में 110 रन में बनाए हैं जिसमें वह छह बार इकाई अंक पर आउट हुए। उनकी चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 63 रन की पारी ही शानदार रही। पंत मुंबई इंडियंस से मिली 54 रन की हार के दौरान कामचलाऊ स्पिनर विल जैक्स की गेंद पर आउट हो गए। जहीर ने वानखेड़े स्टेडियम में स्स्त की हार के बाद मीडिया से कहा, मैं इसे किसी भी चीज से नहीं जोड़ूंगा। वह एक नेतृत्वकर्ता हैं और इस भूमिका में वह शानदार रहे हैं।

आईपीएल 2025 : मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को 54 रन से हराया

एजेंसी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 45वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को 54 रनों के बड़े अंतर से मात दी। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस की टीम अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में लखनऊ की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 7 विकेट पर 215 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में लखनऊ की टीम 20 ओवर में 161 रन पर ऑल आउट हो गई। इससे टीम को 54 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में जीत के साथ मुंबई की टीम अंक तालिका में नंबर 2 पर पहुंच गई है। मुंबई के 10 मैचों में 6 जीत और 4 हार के साथ 12 अंक है। वहीं लखनऊ की टीम 10 मैचों में 5 में जीत और 5 हार के साथ नंबर 6 पर है। उसके 10 अंक

है बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद निकोलस पूरन भी 15 गेंदों पर 27 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। टीम के कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर नहीं चले। वे चार रन बनाकर आउट हुए। मिचेल मार्श ने कुछ देर क्रीज पर समय बिताया। हालांकि उनकी पारी भी 12वें ओवर में थम गई। मार्श 24 गेंदों पर 34 रन बनाकर आउट हुए। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे डेविड मिलर ने आयुष बडोनी के साथ पारी को आगे बढ़ाया। बडोनी 35 रन और मिलर 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद लखनऊ के बल्लेबाजों के एक के बाद विकेट गिरते रहा। पूरी टीम 20 में 161 रन ही बना सकी। अब्दुल समद 2, रवि बिश्नोई 13 रन, दिग्वेश राठी एक रन, आवेश खान खाता भी नहीं खोल पाए। प्रिंस यादव ने नाबाद 4 रन बनाए। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह ने 4, ट्रेंट बोल्ट ने 3 विकेट लिए, विल जैक्स को दो और के बॉश को एक विकेट मिला।

जीआईपीकेएल : तमिल लायनेस, पंजाबी टाइग्रेस, तेलुगू चीता और भोजपुरी लेपर्डेस सेमीफाइनल में

एजेंसी

गुरुग्राम। तमिल लायनेस, पंजाबी टाइग्रेस, तेलुगू चीता और भोजपुरी लेपर्डेस ने गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में चल रही ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) के महिला सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।महिला वर्ग में लीग चरण समाप्त हो गया। महिला सेमीफाइनल मुकाबले मंगलवार को खेले जाएंगे। जीआईपीकेएल भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार लोकप्रिय हो रही है, जिसकी झलक न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर डिजिटल कैंपेन के जरिये देखने को मिली, जिससे भारत के इस स्वदेशी खेल को वैश्विक पहचान मिली। जीआईपीकेएल का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। जीआईपीकेएल चैंपियनशिप ट्रॉफी लीग में सर्वोच्चता का प्रतीक है, जो प्रतियोगिता में अतिरिक्त रोमांच जोड़ती है। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के विजेता घोषित किए जाएंगे, लेकिन केवल एक टीम को भव्य चैंपियनशिप ट्रॉफी उठाने का गौरव प्राप्त होगा।खेले गए पहले मुकाबले में मराठी फाल्कन्स ने रोमांचक मुकाबले में पंजाबी टाइग्रेस को 33-28 से हराया। दोनों टीमों ने बेहतरीन रेडिंग की, जहां फाल्कन्स ने 20 रेड अंक और टाइग्रेस ने 19

रेड अंक हासिल किए। मराठी फाल्कन्स का मजबूत डिफेंस, जिसमें 11 टैकल अंक और दो सुपर टैकल शामिल थे, निर्णायक साबित हुआ। पंजाबी टाइग्रेस ने जोरदार मुकाबला किया, लेकिन फाल्कन्स ने धैर्य बनाए रखते हुए जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले में तेलुगू चीता ने हरयाणवी ईगल्स को एकतरफा मुकाबले में 43-14 से हरा दिया। चीता ने 25 रेड अंक और 12 टैकल अंक हासिल करते हुए छह बार ऑलआउट किया और मैच पर अपना दबदबा कायम रखा। हरयाणवी ईगल्स तालमेल बिठाने में संघर्ष करती रही और केवल 10 रेड अंक व 4 टैकल अंक ही जुटा सकी, जिससे तेलुगू चीता ने बड़ी और दमदार जीत दर्ज की। तीसरे और अंतिम लीग मुकाबले में तमिल लायनेस ने भोजपुरी लेपर्डेस को 34-21 से पराजित किया। लायनेस ने 20 रेड अंक के साथ रेडिंग में दबदबा बनाया और 10 टैकल अंकों के साथ मजबूत डिफेंस भी दिखाया। उन्होंने मैच के दौरान चार ऑलआउट किए और पूरे खेल में नियंत्रण बनाए रखा। भोजपुरी लेपर्डेस ने संघर्ष किया और दो ऑलआउट अंक भी हासिल किए, लेकिन तमिल लायनेस की सर्वांगीण श्रेष्ठता के सामने टिक नहीं पाई।

दमन और दीव दो सुंदर द्वीप

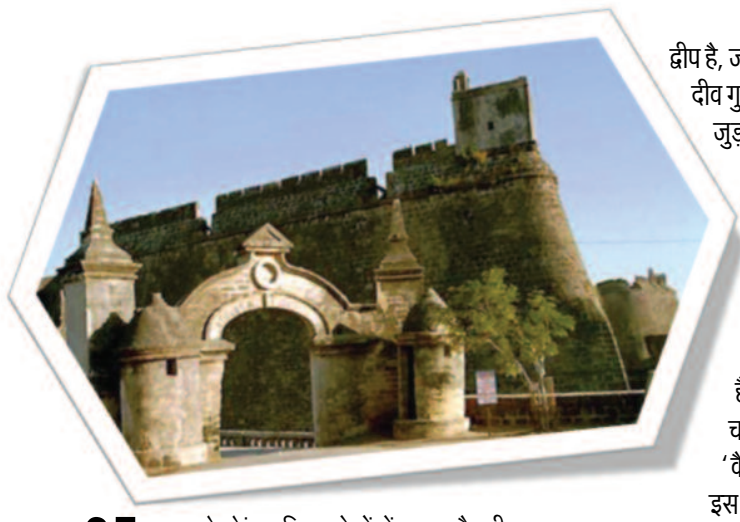

भारत के केंद्रशासित प्रदेशों में दमन और दीव भी है। अरब सागर की अपार-अगाध जलराशि ने इन्हें व्यापार और पर्यटन का प्रमुख केंद्र बना दिया है। हालाँकि ये बहुत छोटे-छोटे द्वीप हैं, परंतु इनकी प्राकृतिक सुंदरता, विविध संस्कृतियों का मेल व सुंदर समुद्र तटों ने इन्हें असीम खूबसूरती से नवाजा है। गुजरात व महाराष्ट्र राज्य की नजदीकी ने यहाँ के पर्यटन को फलने-फूलने का पूरा मौका दिया। बहुत समय तक दमन और दीव पर पुर्तगालियों का शासन था। उसके बाद इसे पुर्तगालियों से आजाद कराकर गोआ में मिला दिया गया। वर्ष 1987 में इसे एक अलग केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया गया।

दमन और दीव की स्थिति : भारत के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र मुंबई से दमन की दूरी लगभग 193 कि.मी. है। यह पूर्व में गुजरात राज्य से तथा पश्चिम में अरब सागर से जुड़ा है। इसके उत्तर में 'कोलाक' तथा दक्षिण में 'कलाई' नदी है। दमन का पड़ोसी जिला गुजरात का वलसाड जिला है। दीव भारत का एक ऐसा द्वीप है, जो दो पुलों के द्वारा जुड़ा है। दीव गुजरात के जूनागढ़ जिले से जुड़ा है।

क्या है दमन में : दमन दो भागों में 'मोटी दमन' और 'नानी दमन' में विभाजित है। इन दोनों भागों को विभक्त करने वाली नदी दमनगंगा नदी है। मोटी दमन में कई पुराने चर्च हैं, जिनमें प्रमुख चर्च 'कैथेडरल बोल जेसू' है। इस चर्च की दीवारों पर की गई ईसा मसीह के जीवन से संबंधित सुंदर चित्रकारी व लकड़ी की बेहतरीन नक्काशी पर्यटकों को यहाँ खींच लाती है। नानी दमन का मुख्य आकर्षण संत जैरोम का किला है, जो मुगलों के आक्रमण से सुरक्षा के लिए बनाया गया था।

इसके अलावा दमन के अन्य पर्यटक आकर्षणों में बोम जीजस चर्च, अवर लेडी ऑफ सी चर्च, अवर लेडी ऑफ रेमीडियोज चर्च, परगोला गार्डन, अम्यूजमेंट पार्क, दमनगंगा टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स, काचीगाम, सत्य सागर उद्यान, मिरासोल गार्डन, मिरासोल वाटर पार्क आदि हैं।

दमन के बीच : दमन की जमीन को छूते अरब सागर ने दमन को अप्रतिम प्राकृतिक सुंदरता व हरियाली प्रदान की है। दमन में दो बीच देविका बीच और जैमपोरे बीच हैं।

देविका बीच : यह बीच दमन से पाँच किमी उत्तर में है। यहाँ कई बड़े बार व रेस्टोरेंट भी हैं। यह बीच बच्चों को बहुत लुभाता है क्योंकि यहाँ बच्चों के लिए पार्क व अन्य सुविधाएँ हैं। जैमपोरे बीच : नानी दमन में स्थित यह बीच दमन का प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉट भी है। यहाँ सर्वाधिक पर्यटक आते हैं। यहाँ का शांत वातावरण प्रेमियों को खींच लाता है। यही कारण है कि अधिकांश प्रेमी जोड़े यहाँ स्वच्छंदता की तलाश में आते हैं। तैराकी के लिए भी यह बीच बहुत अच्छा स्थान है।

क्या है दीव में : सेंट पॉल चर्च, दीव फोर्ट, पनीकोटा फोर्ट, घोघला बीच, चिल्ड्रन पार्क और समर हाउस यहाँ के मुख्य पर्यटन स्थल हैं।

दीव के बीच :

नगोआ बीच : यह दीव का बेहद ही सुंदर बीच है। दीव से 20 मिनट की ड्राइव करके आप आसानी से यहाँ पहुँच सकते हैं। जू?ते के आकार के समान होने के कारण 2 किमी तक फैला यह द्वीप अब पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है।

चक्रतीर्थ बीच : यह बीच हरियाली के सौंदर्य से भरपूर है। इस बीच के आसपास स्थित सुंदर बगीचे, खुला स्टेडियम इसे पर्यटकों के लिए फुल इंजॉयमेंट का स्थान बनाता है।

कब जाएँ दमन और दीव : वैसे तो दमन और दीव की जलवायु वर्षभर पर्यटकों को आकर्षित करती है किंतु यहाँ आने का उपर्युक्त मौसम अक्टूम्बर से मई तक का है।

कैसे पहुँचें दमन और दीव : सड़क मार्ग की लंबाई : दमन में 191 किमी का सड़क मार्ग है तथा दीव में 78 किमी तक लंबा सड़क मार्ग है।

नजदीकी रेलवे स्टेशन : दमन पश्चिम रेलवे के दिल्ली-मुंबई रूट पर स्थित है। यहाँ का नजदीकी रेलवे स्टेशन गुजरात का 'वापी' है। दीव मीटर गेज रेलवे लाइन से जुड़ा है। दीव का नजदीकी रेलवे स्टेशन 'दिलवाड़ा' है।

खूबसूरत बिल्डिंगों से सजा आधुनिक शहर... चमचमाती रोशनी... साफ-सुथरी सड़क... तेज जिंदगी और एक भूकम्प..... खूबसूरत शहर का एकाएक खाक हो जाना... यह मंजर सोचकर ही भयावह लगता है, लेकिन अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत के नागरिकों के लिए यह कोई नई बात नहीं है। अपनी जीवटता के कारण वे हर तूफान के बाद शहर की बदशक्ल हो चुकी शक्ल को पहले से ज्यादा सुंदर बना देते हैं।

तूफानों के बीच थीम पार्क की सुंदर दुनिया

खूबसूरत बिल्डिंगों से सजा आधुनिक शहर... चमचमाती रोशनी... साफ-सुथरी सड़क... तेज जिंदगी और एक भूकम्प..... खूबसूरत शहर का एकाएक खाक हो जाना... यह मंजर सोचकर ही भयावह लगता है, लेकिन अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत के नागरिकों के लिए यह कोई नई बात नहीं है। अपनी जीवटता के कारण वे हर तूफान के बाद शहर की बदशक्ल हो चुकी शक्ल को पहले से ज्यादा सुंदर बना देते हैं।

आज हम आपकी मुलाकात करा रहे हैं, फ्लोरिडा की खास पर्यटन नगरिया ओरलैंडो से। ओरलैंडों की आबादी मात्र दो लाख है, लेकिन यहाँ हर साल लगभग पाँच करोड़ पर्यटक आते हैं। पर्यटकों की खासी आवाजाही ने इस उपनगर को महानगर जैसा रूप दे दिया है। होटलों की दृष्टि से यह अमेरिका का दूसरा बड़ा शहर है। ओरलैंडों को पॉप म्यूजिक की राजधानी भी माना जाता है। यहाँ का रॉक म्यूजिक काफी लोकप्रिय है। रात का सुरमई अँधेरा छाते ही यहाँ के पब और डिस्कोथेक रोशन हो जाते हैं। यहाँ के लाइव रॉक बैंड इस माहौल में चार चाँद लगा देते हैं।

आकर्षण :- वंडर वर्क्स :

फ्लोरिडा में बार-बार तूफान आते हैं। इन तूफानों से प्रेरणा लेकर ओरलैंडों वासियों ने एक अनूठे भवन का निर्माण करवाया है और उसे नाम दिया है - वन्डर वर्क्स। यहाँ के इंटरनेशनल ड्राइव मार्ग पर बनी यह इमारत सभी का ध्यान खींचती है। बिल्डिंग को देखते ही महसूस हो जाता है कि इसे यह नाम क्यों दिया गया। बिल्डिंग को पूरी तरह उल्टा बनाया गया है।

इसकी छत नीचे और नींव ऊपर है। इसे एक नजर देखने के बाद महसूस होता है कि तेज तूफान ने इसे जड़ से उखड़े पेड़ की तरह उखाड़ फेंका है। आप इस बिल्डिंग के बाहरी स्वरूप को देखकर ही ठिठक जाएँगे, लेकिन जरा अंदर जाइए जनाब। बिल्डिंग के अंदर आपके लिए काफी कुछ है। कम्प्यूटर के इस युग में यहाँ हर चीज तकनीक से सजी है। यहाँ एक खास कमरे में आप भूंकप या तूफान के समय होने वाले कंपन को महसूस कर सकते हैं। बच्चों के लिए यहाँ खासी मनोरंजक चीजों का भंडार है।

यूनिवर्सल स्टूडियो-

यह फिल्म और टीवी सीरियल बेस थीम पार्क है। इस थीम पार्क की सबसे मजेदार बात है कि यहाँ आप स्क्रीन के अंदर जाकर रील लाइफ में एक्शन का लुत्फ ले सकते हैं। यहाँ आप 'शार्क' फोर डी जैसी ऑस्कर विनिंग फिल्म में प्रिंसेस फियोना का साथ दे सकते हैं।

यहाँ सारी फिल्में इंटरेक्टिव सेक्शन में रखी गई हैं। जैसे शार्क थ्री डी फिल्म है, लेकिन यहाँ उसे फोर डी का रूप देकर नन्हे मेहमानों के लिए खास डायमेंशन बनाया गया है। शार्क की ही तरह यहाँ ' रिवेंज ऑफ द ममी, फियर फेक्टर लाइव, मेन इन ब्लैक, ईटी एडवेंचर' जैसी फिल्में इंटरेक्टिव सेक्शन में शामिल हैं।

डिजनी लैंड :-

ओरलैंडो को बच्चों का स्वर्ग कहा जाए तो गलत न होगा। यहाँ बच्चों के लिए काफी कुछ है... इनमें से एक है डिजनी लैंड। यहाँ आकर बच्चे कार्टून की रंग-बिरंगी दुनिया से रू-ब-रू होंगे। बच्चे यहाँ न सिर्फ खूबसूरत कार्टून कैरेक्टर जैसे मिक्की-माउस, एरियल, चिकिन लिटल आदि से मिल सकते हैं, बल्कि कार्टून फिल्म कैसे बनाई जाती है आदि प्रकियाएँ भी देख-समझ सकते हैं। यहाँ वे वॉल्ड डिजनी की कल्पनाओं से भी रु-ब-रू हो सकते हैं, जो मिकी के चरित्र को रचते समय उनके जेहन में थीं।

यहाँ के मैजिकल कासल में 'विश कम ट्रू' नामक 12 मिनट की खूबसूरत फिल्म दिखाई जाती है। इस फिल्म में डिज्नी के क्लासिकल गानों और कार्टून कैरक्टरों के संवादों को मिलाकर दिलचस्प फिल्म दिखाई जाती है। इसके अलावा यहाँ हर रात होने वाला फायर वर्क्?स शो बच्चों को काफी पसंद आता है। इस शो में आधे घंटे तक तेज रोशनी वाले पटाखे जलाए जाते हैं।

वॉटर पार्क -

कुछ एक्साइटिंग और एडवेंचरस चाहिए तो डिजनी लैंड का वॉटर पार्क आपकी सही मंजिल है। यहाँ कई फन पैक्ड वॉटर राइड्स हैं। बड़े और बच्चों दोनों को ध्यान रखकर वॉटर स्लाइड्स बनाई गई हैं। यहाँ आकर आपको लगेगा कि आप वॉटर वर्ल्ड में आ गए हैं।

नासा का कैनेडी स्पेस सेंटर :-

ओरलैंडो से मात्र 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, नासा का विश्व प्रसिद्ध कैनेडी स्पेस सेंटर। आप कुछ आवश्यक इजाजत लेकर विज्ञान की इस दुनिया को जान समझ सकते हैं।

फायर वर्क्स डे:- ओरलैंडो में न्यू ईयर ईव और स्वतंत्रता दिवस के दिन खासतौर पर फायर वर्क्स डे मनाया जाता है। इस दिन ओरलैंडोवासी 'दीवाली' की तरह रोशन रात का जश्न मनाते हैं। सरकार की तरफ से खास आयोजन किए जाते हैं, जिन्हें देखने दूर-दूर से लोग आते हैं।

कब जाएँ- ओरलैंडो जाने के लिए जुलाई-अगस्त का मौसम सबसे अच्छा है। ' समर' यहाँ का पीक मौसम है। इस समय पर्यटकों की भीड़ इस शहर को घेर लेती है। 4 जुलाई के दिन यहाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस समय आप यहाँ लोकतांत्रिक अमेरिका को ओरलैंडों की नजर से बेहद खूबसूरत लाल-नीले और सफेद रंग में निहार सकते हैं।

कैसे जाएँ-

आप अमेरिका के लिए दिल्ली या मुंबई से सीधी फ्लाइट ले सकते हैं। इस शहर में हवाई यात्रा का खासा जाल बिछा हुआ है। यहाँ का ओरलैंडो इंटरनेशनल एयरपोर्ट और सेनफोर्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश-विदेश की करीब साठ एयरलाइंस से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा शहर में बस, टैक्सी और ट्रेन का अच्छा जंक्शन है, जिन्हें आप अपने बजट के अनुसार चुन सकते हैं।

कहाँ ठहरे- होटलों की दृष्टि से ओरलैंडो अमेरिका का दूसरा बड़ा शहर है। यहाँ सस्ते टूरिस्ट हाउस से लेकर मँहगे आलीशान फाइव स्टार होटल हैं। आप यहाँ जाने से पहले होटल की ऑनलाइन बुकिंग कर लें तो बेहतर होगा। यदि आपका कार्यक्रम तय है तो काफी पहले बुकिंग करें। पीक डेज में बुकिंग काफी मँहगी हो जाती है। यहाँ पहले आओ, सस्ता पाओ का फंडा काफी चलता है। इसके साथ ही डिजनी के रिसॉर्ट में ठहरने का अनुभव भी बेहद अनूठा है। यदि यह आपके बजट को सूट करता है तो यहाँ जरूर ठहरें।

बजट :-

यदि आप इंडिया से पहले अमेरिका और फिर ओरलैंडों जा रहे हैं तो दो व्यक्तियों के लिए कम-से-कम डेढ़ लाख का खर्चा आएगा। कई अच्छे टूर पैकैज उपलब्ध हैं। उन पर खास ध्यान रखिए। यदि अमेरिका से ओरलैंडों जाना चाहते हैं तो 600-700 डॉलर (25,000 से 30,000 रु.) में काम चल जाएगा।

टिप्स :-

क विदेश यात्रा के समय काफी पहले से तय किया कार्यक्रम आर्थिक रूप से फायदेमंद होता है। आप काफी अच्छे ऑफर्स पहले से ही बुक कर सकते हैं। एक कहावत है कि यदि अमेरिका और यूरोप में पहले से बुकिंग करो तो पाँच सौ रुपय में विम्बल्डन का मजा ले सकते हो।

कआज तकनीक का जमाना है। जब भी विदेश घूमने का मन हो, नेट को सच्चा गाइड मानकर लगातार सर्च करते रहें। लेकिन हमारी सलाह है कि बुकिंग आदि के लिए ऑफीशियल साइट का ही उपयोग करें। यहाँ गलत जानकारी और ठगे जाने की संभावना न के बराबर होती है।

कवीजा की पूरी तैयारी काफी पहले से कर लें। ताकि ऐन वक्त पर परेशानी न उठानी पड़े।

कविदेश भ्रमण के समय पासपोर्ट का खास ख्याल रखें। मौज-मस्ती में इसे घुमा न दें।

कविदेश जाते समय हेल्थ बीमा अवश्य करवाएँ। सही समय पर थोड़े से पैसे खर्च करने से आप भविष्य में आने वाली एकाएक तकलीफ के लिए तैयार रहेंगे। शुभ यात्रा।

पहलगाम अटैक के बाद बॉलीवुड सिंगर्स का बड़ा फैसला,

श्रेया घोषाल

से अरिजीत सिंह तक ने कैंसल किए कॉन्सर्ट

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के बाद से तनाव की स्थिति देखने को मिल रही है. भारत और पाकिस्तान के रिश्ते अब फिर से एक बार पटरी से उतर गए हैं. भारत में इस टेरर अटैक का पुरजोर विरोध देखने को मिल रहा है. अब बॉलीवुड के एक्टर्स के बाद इंडस्ट्री के म्यूजिशियन्स और सिंगर्स ने भी इस घटना का विरोध किया है और अपने तरीके से शोक व्यक्त किया है. बीते दिनों कई सारे सिंगर्स ने पहलगाम अटैक के बाद से बड़ा निर्णय लिया है और अपने शोज कैंसल कर दिए हैं. इस दुख की घड़ी में कोई भी उत्सव नहीं मनाना चाहता है. इन सिंगर्स में अरिजीत सिंह से लेकर श्रेया घोषाल तक का नाम शामिल है.

रैपर एपी ढिल्लों ने रद्द किया एल्बम लॉन्च

22 अप्रैल 2025 का दिन देश के इतिहास में काला दिन साबित हुआ. इस दिन इंसानियत शर्मशार हुई. कुछ आतंकवादियों ने अचानक पहलगाम के पर्यटकों पर हमला बोल दिया और उनका धर्म पूछकर गोली मारी. इस हादसे के बाद से कश्मीर में वापस लौट रही खुशहाली एक बार फिर से मातम में बदल गई. ऑफिशियल आकड़ों की मानें तो हमले में 28 बेकुसूरों की जान चली गई. इसके बाद से शोक व्यक्त करते हुए सिंगर एपी ढिल्लों ने अपना एल्बम लॉन्च रद्द कर दिया. उन्होंने सोशल मीडिया पर नोट शेयर करते हुए लिखा- पहलगाम में मारे गए बेकुसूर लोगों के सम्मान में मैं आने वाली नोटिस तक अपना एल्बम रिलीज पोस्टपोन करता हूं. जो लोग भी इसमें प्रभावित हुए हैं उनके लिए मेरी संवेदनाएं हैं.

कैंसल हुए श्रेया घोषाल-अरिजीत सिंह के कॉन्सर्ट्स

पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंदौर स्टेडियम में शनिवार के दिन सिंगर श्रेया घोषाल का 'ऑल हार्ट टूर' कॉन्सर्ट होना था जिसे इस हादसे के बाद कैंसल कर दिया गया. श्रेया ने इसपर स्टेटमेंट जारी करते हुए लिखा- हाल में हुए भयावह इंसिडेंट के बाद से ऑर्गेनाइजर्स और आर्टिस्ट्स ने मिलकर ये फैसला लिया है कि वे आगामी कॉन्सर्ट को कैंसल कर रहे हैं. ये शो 26 अप्रैल 2025 को शनिवार के दिन सूरत में होना था. जिन लोगों का टिकट्स का पैसा लगा है उन्हें फुल रिफंड मिल जाएगा.

अंदाज अपना अपना की स्क्रीनिंग से आमिर ने बनाई दूरी

इसके अलावा फेमस सिंगर अरिजीत सिंह का बड़ा कॉन्सर्ट चेन्नई में रविवार 27 अप्रैल 2025 के दिन होने वाला था. लेकिन पहलगाम घटना का हवाला देते हुए ये कॉन्सर्ट भी रद्द कर दिया गया. वहीं साउथ फिल्मों के नामी म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध रविचंदर के साथ भी ऐसा ही देखने को मिला. उन्होंने बेंग्लुरु में होने वाला अपना हुकुम टूर भी कैंसल कर दिया. वहीं बॉलीवुड सिंगर पापोन ने भी 26 अप्रैल 2025 को होने वाला अपना अहमदाबाद का शो रद्द कर दिया. इसके अलावा बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने भी लाइमलाइट से दूरी बना ली. उन्होंने अंदाज अपना अपना फिल्म के रीरिलीज की स्पेशल स्क्रीनिंग में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई.

शाहरुख ने कुछ समय के लिए मन्नत क्या छोड़ा इन लोगों को हो गया भारी नुकसान, लगी लाखों की चपत

शाहरुख खान देश के ऐसे एक्टर हैं जिन्होंने फर्श से अर्श तक का सफर तय किया है. आज वे देश के सबसे कामियाब एक्टर्स में से एक माने जाते हैं. सुपरस्टार की पॉपुलैरिटी सिर्फ भारत में ही नहीं है बल्कि भारत के बाहर भी है. शाहरुख खान के घर मन्नत के बाहर उनकी एक झलक पाने के लिए लोगों की लाइन लगती है. इतनी भीड़ आती है कि पांव जमीन पर रखना भी मुश्किल हो जाता है. लेकिन फिलहाल मन्नत की गलियां सूनी पड़ी हैं. वजह है कि शाहरुख खान अपने परिवार के साथ दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं. इस वजह से वहां पर लोगों की संख्या में भारी गिरावट देखने को मिली है. और इसका सीधा नुकसान आस-पास के वेंडर्स को भुगतना पड़ रहा है.

आस-पास के वेंडर्स को हो रही तकलीफ

हाल ही में एक सर्वे में सामने आया था कि शाहरुख खान का मन्नत देश की थर्ड मोस्ट फोटोग्राफ्ड प्लेसेज में से एक है. मन्नत में शाहरुख खान काफी समय से अपने परिवार के साथ रह रहे हैं. इस जगह पर उनसे मिलने के लिए, उनकी एक झलक पाने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं. लेकिन फिलहाल शाहरुख के मन्नत का रिनोवेशन चल रहा है. इस वजह से वे मौजूदा समय में फैमिली के साथ दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं. ऐसे में मन्नत में नजर आने वाला लोगों का भारी हुजूम कम पड़ गया है. इसका सीधा नुकसान वहां पर आस-पास रेड़ी लगाने वाले लोगों पर पड़ रहा है.

शाहरुख नहीं तो मन्नत कुछ नहीं...

एक आइसक्रीम वेंडर ने बातचीत के दौरान बताया कि कुछ दिनों में ही भारी बदलाव हो गया. चूंकि शाहरुख खान हैं नहीं इसलिए ज्यादा लोग नहीं आ रहे हैं. एक दूसरे वेंडर ने कहा कि पहले ऐसा होता था कि लोग आते थे तो अच्छे खासे समय के लिए रुककर भी जाते थे. लेकिन अब जैसे ही लोगों को पता चलता है कि शाहरुख खान मन्नत में नहीं रह रहे हैं तो ऐसे में लोग रुकते भी नहीं हैं और तुरंत चले जाते हैं. लोग टैक्सी और ऑटी को रोकते भी नहीं हैं और बैठे-बैठे ही निकल जाते हैं. शख्स ने कहा कि शाहरुख खान है तो मन्नत है नहीं तो ये जगह कुछ भी नहीं है. शाहरुख की बात करें तो वे अबराम, सुहाना, आर्यन और गौरी खान के साथ बांद्रा के पाली हिल में शिफ्ट हो गए हैं.

सुसाइड या एक्सीडेंट? कैसे हुई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मिशा अग्रवाल की मौत? दोस्त ने बता दी वजह

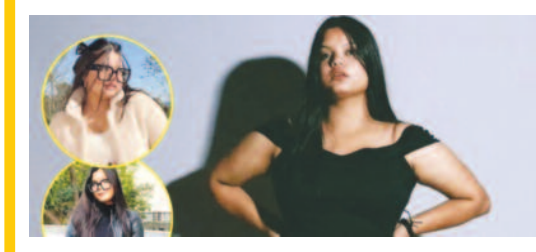

सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर मीशा अग्रवाल ने 24 अप्रैल को दुनिया से अलविदा कह दिया है. इस बात की कंफर्मेशन उनके परिवार की तरफ से मिली है. मीशा कॉमिक कंटेंट बनाने के लिए जानी जाती थी. हालांकि, किसी को ये नहीं पता था कि आखिर वो किस सिचुएशन से गुजर रही हैं. मौत की खबर सामने आने के बाद हर तरफ सिर्फ ये सवाल उठ रहा है कि आखिर अचानक से ऐसा कैसे हो गया, इसी बीच मीशा की फ्रेंड ने एक बड़ा हिंट दिया है.मीशा के बारे में बात करें, तो वो उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की रहने वाली थीं. काफी वक्त से मीशा ने सोशल मीडिया पर अपनी कमाल की पहचान बनाई हुई है. यूट्यूब पर मीशा ने साल 2017 पर द माशी अग्रवाल शो के नाम से चैनल शुरू किया था. इंस्टाग्राम पर भी मीशा के अच्छे खासे फॉलोवर्स थे. 26 अप्रैल को मीशा अपना 25वां बर्थडे सेलिब्रेट करने वाली थीं, हालांकि उससे 2 दिन पहले ही उनके परिवार ने उनकी डेथ की खबर दे दी. हालांकि, परिवार की तरफ से मीशा की डेथ की कोई भी वजह नहीं बताई गई थी. लेकिन, मीशा की फ्रेंड मीनाक्षी भेरवान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में उनकी डेथ की वजह बताई है.

दोस्त ने स्टोरी की थी शेयर

दरअसल मीनाक्षी ने स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, कल से ही मुझे कई सारे मैसेज मिल रहे हैं, जिसमें पूछा जा रहा है कि क्या हुआ. वह अब हमारे साथ नहीं है, और जिस तरह से वह चली गई, उससे हम में से कई लोग बुरी तरह से हिल गए और सभी का दिल टूट गया है. हम में से किसी ने भी यह नहीं देखा कि उसने 4 अप्रैल के बाद से कोई पोस्ट नहीं किया है और ऑनलाइन इतना एक्टिव रहने वाले शख्स के लिए ये बहुत कुछ कहता है. सुबह से ही, मेरा इनबॉक्स हर जगह से आने वाले प्यार से भर गया है, मैं बस यही चाहता हूं कि काश वो इसे देख सकती. उसको ये एहसास नहीं हुआ कि जो कुछ भी वो फील कर रही थी, उसकी जिंदगी उससे कई ज्यादा बड़ी थी. तुम्हारी याद आती है, तुमसे प्यार किया जाता है और मुझे उम्मीद है कि तुम्हें शांति मिली होगी.

मेंटली तौर पर थीं परेशान

मीशा की दोस्त की इस स्टोरी के बाद से ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि मीशा मेंटली तौर पर सही फील नहीं कर रही थीं. हालांकि, उनकी डेथ की पोस्ट में भी कई सारे लोगों ने उनके सुसाइड करने की बात कही है और अब उनकी दोस्त की स्टोरी से भी ये चीज साफ हो रही है. मीशा लॉ की स्टूडेंट थी, हालांकि, पढ़ाई के साथ उन्होंने कंटेंट क्रिएटर के तौर पर भी अपना करियर बनाने की पूरी कोशिश की. हालांकि, वो एक हद तक सफल भी रहीं. इंस्टाग्राम की बात करें, तो उन्हें 3 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं.

भारत छोड़ लंदन शिफ्ट क्यों हुए

विराट-अनुष्का

इस दिग्गज एक्ट्रेस के पति ने खोल दिए सारे राज

बीते करीब एक साल में मशहूर एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और विराट कोहली को कई दफा लंदन में देखा गया है. दोनों के लंदन में शिफ्ट होने की अटकलें लगाई जा गईं. वहीं अब दोनों के लंदन में शिफ्ट होने पर मुहर भी लग गई है. बॉलीवुड और क्रिकेट की इस सुपरस्टार जोड़ी के भारत छोड़कर लंदन में सेटल होने का खुलासा किया है दिग्गज एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के पति डॉ श्रीराम नेने ने. साथ ही उन्होंने कपल के भारत छोड़ने की वजह भी बताई है.

भारत छोड़ लंदन शिफ्ट क्यों हुए विराट-अनुष्का ?

अनुष्का और विराट के भारत छोड़कर लंदन में रहने को लेकर श्रीराम नेने ने बड़ा खुलासा किया है. श्रीराम नेने ने एक इंटरव्यू में कहा, मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है. हम उनसे कई बार मिल चुके हैं. वो बहुत अच्छे इंसान हैं. मैं आपको कुछ बताऊंगा और यही आपको सीखने को मिलेगा. हमने एक दिन अनुष्का से बातचीत की, और यह बहुत दिलचस्प थी. वो दोनों लंदन जाने के बारे में सोच रहे थे, क्योंकि वो अपनी सफलता का आनंद नहीं ले पा रहे थे इंडिया में. हम उनकी इस परेशानी की तारीफ करते हैं, क्योंकि वो जो कुछ भी करते हैं, वह ध्यान आकर्षित करता है. हम लगभग अलग-थलग पड़ जाते हैं.

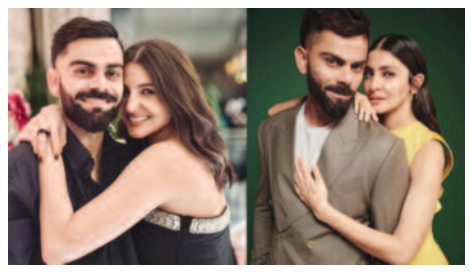

बच्चों को सामान्य और साधारण जीवन देना चाहते हैं

अनुष्का और विराट ने ये फैसला अपने दोनों बच्चों को बेहतर परवरिश और सामान्य जीवन देने के लिए भी लिया है. माधुरी के पति और कार्डियक सर्जन डॉ श्रीराम नेने ने आगे बताया, मैं सबके साथ घुल-मिल जाता हूं. मैं काफी बिंदास हूं, लेकिन ये भी चैलेंजिंग हो जाता है. हमेशा एक सेल्फी मोमेंट होता है. ये बुरी तरह से नहीं है, लेकिन एक समय ऐसा आता है जब आप अपने परिवार के साथ डिनर या लंच पर होते हैं और आपके पास कोई सेल्फी लेने आता है तो आपको विनम्र होना पड़ता है. मेरी पत्नी के लिए, यह एक मुद्दा बन जाता है, लेकिन अनुष्का और विराट काफी अच्छे लोग हैं और वो अपने बच्चों को सामान्य तरीके से पालना चाहते हैं.

2017 में हुई थी विराट-अनुष्का की शादी

अनुष्का और विराट ने एक दूसरे को साल 2013 से डेट करना शुरू किया था. करीब चार साल की डेटिंग के बाद कपल ने 2017 में इटली में धूमधाम से शादी रचा ली थी. 2021 में कपल ने बेटी वामिका और 2024 में बेटे अकाय कोहली का वेलकम किया.